समाचार
हॉक्सर
सत्यमेव जयते
पाक्षिक
Jh.eNews
तमसो माँ ज्योतिर्गमय
ज.ह. शास. स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, बैतूल (म.प्र.)

वर्ष - 9 | दिनांक 11 जुलाई से 10 अक्टूबर 2020 | अंक - 31 | पृष्ठ - 13

## इंटर डिस्सीप्लीनरी डेवलपमेंट इन साइंस टेक्नोलॉजी एवं ह्यूमनिटी विषय पर हुई कॉन्फ्रेंस

# अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में अमेरिका सहित 5 देशों के वैज्ञानिकों ने रखे विचार, 498 शिक्षाविदों ने की शिरकत










जेएच ई न्यूज, बैतूल। जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल कॉन्फ्रेंस 5 एवं 6 अगस्त 2020 को आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस की थीम इंटर डिस्सीप्लीनरी डेवलपमेंट इन साइंस टेक्नोलॉजी एवं ह्यूमनिटी विषय पर आधारित थी। इस कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के 498 शिक्षाविदों वैज्ञानिकों शोधार्थियों एवं छात्रों ने सहभागिता की। इस दौरान अमेरिका, ब्राजील, मोरक्को, वियतनाम, ताइवान के वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे। कॉन्फ्रेंस में भारत से वेल्लोर, जमशेदपुर, पुना, नागपुर, कश्मीर, बिहार उत्तर प्रदेश, गडचिरोली, सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से शोधार्थी एवं छात्र शामिल हुए।

### प्राप्त हुए 302 शोध पत्र

इस कॉन्फ्रेंस में 302 शोध पत्र प्राप्त हुए कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के कुलपति शामिल रहे। कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एमके श्रीवास्तव मा.रजिस्ट्रार, डॉ आरके मिश्रा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ विजेता चौबे, कन्वेनर डॉ सुखदेव डोंगरे, डॉ चंद्रशेखर मेश्राम, डॉ प्रमिला वाधवा, डॉ हर्षलता सोमटके की उपस्थिति में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया गया। मंच संचालन डॉ कमलेश अहिरवार एवं गुंजन डोंगरे द्वारा तथा तकनीकी संचालन गौरव डोंगरे के द्वारा किया गया।

## वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने इन विषयों पर रखे विचार

कॉन्फ्रेंस में ब्राजील से प्रो सेल्सो एजी संटोस ने वेवलेट ट्रांसफॉर्म पर, प्रो सुरेंद्र के सक्सेना ने इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विषय पर, प्रो हेमंत कुमार नशीने ने मैट्रिक्स इक्वीसन पर, डॉ बलराम अंबाडे ने क्लाइमेट चेंज पर, डॉ जितेंद्र वी टेंबुर्ने ने न्यूरल नेटवर्क विषय पर, डॉ पीएम खोब्रागडे ने आर्कियोलॉजिकल स्टडी विषय पर, प्रो राकेश रामटके ने पैटर्न रिकॉग्निशन पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि प्रो आशीष गुप्ता, विशिष्ट अतिथि डॉ हर्षलता सोमटके, सेशन के चेयरपर्सन डॉ धर्मेंद्र कुमार की उपस्थिति में देश-विदेश के 20 प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों के द्वारा अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद तृतीय सत्र में डॉ मनोहर गावंडे ने की नोट एड्रेस किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि डॉक्टर प्रमिला वाधवा एवं सेशन के चेयरमैन डॉक्टर प्रदीप सिंह राव रहे। इस सत्र में लगभग 25 शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया। कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस की शुरुआत डॉ चंद्रशेखर मेश्राम की कीनोट ऐड्रेस से हुई इस सत्र में डॉ सरिता मेश्राम वियतनाम ने रिमोट सेंसिंग विषय पर, मोरक्को अफ्रीका से डॉक्टर ब्राहिम बेंजोउगच डिसीजन मेकिंग विषय पर प्रो युवराज पाटील ने सी पी एस पर डॉ संतोष पी सुराड़कर ने अंबेडकर के किसान आंदोलन नेतृत्व पर डॉक्टर सुनील डी बागड़े ने थर्मो इलास्टिसिटी पर डॉ बीके डेहरिया छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय ने इंटरसीप्लीनरी पर अपने बहुआयामी विचार रखें।

### योग एवं सुदर्शन क्रिया पर दिया उद्बोधन

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि प्रो एनडी वाघमारे, विशिष्ट अतिथि डॉ एमके मेहता एवं चेयरपर्सन डॉ एसके वर्मा रहे। इस दौरान विभिन्न विषयों के लगभग 25 शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया। छठे सत्र में अमेरिका बोस्टन से सांख्य मुना घाटे ने यूएसए के एजुकेशन सिस्टम पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस सत्र में मुख्य अतिथि डॉ.डीएन खसदेव, विशिष्ट अतिथि डॉ दिनेश मेश्राम एवं चेयरपर्सन डॉ अनीता सोनी उपस्थित रहे। इस सत्र में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने लगभग 30 शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम में डॉ अलका पांडे ने योग एवं सुदर्शन क्रिया पर अपना सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया। वहीं डॉ अनीता सोनी ने भारतीय शिक्षा पर अपनी कविता प्रस्तुत की।

### कॉन्फ्रेंस के समापन पर माना आभार

कॉन्फ्रेंस समापन समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ विजेता चौबे ने की। मुख्य अतिथि डॉ. हर्ष लता सोमटके, विशिष्ट अतिथि डॉ प्रमिला वाधवा उपस्थित थे। समापन में अध्यक्ष डॉक्टर विजेता चौबे ने कांफ्रेंस के सफल आयोजन के लिए एवं विभिन्न विषयों को एक मंच पर लाकर विचारों का आदान प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के कन्वेनर डॉ सुखदेव डोंगरे ने सभी वैज्ञानिकों, शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया।

### नई शिक्षा नीति पर दिया जोर

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में कुलपति डॉ एमके श्रीवास्तव ने कहा कि कॉन्फ्रेंस का विषय नई शिक्षा नीति को अंतर गर्भित करता है। अब विद्यार्थी अपने पसंद का विषय चयन कर अध्ययन कर सकते है। रजिस्ट्रार डॉ आर के मिश्रा ने अपने उद्बोधन में विभिन्न विषयों की प्रासंगिकता एवं संबंधों पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण में डॉ विजेता चौबे प्राचार्य जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने सभी का इस अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल कान्फ्रेंस में स्वागत किया एवं इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के कन्वेनर डॉ सुखदेव डोंगरे ने कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा का परिचय दिया।

### इनका रहा सहयोग

कांफ्रेंस के सफल आयोजन में डॉ विजेता चौबे के मार्गदर्शन में डॉ सुखदेव डोंगरे खुशाल टेकाम, डॉ कमलेश अहिरवार, डॉ चंद्रशेखर मेश्राम, डॉ मनोज उइके, डॉ रितु साहू, डॉ प्रतिभा पौरे, प्रो संजय विश्वकर्मा, प्रो.राजकुमार चौकीकर, डॉ.सोनाली सैनी, डॉ मनोज घोरसे, डॉ राजा अतुलकर, डॉ कुणाल किशोर खरले, डॉ मनोहर गावंडे, डॉ श्रीकांत पांडे, प्रो नीरज, प्रो प्रीति नागले, प्रो.अर्चना सोनारे, डॉ अर्चना मेहता, डॉ हेमंत देशपांडे, डॉ राजकुमार गौतम, प्रो.केशव सिसोदिया डॉ. प्रकाश सोलंकी, डॉ.संतोष कापसे का सहयोग रहा।

# प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे एवं डॉ. मीनाक्षी चौबे मणिकर्णिका पुरस्कार से सम्मानित

बैतूल। डाटर्स डे इस बार बैतूल के लिए ऐतिहासिक हो गया। कोरोना काल के दौरान बैतूल की बेटियों के सम्मान में आदित्य होण्डा शोरुम, बोथरा शॉपिंग मॉल एवं बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में अलग-अलग चैलेंजिंग क्षेत्रों में कार्य कर रही बेटियों को मणिकर्णिका सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान चिकित्सा एवं पुलिस विभाग में कार्यरत डॉक्टर्स और अधिकारियों को भी कोरोना योद्धा सम्मान देकर सम्मानित किया गया। स्थानीय स्वामी विवेकानंद



महाविद्यालय सदर में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हेमंत खण्डेलवालजी पूर्व सांसद बैतूल, विशेष अतिथि एवं प्रमुख वक्ता ज्योतिषाचार्य कांत दीक्षित, समाजसेवी हरवंश आहूजा, राजकुमार बोथरा एवं संस्था के संरक्षक आदित्य बबला शुक्ला के साथ नन्हीं बेटी आयुषी यादव और पूर्वी वागद्रे ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वजित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजक टीम में शामिल वरिष्ठ समाजसेवी राजेश आहूजा, धीरज बोथरा, कमलेश गढ़ेकर, बिट्टू बोथरा एवं भारत पदम ने सभी अतिथियों को सरहद की स्मृति देकर स मानित किया। इस अवसर पर संगीता बोहरा, धीरज बोथरा, नूपुर एवं दिशा मौर्य ने बेटियों एवं कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। सौ या आहूजा द्वारा बेटियों की वर्तमान स्थितियों को लेकर अपने मन की बात मणिकर्णिका के मंच से कही। कार्यक्रम का संचालन समिति अध्यक्ष गौरी पदम ने किया।

### इनका हुआ सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर प्रो. विजेता चौबे, प्राचार्य जेएच कॉलेज बैतूल, रितु खण्डेलवाल संचालक आरडीपीएस बैतूल, प्रो मीनाक्षी चौबे जेएच कॉलेज बैतूल का सम्मान किया गया।

» प्राचार्य:- डॉ. विजेता चौबे » संपादक - डॉ. सुखदेव डोंगरे » सह संपादक - डॉ. गोपाल साहू » - डॉ. मनोहर गावंडे

**संपादकीय**

# ऑनलाइन शिक्षा और कार्यक्रमों का कीर्तिमान

डॉ. सुखदेव डोंगरे
संपादक

अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन के अलावा कोरोना वायरस ने जिस चीज को सर्वाधिक प्रभावित किया है वह है शिक्षा व्यवस्था है। स्कूली से लेकर उच्च स्तरीय शिक्षा इस समय ऑनलाइन ही चल रही है। इसी कड़ी में जेएच कॉलेज ने जूम, गूगल क्लासरूम, माइक्रोसॉफ्ट टीम, स्काइप जैसे प्लेटफॉर्मों के साथ-साथ यूट्यूब, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण का विकल्प अपनाया है, जो इस संकट-काल में एकमात्र रास्ता है। इसके अलावा कार्यशाला, मीटिंग और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन में भी जेएच कॉलेज की टीम ने सक्रिय भागीदारी की है। वहीं राष्ट्रीय स्वयं सेवकों की दोनों इकाईयों ने कोरोना संकटकाल में शिक्षा के साथ-साथ अपना सामाजिक दायित्व भी बखूबी निभाया है। हालांकि हम ये भी जानते हैं कि क्लासरूम की पढ़ाई छात्र-छात्राओं के लिए बेहद जरूरी है। अमेरिका-यूरोप के देशों में भी जहां एक दशक पूर्व से ही जीवन का हर क्षेत्र ऑनलाइन संचालित है वहां भी उच्च शिक्षा की बहुत अधिक फीस होने के बावजूद विद्यार्थियों की यही कामना होती है कि वे कक्षीय पढ़ाई करें। यह तब है जब हार्वर्ड, एमआइटी, स्टैनफोर्ड आदि संस्थानों के कोर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। ऑनलाइन शिक्षा यह उन कामकाजी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है जिनके लिए नियमित शिक्षा प्राप्त करना कठिन है। नए तरह के रोजगार पाने अथवा प्रमोशन में ऑनलाइन प्रोग्राम उनके लिए बहुत मददगार साबित होंगे। विभिन्न डिग्री कार्यक्रम में परंपरागत शिक्षा प्राप्त कर रहे रेग्युलर विद्यार्थियों के लिए भी ऐड-ऑन कोर्स के रूप में ऑनलाइन कोर्स उनके ज्ञान-कौशल में इजाफा कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त गरीब या सुदूर इलाकों के छात्रों के लिए जिन्हें बहुत अच्छे शिक्षक या समृद्ध पुस्तकालय उपलब्ध नहीं हैं, उनके लिए श्रेष्ठ संस्थानों द्वारा तैयार ऑनलाइन अध्ययन सामग्री वरदान सिद्ध होगी। जेएच कॉलेज में बन रही लाइब्रेरी आने वाले समय में यहां पढ़ाई करने वाले 8 हजार स्टूडेंट्स के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षा पद्धति और आयोजनों से यह साबित कर दिया है कि तकनीक के इस्तेमाल से हम संभव को भी असंभव बना सकते हैं।

# इंटरनेशनल वर्चुअल सेमीनार संपन्न, विश्व के कई देशों के विद्वानों ने लिया हिस्सा

## विज्ञान के अनुप्रयोगों को युवाओं के बीच बढ़ाने की जरूरत



जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में बायोटेक्नालॉजी विभाग द्वारा आयोजित इंटर डिसप्लिनरी डेवलपमेंट साईन्स विषय पर इंटरनेशनल वर्चुअल सेमीनार एमवीएम महाविद्यालय भोपाल के डॉ.राजेन्द्र सिंह चौहान, प्रो.अरविंद तिवारी बालाघाट, सारणी प्राचार्य डॉ.प्रमिला वाधवा, होशंगाबाद प्राचार्य डॉ.ओएन चौबे, परासिया महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.पंजाबराव चंदेलकर, पूर्व प्राचार्य मेजर डॉ.सतीश जैन, जेएच कॉलेज प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ.सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में 23 अगस्त 2020 को सेमीनार संपन्न हुआ। इसमें 226 लोगों ने सहभागिता की।

प्रमुख वक्ता नागपुर के डॉ.दिलीप घोरे ने शोध का बेसिक नॉलेज, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के डॉ.किशोर शेंडे ने मल्टी डिसप्लिनरी एप्रोच नीड ऑफ साइंटिफिक, वियतनाम की डॉ.सरिता मेश्राम ने गंगा नदी एवं अन्य पर्यावरण संतुलन पर अमेरिका के शाक्य मुंगाटे ने डाटा एनालेसिस के शोध में महत्व, हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के डॉ.हितेन्द्र राम ने शोध का महत्व मानव कल्याण के लिए बताया, छिंदवाड़ा महाविद्यालय की डॉ.निलीमा बागड़े ने शोध में आने वाली समस्या पर, डॉ.दिनेश मेश्राम ने बुद्धा एजुकेशन पर प्रकाश डाला। पूर्व प्राचार्य मेजर डॉ.सतीश जैन ने बताया कि नियमित दिनचर्या से हम किस तरह स्वस्थ्य रह सकते हैं। डॉ.ओएन चौबे ने कहा कि वर्तमान शिक्षा नीति इंटरडिसप्लीनरी है किसी भी संकाय का विद्यार्थी किसी भी विषय में अध्ययन कर सकता है किसी भी विषय पर अनुसंधान कर सकता है। डॉ.विजेता चौबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इन सब बातों के मद्देनजर एक ऐसी नीति बनानी होगी जिसमें समाज के सभी वर्गों में वैज्ञानिक प्रसार को बढ़ावा देने और सभी सामाजिक स्तरों से युवाओं के बीच विज्ञान के अनुप्रयोगों के लिये कौशल को बढ़ाने पर जोर दिया गया हो। कार्यक्रम संयोजक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा नवीन शोध ही समाज का विकास करती है। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं फिर भी इस दिशा में और अधिक प्रयास करने की [illegible]

# एमपीटीएएस पोर्टल पर आवेदन करने की अंतिम तारीख 15 अक्टूबर

जेएच ई न्यूज, बैतूल। नोडल अधिकारी डॉ. बीडी खातरकर ने बताया कि जिले के वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति आवासी द्वितीय किश्त/पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनांतर्गत जिन विद्यार्थियों द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन नहीं किए गए हैं, के ऑनलाइन आवेदन हेतु तिथि बढ़ाकर 15 अक्टूबर कर दी गई है। सभी विद्यार्थियों को 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कराकर संबंधित कॉलेज/संस्था में तत्काल जमा करना आवश्यक है। एमपीटीएएस पोर्टल पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में छात्रवृत्ति/आवास सहायता हेतु आवेदन किए जाने पर अभी तक छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई है, [illegible]

# गर्ल्स कॉलेज में ऑनलाइन मनाया राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

## जेएच कॉलेज बैतूल में एनएसएस के स्वयं सेवकों ने वृक्षारोपण कर राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया



जेएच ई न्यूज, बैतूल। शासकीय कन्या महाविद्यालय, बैतूल में ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि सुश्री उषा द्विवेदी द्वारा छात्राओं को कोरोना काल के समय में समाज में लोगों की मदद करने के साथ जागरूकता लाने हेतु प्रेरित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. साधना डेहरिया द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उद्देश्यों को समझाया गया। [illegible]

## जिले का प्रथम ऑनलाइन इन्टरनेशनल फेकल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्राम सम्पन्न

# वेबीनार में इंग्लैंड, कनाडा सहित भारत के विद्वान हुए सम्मिलित

जेएच कॉलेज ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में महाविद्यालय के गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित छः दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि यह बैतूल जिले का प्रथम ऑनलाइन इन्टरनेशनल फेकल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्राम था। छः दिन तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंग्लैंड, कनाडा तथा भारत सहित अनेक देशों के अनेक शिक्षकों ने सहभागिता की तथा प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एमएस रघुवंशी, अतिरिक्त संचालक, भोपाल-होशंगाबाद संभाग, उच्च शिक्षा विभाग, मप्र ने अपने समापन भाषण में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु अत्यधिक परिश्रम एवं लगन की आवश्यकता होती है। उन्होंने इन कठिन परिस्थितियों में कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन करने हेतु महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे, कार्यक्रम की संयोजिका डॉ.मीनाक्षी चौबे सहित आयोजन समिति के समस्त सदस्यों एवं स्टाफ को बधाई दी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कार्यक्रम संयोजिका ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत करते हुए गुणवत्ता संवर्धन में आइसीटी की भूमिका तथा नैकः गुणवत्ता संवर्धन का मार्ग, विषयों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक, बैंगलौर से अतिथि वक्ता के रूप में सम्मिलित नैक सलाहकार डॉ.गणेश हेगड़े ने कहा कि महाविद्यालय द्वारा अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों हेतु इस कार्यक्रम के आयोजन पर नैक, बैंगलौर के निदेशक डॉ. एससी शर्मा ने शुभकामना संदेश प्रेषित किया है। उन्होंने महाविद्यालय के गुणवत्ता संवर्धन हेतु एड ऑन कोर्सेस, कौशल विकास कोर्सेस, भूतपूर्व छात्र संगठन, ग्रीन ऑडिट, जेंडर ऑडिट इत्यादि नवाचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, [illegible] उच्च शिक्षा विभाग मप्र डॉ.[illegible] अग्रवाल ने गुणवत्ता संवर्धन में आइसीटी की भूमिका पर चर्चा करते हुए अध्ययन-अध्यापन, मूल्यांकन, अभिलेख-संरक्षण, पुस्तकालय आदि अनेक क्षेत्रों में इसके उपयोग की विधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आइसीटी एक शिक्षक के शिक्षण को प्रभाव पूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अवश्य अदा कर सकती है, परन्तु एक शिक्षक का स्थान कभी नहीं ले सकती।

कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. मीनाक्षी चौबे ने छः दिन तक चले इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के पंजीयन एवं सहभागिता के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल [illegible] की। साथ ही आयोजन समिति के सदस्यों डॉ. मीना डोंगरेवाल, डॉ. अल्पना पांडे, सुश्री [illegible], डॉ. [illegible] भावसार, [illegible] तकनीकी समिति के सदस्यों [illegible] [illegible] [illegible] के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. [illegible] भावसार ने किया।

## एल्सीयर पब्लिकेशन अमेरिका के लिए सिलेक्ट हुआ शोधपत्र

# इंटरनेशनल जनरल में प्रकाशित होगा कॉलेज के डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम का शोधपत्र

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के गणित विभाग के प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम का शोधपत्र एल्सीयर पब्लिकेशन के जनरल ऑफ एडवांस रिसर्च में प्रकाशन के लिए सिलेक्ट हुआ है।

यह शोधपत्र इंटरनेट संचारक्रांति में नए आयाम रचेगा। यह शोधपत्र पूरी दुनिया में प्रसिद्ध एल्सीयर पब्लिकेशन अमेरिका के जनरल ऑफ एडवांस रिसर्च में प्रकाशित होगा। जिसका लाभ पूरी दुनिया में उपयोग होने वाले इंटरनेट आधारित डिवाइस में तकनीकी बदलाव के लिए एक निर्णायक शोध साबित होगा। शोध पेपर का शीर्षक "फ्रेक्सशनल क्योटिक मेप्स बेस्ड शॉर्ट सिग्नेचर स्कीम अंडर ह्युमन सेंटर्ड इंटरनेट ऑफ थिंग्स इनवायरमेंट" का जनरल ऑफ एडवांस रिसर्च अंतरराष्ट्रीय जनरल में क्रिटिकल रिव्यू के बाद प्रकाशन के लिए चयनित किया गया है।

जनरल ऑफ एडवांस रिसर्च जो कि एल्सीयर पब्लिकेशन (साइंस डायरेक्ट) का एक रिनॉन्ड जनरल है जिसका इंपेक्ट फैक्टर 6.992 है और इसकी इंडेक्सिंग साइंस साइटिकेशन इंडेक्स (एससीआई) में है। इस शोध पेपर में फेक्सनल केलकुलस का उपयोग करके मानव आधारित इंटरनेट ऑफ थिंक्स के लिए एक नया एल्गोरिथम बनाया गया है। जो कि इस क्षेत्र में होने वाले शोध में पहला नया एल्गोरिथम है।



डॉ. चंदेशेखर मेश्राम

### सफलता पर कॉलेज परिवार ने बधाई

डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम की इस सफलता पर जेएच कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे, विभागाध्यक्ष डॉ. खुशाल देवघरे, डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. सुभाष खातरकर सहित गणित विभाग के सभी प्राध्यापकों एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों ने इस सफलता पर डॉ. मेश्राम को शुभकामनाओं सहित बधाई दी है।

### तकनीकी एवं शोध के क्षेत्र में देश-विदेश में जाने जाते हैं डॉ. मेश्राम

डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर हांगकांग, वल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी न्यूजीलेंड, कंप्यूटर साइंस टीचर एसोसिएशन, यूएसए, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटर साइंस एण्ड इंफरमेशन टेक्नालॉजी सिंगापुर, इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इंफारमेशन प्रोसेसिंग ऑस्ट्रिया, इंटरनेशनल मैथमेटिकल यूनियन जर्मनी, यूरोपियन एलाइंस फॉर इनोवेशन बेल्जियम, इंटरनेशनल लिनियर एल्जेब्रा सोसायटी इजराईल, साइंस इन इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट हांगकांग, मशीन इंटलीजेंट रिसर्च लेब अमेरिका, सोसायटी: इंटलीजेंट सिस्टम केईएस इंटरनेशनल एसोसिएशन यूनाइटेड किंगडम, युनिवर्सल एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटर एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर अमेरिका, सोसायटी ऑफ डिजिटल इंफरमेशन एण्ड वायरलेस कम्युनिकेशन अमेरिका, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर डेव्हलपमेंट एण्ड सस्टेंडबिलिटी जापान, कनकर्रेन्स इंफरमेशनल सोसायटी कोरिया, इंडियन मेथमेटिकल सोसायटी एवं क्रिप्टोलॉजी रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया के आजीवन सक्रिय सदस्य है।

#### अब तक 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित हो चुके है

डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम ने अभी तक 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित हो चुके है एवं एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की पुस्तक एवं एक नेशनल स्तर की पुस्तक भी प्रकाशित कर चुके है। साथ ही साथ दो अंतरराष्ट्रीय पुस्तकों के अध्याय भी प्रकाशित कर चुके है। डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम 15 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय जनरल के एसोसिएट एडिटर भी है। 90 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय जनरल के रेव्यूवर भी है। इनके शोध पेपरों का 1010 अंतरराष्ट्रीय साइटेशन रिसर्च गेट हुआ है। डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम कई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के इंटरनेशनल एडवाइजरी कमेटी के सदस्य भी रह चुके है।

## भविष्य की तैयारीः रजिस्ट्रेशन के लिए कॉलेज में लगी कतार

### कॉलेज में 2 हजार छात्र-छात्राओं का सत्यापन, यूजी की 2320 सीटों पर होना है छात्र-छात्राओं का प्रवेश



जेएच ई न्यूज, बैतूल। कॉलेज में यूजी में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कॉलेज के सामने इंटरनेट कैफे पर छात्र-छात्राओं की भीड़ लगी रही। कॉलेज में सत्यापन के लिए भी छात्र-छात्राओं की कतारें लगी रहीं। जेएच कॉलेज में अलग-अलग विषयों के लिए काउंटर बनाए गए हैं।

सत्यापन की अंतिम तिथि 27 अगस्त है, जबकि सोमवार तक 2000 सत्यापन हो चुके हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कॉलेजों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 20 अगस्त रखी थी, जिसे बढ़ाकर 24 अगस्त तक किया गया। सोमवार को रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि पर जेएच कॉलेज के सामने छात्र-छात्राओं की भीड़ रही। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के साथ कॉलेज में दस्तावेजों का वेरीफिकेशन कराने के लिए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कॉलेज पहुंचे। कॉलेज के प्रो. [illegible] ने बताया सोम तक जेएच कॉलेज में 2 हजार छात्र-छात्राओं के सत्यापन हो चुके हैं। उन्होंने बताया यूजी में सत्यापन की अंतिम तिथि 27, सीटों में अंतिम तिथि 28 अगस्त है। 2320 सीटों पर होना है प्रवेश। जेएच कॉलेज में यूजी की 2320 सीटों पर प्रवेश होना है। कॉलेज में बीए में 785, बीकॉम में 280, बीकॉम कम्प्यूटर में 120, बीकॉम टैक्स में 50, बीएससी बायोलॉजी में 440, बीएससी मैथ्स में 335, बीएससी कम्प्यूटर में 80, बीएससी माइक्रो में 60, बीएससी बायोटेक में 50, बीबीए में 60 तथा बीसीए में 60 सीटें हैं।

# ऑनलाइन शिक्षा पद्धति एक अस्थायी समाधान

## वेबिनार में बताया कोरोना काल का ग्रामीण विद्यार्थियों पर कैसा प्रभाव पड़ा

बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के द्वारा 'उच्च शिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण विद्यार्थियों की समस्याओं पर कोविड-19 का प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया कि इसवेबीनार में पूरे भारत से 1518 शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक एवं प्राध्यापक डॉ. मीनाक्षी चौबे ने विषय प्रवर्तन में कोविड-19 महामारी के समय में ग्रामीण विद्यार्थियों की समस्याओं की ओर ध्यानाकृष्ट करते हुए कहा कि समानुभूति का अभाव बर्बर समाज का लक्षण है। ऑनलाइन शिक्षा पद्धति पर विमर्ष करते समय हमें उच्च शिक्षा मेंअध्ययनरत उन ग्रामीण विद्यार्थियों की यथा स्थिति को भी ध्यान में रखना चाहिए जिनकेपरिवारों की अर्थव्यवस्था यह महामारी पूर्णतयः ध्वस्त कर चुकी है तथा जिनके पास दो वक्त की रोटी जुटाना भी कठिन है।

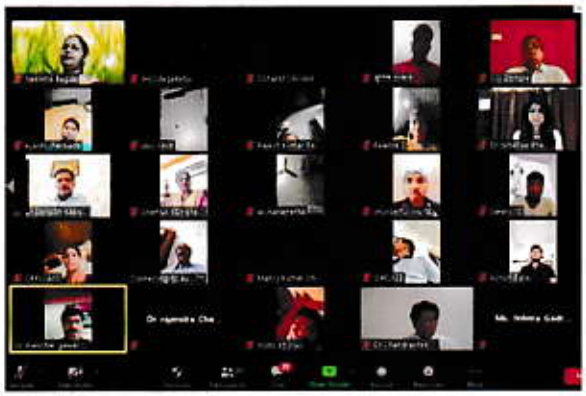



वेबीनार के मुख्य अतिथि एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना के चांसलर एवंअध्यक्ष इन्जीनियरअनंत कुमार सोनी ने कहा कि पूरे मानव इतिहास की यह अभूतपूर्व घटना है कि पूरा विश्व एक समय में एक ही बीमारी से ग्रसित हो। असाधारण समस्याओं का असाधारण तरीके से ही समाधान किया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में तीव्र गति से इन्टरनेट की पहुंच बढ़ी है। आनेवाला समय इन्टरनेट का समय होगा। विद्यार्थियों के द्वारा इन्टरनेट का प्रयोग सकारात्मक रूप से किए जाने की आवश्यकता है। प्राध्यापकों को भी इसके प्रयोग का प्रशिक्षण दिए जाने की महतीआवश्यकता है।

मुख्य वक्ता प्रो.विजय कुमार परिहार ने ग्रामीण विद्यार्थियों की समस्याओं एवं उनके निराकरणपर प्रकाष डालते हुए कहा कि ग्रामीण विद्यार्थियों को इस समय का सदुपयोगअपने कौशल विकास हेतु करना चाहिए।वेबीनार की अध्यक्षता कर रहे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अर्थशास्त्री प्रो. अरूण दिवाकरनाथ वाजपेयी ने कहा कि गुरु-शिष्य परम्परा में विश्वास करने वाले शिक्षाविद् ऑनलाइन शिक्षा को पूरे मन से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। कोविड-19 एक अस्थायी समस्या है, ऑनलाइन शिक्षा पद्धति उसका एक अस्थायी समाधान हो सकती है।





यह कक्षा अध्यापन को पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकती क्योंकि शिक्षा का उद्देष्य ज्ञान का हस्तान्तरणन हीं व्यक्तित्व का रूपान्तरण है। कोविड-19 के कारण गांवों में भी अनेक समस्याओं काआगमन हुआ है। उच्च शिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण विद्यार्थी अपने कौशल का उपयोग कर के ग्रामीण विकास का मॉडल बनाएं, गांवों में छोटे-छोटे उद्योग खोले जाएं।

उन्होंने गावों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सुधारने हेतु अनेक उपाय सुझाते हुए इस कार्य में ग्रामीण विद्यार्थियों की सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। बौद्धिक सत्र के पश्चात विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के [illegible] के प्रश्नों के समाधान किए। तत्पश्चात प्रतिभागियों द्वारा ऑनलाइन दिए गए फीड बैक में वेबीनार के सफल आयोजन हेतुआयोजन समिति की भूरि- भूरि प्रशंसा की गई।

वेबीनार का संचालन डॉ.मीनाक्षीचौबे व आभार डॉ.मीनाक्षीचौबे ने व्यक्त किया। वेबीनारकोसफल ता बनाने में [illegible]

# एनएसएस का स्थापना दिवसः कॉलेज में आम, जामुन, नीम, गुड़हल, मीठी नीम के पौधे रोपे

## कोरोना काल में लोगों की मदद का लिया संकल्प, ऑनलाइन भी हुआ आयोजन

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जिले के अलग-अलग कॉलेजों में अलग-अलग तरीकों से एनएसएस ने स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया। जेएच कॉलेज में पौधरोपण किया। वहीं गर्ल्स कॉलेज में ऑनलाइन स्थापना दिवस मनाया।

इस दौरान पर्यावरण संतुलन का संकल्प लेते हुए, लोगों की कोरोना काल में मदद करने का संदेश वक्ताओं ने दिया। शासकीय गर्ल्स कॉलेज में ऑनलाइन कार्यक्रम में उषा द्विवेदी ने छात्राओं को कोरोना काल के समय में समाज में लोगों की मदद करने के साथ जागरूकता लाने हेतु प्रेरित किया। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. साधना डेहरिया ने राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उद्देश्यों को समझाया। प्राचार्य डॉ. विद्या चौधरी ने व्यक्तित्व के विकास का सशक्त माध्यम बताते हुए छात्राओं से सक्रिय रहकर काम करने का आह्वान किया। साथ ही कोरोना काल के समय में छात्राओं द्वारा किए गए जागरूकता संबंधी कार्यों की सराहना की।

### जेएच कॉलेज में एनएसएस के स्वयं सेवकों ने लगाए औषधीय महत्व के पौधे



जेएच कॉलेज बैतूल में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में और एनएसएस के जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे और [illegible] की उपस्थिति में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बहेड़ा, आम, जामुन, नीम, मीठी नीम, गुड़हल के कुल 20 पौधों का रोपण किया। इस मौके पर डॉ. चौबे ने कहा कि [illegible] दिवस सादगी पूर्ण तरीके से मनाया। उन्होंने कहा कि [illegible] जागरूकता अभियान, मास्क वितरण आदि कार्य किए [illegible] संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा [illegible] अभियान चलाया।

### एनएसएस व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास में सहायक : डॉ. गुप्ता

[illegible]

### युवाओं के लिए विकास का सशक्त माध्यम है एनएसएस

डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा कि एनएसएस युवाओं के लिए व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है [illegible] अभियान चलाया।

# ऑन लाईन क्लास का दिया डेमो, कल से ऑन लाईन क्लास प्रारंभ

## जेएच कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने सभी छात्र-छात्राओं से अनिवार्य उपस्थिति की अपील

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने बताया कि मप्र उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश के परिपालन में कल से प्रारंभ होने वाली ऑन लाईन क्लास का डेमो बायोटेक्नालॉजी विभाग में 7 जुलाई को किया किया गया।

जिसमें विभाग की डॉ. निहारिका भावसार द्वारा एमएससी तृतीय सेम के 13 विद्यार्थी, डॉ. सुखदेव डोंगरे, प्रो. राजकुमार चौकीकर, प्रो.प्रीति की उपस्थिति में डेमो किया गया। इसके बाद डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा 'जुलॉजी के पाठ्यक्रम तथा प्लेटांस विषय पर डॉ. बीडी नागले, डॉ. कमलेश अहिरवार, प्रो.संजय विश्वकर्मा, डॉ. प्रतिभा चौरे, डॉ. मनोहर गावंडे एवं 18 छात्रों की सहभागिता में ऑनलाईन क्लास का डेमो सफलता पूर्वक किया गया।

डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा कि सभी प्रोफेसर कम्प्यूटर, लैपटप, मोबाईल पर सर्च कर विषय संबंधित व्याख्यान निकाल रहे है और पीपीटी तैयार कर रहे हैं। प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने सभी छात्र-छात्राओं से अनिवार्य उपस्थिति की अपील करते हुए बताया कि महाविद्यालय में 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक ऑनलाईन कक्षाओं का संचालन




किया जाएगा। इस हेतु समस्त विषयों की समय सारणी महाविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड की जा रही है।

इसके साथ ही विद्यार्थियों के छोटे-छोटे समूह बनाकर उन्हें समय सारण के अनुसार जूम, वेबमेक्स, माईक्रोसाफ्ट, गुगल मीट आदि के माध्यम से कक्षाओं का संचालन 1 अक्टूबर से किया जाएगा। डॉ.विजेता चौबे ने जानकारी दी है कि सभी विद्यार्थी वे गुरुप में दी गई लिंक पर क्लिक करते हुए अपनी कक्षाओं में उपस्थिति सुनिश्चित करें। इससे समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी उच्च शिक्षा विभाग की वेब साईट पर उपलब्ध ई कंटेट भी डाउनलोड कर सकते हैं। डॉ.चौबे ने बताया कि इसके अतिरिक्त आकाशवाणी पर प्रतिदिन व्याख्यान का आयोजन भी किया जाएगा [illegible]

---

### परीक्षा देने पोर्टल पर होगा पंजीयन, मोबाइल पर आएगा पेपर

# घर पर होने वाली यूजी-पीजी फाइनल ईयर की परीक्षा में नीले-काले पैन का उपयोग ही होगा

जेएच ई न्यूज, बैतूल। कॉलेज में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाएं नहीं कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर पिछले दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली (यूजीसी) द्वारा दाखिल किए गए जवाब के बाद राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग ने यू-टर्न ले लिया है। मामले को लेकर लंबे समय से अटके आदेश अब विश्वविद्यालय और कॉलेजों में पहुंच गए हैं।

आदेश में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाएं कराए जाने को लेकर गाइड लाइन दी गई है। आदेश में विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी ने कहा है कि यूजी अंतिम वर्ष एवं पीजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं विद्यार्थी अपने घर पर रहकर ओपन बुक प्रणाली से देंगे। सभी परीक्षाएं सितंबर में होंगी और रिजल्ट अक्टूबर में जारी किए जाएंगे। इसके बाद विवि ने टाइम टेबल तैयार करना शुरू कर दिया है। यूजी अंतिम वर्ष एवं पीजी चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी अपने रजिस्टर या ए-4 साइज के पेज की

#### एसआईएस पर कराना होगा पंजीयन

यूजी-पीजी की फाइनल ईयर की परीक्षा में शामिल होने के लिए स्टूडेंट्स को कॉलेज के वेब पोर्टल पर जाकर स्टूडेंट्स इनफार्मेशन सिस्टम (एसआईएस) पर जाकर अपना पंजीयन कराना होगा। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। पंजीयन नहीं कराने वाले स्टूडेंट्स परीक्षा और परिणाम से वंचित रह जाएंगे। स्टूडेंट्स अपने नामांकन और जन्म दिनांक से रजिस्ट्रेशन करा सकते है। जिन स्टूडेंट्स ने परीक्षा फार्म भरा है उनके रजिस्टर्ड मोबाइल पर पंजीयन के लिए लिंक भी भेजी गई है।

उत्तरपुस्तिका तैयार करेंगे। इसमें उन्हें अपना रोल नंबर, नामांकन, कॉलेज और पेपर का नाम तथा कॉपी के पेज की संख्या अपने हाथ से लिखनी होगी। उत्तर लिखते समय सिर्फ नीले और काले पेन का उपयोग करेंगे। अन्य सभी रंगों और प्रकार के पेन का उपयोग वर्जित रहेगा।

विवि सितंबर के अंत तक परीक्षाएं कराकर अक्टूबर तक सभी विद्यार्थियों के रिजल्ट जारी करेंगे। किसी कारणवश ओपन बुक परीक्षा में शामिल नहीं हो पाने वाले विद्यार्थियों की नवंबर में विशेष परीक्षा आयोजित कराई जाएगी। ईमेल आईडी पर भेजेंगे प्रश्न पत्र : विवि निर्धारित वेबसाइट पर प्रश्न पत्र अपलोड करेंगे। इसे कॉलेज स्टूडेंट इनफॉरमेशन सिस्टम के तहत तैयार कराए विद्यार्थियों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी पर कक्षा और विषयवार पेपर भेजेंगे। ओपन बुक परीक्षा प्रणाली में परीक्षार्थी अपने घर में ही रहकर उत्तर पुस्तिका लिखेंगे। विद्यार्थी को उत्तर पुस्तिका संग्रहण केंद्र में जमा करना होगी। ये केंद्र कॉलेज प्राचार्य द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। इसमें हाई व हायर सेकंडरी स्कूल, निजी और सरकारी कॉलेज शामिल होंगे। विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका कॉलेज कार्यालय को डाक और ई-मेल द्वारा भी भेज सकेंगे।

---

# ऑनलाइन कक्षाएं कल से लगेंगी करीब सात लाख छात्र जुड़ेंगे

जेएच ई न्यूज, बैतूल। उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित कॉलेजों में 1 अक्टूबर से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू होंगी। विभाग ने निगरानी के लिए 7 ओएसडी को कमान सौंपी है। प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि अक्टूबर में हर विषय के दोनों प्रश्न पत्रों की एक-एक यूनिट का अध्यापन अक्टूबर में ही पूरा करना होगा।

संबंधित विषय के शिक्षक को नियमित छात्रों के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध करवाना होंगे ताकि वह ग्रुप बनाकर उनकी समस्याओं का ऑनलाइन समाधान कर सकें। कक्षाओं के संचालन की रैंडम चेकिंग भी की जाएगी।

#### घर से ले सकेंगे क्लास

[illegible]

#### [illegible]

[illegible]

[illegible]

### छात्रवृत्ति आवास योजना आवेदन का अंतिम अवसर

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल की प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2018-19 एवं 2019-20 के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आवास द्वितीय पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत जिन विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय को लॉगिन से पोर्टल पर आवेदन नहीं किया गया है [illegible] अक्टूबर तक आवेदन करने का अंतिम अवसर दिया जा रहा है। डॉ.चौबे ने विद्यार्थियों से अतिशीघ्र [illegible] का लाभ लेने की अपील की है।

# जेएच कॉलेज में पौधारोपण कर मनाई गांधी जयंती

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कालेज बैतूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर कॉलेज परिसर में कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में स्व'छता अभियान चलाया। रिटायर्ड प्राध्यापक डॉ.एचके वर्मा द्वारा भेंट किए गए पौधे पीपल, गुडहल, नीम, अशोक, जामुन, आम, कदम, बादाम आदि पौधों का रोपण किया गया। डॉ.एचके वर्मा ने कहा गांधी के जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। भारत को आजाद कराने में उन्होने अगृणी भूमिका निभाई। डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा लिखित पुस्तकों का अध्यक्ष कर उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने बताया कि एनएसएस के स्वयंसेवक अपने-अपने स्तर पर पूरे जिले में सेवा कार्य कर गांधी जी की जयंती मना रहें हैं। स्व'छता अभियान और पौधा रोपण को सफल बनाने में दिपाली पांडे, हिमांशु पाटिल, अंशुल चौकीकर, कपिल लोखंडे, अभिषेक पंवार, हर्षित हुरमाड़े का योगदान रहा।

# दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां अब विलुप्त होने के कगार पर हैं

## वाईल्ड लाईफ कंजर्वेशन विषय पर ऑनलाईन वर्चुअल सेमिनार संपन्न




जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल के बायोटेक्नालॉजी विभाग के द्वारा वाईल्ड लाईफ कंजर्वेशन विषय पर ऑनलाईन वर्चुअल सेमिनार प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में डॉ.अल्का पांडे, डॉ.आभा पांडे, डॉ.आभा वर्मा, डॉ.सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में ऑनलाईन वर्चुअल सेमीनार संपन्न हुआ। जिसमें बीएससी एवं एमएससी के 97 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का संचालन डॉ.निहारिका भावसार द्वारा किया गया। डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि दुनिया में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां इस समय विलुप्त होने के कगार पर हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है, जंगलों का लगातार कटा जाना। हालांकि कई संगठनों के सामने आने के बाद अब हालात में कुछ परिवर्तन आया है पूरी तरह से तस्वीर बदलने के लिए जरूरत है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स की।

[illegible]

# पढ़ाई की तैयारी:अब कॉलेजों में भी एक अक्टूबर से होगी ऑनलाइन पढ़ाई

पढ़ाई की तैयारी:अब कॉलेजों में भी एक अक्टूबर से होगी ऑन लाइन पढ़ाई

जेएच ई न्यूज, बैतूल। कोरोना संक्रमण के चलते अब स्कूलों की तरह कॉलेजों में भी ऑनलाइन पढ़ाई 1 अक्टूबर से शुरू होगी। इसको लेकर उ'च शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। सोशल मीडिया से होने वाली पढ़ाई ग्रुप बनाकर की जाएगी। इस दौरान विषय वार कक्षाएं लगाई जाएंगी। कोरोना में कॉलेज के छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित ना हो इसके लिए उ'च शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन क्लास एक अक्टूबर से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। जेएच कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया कक्षाओं के संचालन के लिए हमने समिति का गठन किया है। समिति में विषय के प्राध्यापकों तथा टेक्निकल सलाहकार को रखा गया है। ऑनलाइन कक्षाओं के लिए प्राध्यापकों को निर्देश जारी कर दिए हैं।



[illegible]

## परीक्षा की तैयारी: 10 सितंबर को वेबसाइट पर प्रश्नपत्र होंगे प्रदर्शित, 15 एवं 16 [illegible]

# ओपन बुक सिस्टम से घर बैठे स्टूडेंट्स देंगे यूजी और पीजी की परीक्षा, जिले में बनाए 99 संग्रहण केंद्र पर जमा करना होगा उत्तरपुस्तिकाएं

जेएच ई न्यूज, बैतूल। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए कॉलेज की यूजी और पीजी फाइनल ईयर की परीक्षा ओपन बुक सिस्टम से आयोजित की जा रही है। बरकतउल्ला भोपाल और छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी के तहत स्नातक तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर नियमित व स्वाध्यायी छात्रों को परीक्षा ओपन बुक सिस्टम से घर बैठे देना होगा।

इसके लिए वेबसाइट पर 10 सितंबर को प्रश्नपत्र प्रदर्शित होंगे। उत्तरपुस्तिकाएं छात्र-छात्राओं को नजदीक के संग्रहण केंद्र पर जमा करना होगा। इसके लिए उ'च शिक्षा विभाग ने जिले में सरकारी और प्राइवेट कॉलेज के अलावा हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल में 99 संग्रहण केंद्र बनाए हैं। बैतूल में जेएच कॉलेज, [illegible]

### सभी उत्तर पुस्तिकाएं संग्रहण केन्द्र पर परीक्षार्थियों [illegible]

जेएच कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने [illegible] स्वाध्यायी छात्रों की परीक्षाएं ओपन बुक सिस्टम से [illegible] निर्धारित प्रश्नपत्रों का उत्तर ए-4 साइज पेपर अथवा [illegible] 16 पन्नों की होगी तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर [illegible] लिखकर संबंधित अग्रेषण केन्द्र, परीक्षार्थी द्वारा चुने [illegible] परीक्षार्थियों द्वारा समस्त उत्तर पुस्तिकाओं एवं [illegible] पुस्तिकाएं संग्रहण केन्द्र पर परीक्षार्थियों [illegible] हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों को भी [illegible]

[illegible]

# सात स्टेप की शार्ट फिल्म से बताया हाथ धुलाई का तरीका

## जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक महिला-पुरुष इकाई ने विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में मप्र शासन गृह मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल एवं उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के दिशा निर्देशन के परिपालन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक द्वारा अपने-अपने घर में परिवार एवं मोहल्ले के साथ कुछ साथियों के साथ में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एवं मास्क लगाकर हाथ धुलाई कर कर विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया।

रासेयो के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे एवं रासेयो जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के मद्देनजर दिन में एक से अधिक बार 10-20 सेकंड तक साबुन से हाथ धोना और साबुन से हाथ धोने का तरीका कैसा होगा इस पर रासेयो के छात्र एवं छात्राएं अंजलि सोनारे, हिमांशु पाटिल, अक्षय मालवीय, हर्षित जुमड़े, नंदिनी सोनी, मोनिका धुर्वे एवं दिपाली पाण्डे के द्वारा हाथ धुलाई पर शार्ट फिल्म बनाई है। डॉ. विजेता चौबे ने कहा कि एनएसएस के विद्यार्थी कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए न्यूज पेपर एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से सघन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

एनएसएस के जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा सेनेटाइजर का प्रयोग, साबुन एवं पानी न होने की स्थिति में ही करें। अधिक सेनेटाईजर का प्रयोग हानिकारक हो सकता है। इसलिए दिन में कई बार साबुन एवं पानी से हाथ धोना ही महामारी से बचाव का सुदृढ़ तरीका है। कोरोना महामारी में जागरूकता के लिए अंजली सोनारे, संजय उईके, दलनायक सक्रिय कार्य कर रहे हैं।

# शिक्षकों ने सीखे संप्रेषण एवं शिक्षण कौशल को प्रभावशाली बनाने के तरीके

## पुरानी शिक्षण पद्धतियों के साथ नवीन को भी अपनाना होगा

जेएच कॉलेज ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल की प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में 6 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय फेकल्टी डवलेपमेंट प्रोग्राम का ऑनलाईन आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ.मीनाक्षी चौबे ने आज का व्याख्यान शिक्षकों के संप्रेषण कौशल व शिक्षण कौशल को प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो.मायाशंकर पांडे ने अंग्रेजी भाषा के मौखिक संवाद को प्रभावशाली बनाने वाले चार आवश्यक घटकों को उदाहरण के साथ समझाते हुए बताया कि अंग्रेजी भाषा में स्पेलिंग व ध्वनि के बीच कोई संबंध नहीं होता है, इसमें प्रभावशाली संवाद के लिए व्याकरण से ज्यादा उच्चारण का महत्व होता है। साथ ही भाषा में ध्वनि के उतार चढ़ाव के साथ सोशल लिंग्विस्टिक नियमों का पालन भी जरूरी होता है। प्रेरणा कामर्स महाविद्यालय नागपुर के डायरेक्टर डॉ.प्रवीण जोशी ने कहा कि शिक्षकों को अपनी पुरानी शिक्षण पद्धतियों के अलावा नवीन पद्धतियों को भी अपनाना होगा। वे स्वयं समय समय पर सर्वे कर की उन्होंने विद्यार्थियों को किस हद तक अपने ज्ञान से संतुष्ट किया है तभी वे जान पाएंगे की उनकी शिक्षण पद्धति से विद्यार्थी कितना लाभ उठा रहें हैं और उन्हें किस तरह विकसित किया जा सकता है। शिक्षण कौशल के विकास संबंध देश-विदेशों में संचालित अनेक पद्धतियों की भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में संयोजक ने बताया कि आज के इस आयोजन में लगभग 750 प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े हुए हैं, उन्होंने दोनो वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए प्रतिभागियों को भी साधुवाद दिया। डॉ.निहारिका भावसार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

### उत्तरपुस्तिकाओं का संकलन आज से

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने बताया कि महाविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी 15 एवं 16 सितम्बर को प्रातः 10:&0 से 5:&0 बजे तक महाविद्यालय में उपस्थित होकर परीक्षा कार्य करेंगे। डॉ.चौबे ने निर्देशित किया है कि परीक्षा कार्य में संलग्न अधिकारी व कर्मचारी 10:15 बजे ओपन बुक परीक्षा की उत्तरीपुस्तिकाओं और असाइनमेंट के संकलन संबंधित काउंटर पर आवश्यक रूप से अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर 10:&0 बजे से काउंटर प्रारंभ करें।

# पर्यावरण में सुधार ही भविष्य तय करेगा

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में राज्यपाल एवं मप्र उच्च शिक्षा विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना मप्र भोपाल के आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे, सेवानिवृत्त प्रो.डॉ.हेमंत वर्मा, रासेयो के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे की विशेष उपस्थिति में कॉलेज परिसर नीम, जामुन, पीपल, कुसुम, गुलमोहर, अशोक, बदाम, कदम के 50 पौधों का रोपण किया गया।

इस मौके पर डॉ.हेमंत वर्मा ने कहा कि कोविड 19 महामारी के कारण कई उद्योग बंद हुए जिसके कारण पृथ्वी का सुरक्षा कवच ओजोन स्तर में सुधार हुआ है। प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि पौधा रोपण और उनकी देखभाल से ही पर्यावरण सुरक्षित रह सकता है और पर्यावरण में सुधार ही हमारा भविष्य तय करेगा। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि कॉलेज में आज स्वच्छता अभियान के साथ पौधों का रोपण भी किया गया। डॉ.जीपी साहू ने बताया कि आज रासेयो की इकाई ने अपने-अपने ग्रामों में भी पौधा रोपण किया है। प्रो.मनोज चौरसे ... ने भी पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में एनसीसी की लेफ्टिनेंट डॉ.कमलेश अहिरवार, दलनायक संजय उईके, उपदलनायक महिला इकाई अंजली सोनारे, स्नेहा सोनारे, शालिकराम चौधरी, योगेश्वर पवार, हिमांशु पाटिल, संजय नवाड़े का सराहनीय योगदान रहा।

## 109 संग्रहण केंद्र: आज सुबह 10.30 बजे से संग्रहण केंद्रों पर जमा होंगी यूजी-पीजी की उत्तरपुस्तिकाएं

# उत्तरपुस्तिकाएं जमा करने के लिए जिले में बने हैं 109 संग्रहण केंद्र

जेएच ई न्यूज, बैतूल। कॉलेज में ओपन बुक सिस्टम से पहली बार हुई यूजी-पीजी फाइनल ईयर की परीक्षा समाप्त हो चुकी है। दो दिन में छात्र-छात्राओं को जिले में बनाए संग्रहण केंद्र में उत्तरपुस्तिका जमा करना होगा। छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए कॉलेज प्रबंधन ने ग्रामीण अंचलों के हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों को कॉपियां संग्रहित करने के लिए केंद्र बनाया है। जिले में बने 109 संग्रहण केंद्रों पर सुबह 10.&0 बजे से कॉपियां जमा करने का काम शुरू हो जाएगा। बरकतउल्ला भोपाल व छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी के तहत स्नातक तृतीय वर्ष व स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर नियमित व स्वाध्यायी छात्रों की परीक्षा ओपन बुक सिस्टम से 10 सितंबर को परीक्षा शुरू हो गई थी। छात्र-छात्राओं ने वेबसाइट से पेपर डाउनलोड करके कॉपियों में उत्तर लिखे हैं। मंगलवार से कॉपियों का संग्रहण होगा। जेएच कॉलेज प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया महाविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी 15 व 16 सितंबर को सुबह 10:&0 से 5:&0 बजे तक परीक्षा कार्य करेंगे। परीक्षा कार्य में संलग्न अधिकारी व कर्मचारी 10:15 बजे ओपन बुक परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं व असाइनमेंट के संकलन संबंधित काउंटर पर आवश्यक रूप से अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर 10:&0 बजे से काउंटर प्रारंभ कर देंगे। नजदीक बनाए हैं केंद्र : ग्रामीण अंचल में पढ़ने वाले कॉलेज के छात्र-छात्राओं को उत्तर पुस्तिका जमा करने के लिए परेशानी न उठाना पड़े इसके लिए कॉलेज प्रबंधन ने नजदीक ही केंद्र बनाए हैं। इसके लिए सरकारी और प्राइवेट कॉलेज के अलावा हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों को भी केंद्र बनाया गया है। प्रबंधन ने 10 सरकारी कॉलेज, 21 प्राइवेट कॉलेज, 12 बीएड कॉलेज, 42 हायर सेकंडरी स्कूल तथा 24 हाईस्कूलों को संग्रहण केंद्र बनाया है।

# नई परीक्षा की घड़ी: जमा हुईं 11 हजार 551 उत्तरपुस्तिका और चार हजार असाइमेंट

## संग्रहण केंद्रों पर कॉपियां जमा करते विद्यार्थी सोशल डिस्टेंस का पालन करते दिखाई दिए



जेएच ई न्यूज, बैतूल। बरकतउल्ला और छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी में कोरोना संक्रमण चलते पहली बार ओपन बुक सिस्टम से कॉलेज की परीक्षा आयोजित की। 10 सितंबर से शुरू हुई परीक्षा में उत्तर पुस्तिका और असाइनमेंट जमा करने के लिए दो दिनों तक जिले के 109 संग्रहण केंद्रों में काम चलते रहा। इन केंद्रों पर छात्र-छात्राएं उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने पहुंचे।

इस बीच विद्यार्थियों ने सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं किया। देर शाम तक 109 संग्रहण केंद्रों में 11 हजार 551 उत्तर पुस्तिकाएं तथा 4 हजार छात्र-छात्राओं ने असाइनमेंट जमा किए। देर शाम तक कॉपियां जमा करने पहुंचे विद्यार्थी : ओपन बुक सिस्टम से हुई परीक्षा के बाद पहले दिन 15 सितंबर से उत्तर पुस्तिका तथा असाइनमेंट जमा करने के लिए छात्र-छात्राएं संग्रहण केंद्रों में पहुंचे। वहीं बुधवार को उत्तर पुस्तिका तथा असाइनमेंट जमा करने का अंतिम दिन था। शहर के जेएच कॉलेज में दो दिनों तक छात्र-छात्राओं की भीड़ उमड़ी। बुधवार को कॉलेज के सामने बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की भीड़ रही। कॉलेज में बने संग्रहण केंद्रों पर भी कतार बनाकर खड़े रहे। इस बीच सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं किया। जेएच कालेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया उत्तर पुस्तिका तथा असाइनमेंट जमा करने का समय सुबह 10.&0 से 5 बजे तक था। समय के बाद भी विद्यार्थी पहुंचे। देर शाम तक केंद्रों पर उत्तर पुस्तिका तथा असाइनमेंट जमा करने का काम चलते रहा।

### 109 केंद्रों पर पहुंचे विद्यार्थी

जिले के 109 संग्रहण केंद्रों पर विद्यार्थी पहुंचे। यहां पहले से ही कॉलेज प्रबंधन ने अधिकारी व कर्मचारी तैनात किए थे। प्रो. हेमंत देशमुख से मिली जानकारी के अनुसार 109 केंद्रों पर यूजी थर्ड ईयर तथा पीजी के चतुर्थ सेमेस्टर की 11 हजार 551 उत्तर पुस्तिकाएं तथा यूजी प्रथम तथा सेकंड ईयर के छात्र-छात्राओं ने 4 हजार असाइनमेंट जमा किए। इन केंद्रों से नजदीक के महाविद्यालय में कॉपियां जमा होंगी। इसके बाद 18 सितंबर तक अग्रेषित संस्था में जमा करवाई जाएंगी। अग्रेषित संस्था में असाइनमेंट कॉपियां जांची जाएंगी, वहीं उत्तर पुस्तिका विश्वविद्यालय भेजी जाएंगी।

# ऑनलाइन होगा शोधपत्रों का वाचन

## दो दिवसीय इंटरनेशनल वर्चुअल कॉन्फ्रेंस का आयोजन आज से

जेएच ई न्यूज, बैतूल। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए और मध्यप्रदेश शासन के कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में छिंदवाड़ा विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. एमके श्रीवास्तव एवं रजिस्ट्रार डॉ. पीके मिश्रा की उपस्थिति में दो दिवसीय इंटरनेशनल वर्चुअल कान्फ्रेंस दिनांक 5 एवं 6 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे से 4.30 बजे तक जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, बैतूल द्वारा आयोजित की जाएगी। कान्फ्रेंस की रूपरेखा ऑर्गनाइजिंग कमेटी द्वारा ऑनलाइन मीटिंग आयोजित की गई एवं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम ने बताया इस कान्फ्रेंस में विदेश एवं देश के प्रख्यात वैज्ञानिक, प्रोफेसर ऑनलाइन जुड़कर शोधपत्र का वाचन करेंगे।

मीटिंग में कन्वीनर डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम, को-कन्वीनर डॉ. [illegible], डॉ. कमलेश अहिरवार, सेक्रेटरी डॉ. अनिता सोनी, ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रो. [illegible] एवं सक्रिय सदस्य डॉ. बीडी नागले, डॉ. मनोहर [illegible], प्रो. [illegible] विश्वकर्मा, डॉ. [illegible] चौरे, प्रो. [illegible] पोफोलकर, प्रो. [illegible], डॉ. [illegible], डॉ. [illegible] साहू उपस्थित हुए।

# एनसीसी, एनएसएस के वेटेज से मिलेगा पसंदीदा कॉलेज में एडमिशन

## कॉलेजों में शुरू हो गई दाखिले की दौड़, एडमिशन लेने वाले छात्र इन बातों का रखें ध्यान

जेएच ई न्यूज, बैतूल। स्कूल स्टडी के बाद हर स्टूडेंट की यही चाहत होती है कि उसे पसंदीदा कॉलेज में मनचाहे कोर्स में दाखिला मिल जाए। इसके लिए वह पहले से ही कड़ी मेहनत करता है इसके बाद भी अगर प्रतिशत कम आते हैं तो फि र मन हताश हो जाता है। मनचाहा कॉलेज और मनपसंद स्ट्रीम मिले इसके लिए आपके काम आपके सर्टिफि केट आ सकते हैं।

यदि आप भी इस सत्र से कॉलेज में एडमिशन लेने वाले हैं तो आपको सर्टिफि केट की वैल्यू एडमिशन में किस तरह से काम आ सकती है,इसके बारे में जानकारी रखें। आपके कुछ सर्टिफिकेट आपको मनचाहा कॉलेज और सब्जेक्ट दिलवाने में मदद कर सकते हैं। 'ज्यादातर स्टूडेंट्स को इस बात की जानकारी नहीं है, लेकिन आइए जानते हैं कौन कौन से सर्टिफि केट एडमिशन में दिलवाने में मदद कर सकते हैं।

### कल से स्टार्ट हो गए रजिस्ट्रेशन

शहर के कॉलेजों में एडमिशन लेने के लिए [illegible] रजिस्ट्रेशन शुरू [illegible] ऑनलाइन [illegible]

### रजिस्ट्रेशन में शामिल करें इन्हें

[illegible]

### दिव्यांग प्रमाण पत्र

[illegible]

**इन सर्टिफिकेट का इतने प्रतिशत मिलता है वेटेज**

- एनसीसी [illegible] प्रतिशत
- एनसीसी [illegible] प्रतिशत
- एनसीसी [illegible] प्रतिशत
- एनसीसी [illegible] प्रतिशत
- [illegible] प्रतिशत
- [illegible] प्रतिशत
- [illegible] एनसीसी कैडेट को 10 प्रतिशत
- एनसीसी एनएसएस [illegible] के लिए 15 प्रतिशत
- एनसीसी एनएसएस ऑलराउंड [illegible] को 10 प्रतिशत
- स्काउट में 5 प्रतिशत
- राष्ट्रीय स्काउट में 10 प्रतिशत
- [illegible] के अनुसार 2 से 4 प्रतिशत
- [illegible] 15 प्रतिशत तक
- [illegible] 15 प्रतिशत
- [illegible] दो प्रतिशत
- [illegible] 10 प्रतिशत [illegible] प्रतिशत

## जेएच कॉलेज में पौधरोपण कर प्रोफेसर ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

# सौ पेड़ लगाकार कॉलेज में 43 साल की यादें सहेजने का प्रयास

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जीवन के 43 साल जिस संस्थान में बिताए उनकी यादों को जीवनभर के लिए स्मरणीय बनाने एवं अन्य लोगों के अच्छे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रोफेसर ने कॉलेज कैंपस में सौ पौधे लगाकर पर्यावरण जागरूकता एवं सभी की खुशहाली का संदेश दिया। जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत वर्मा 43 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। विधिवार्षिकी सेवा पूर्ण करने पर महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य एवं प्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी ने सौ पौधों का रोपण किया।

पौधरोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे, डॉ. महेश मेहता, डॉ. अल्का पांडे, डॉ. आभा वर्मा, डॉ. सलील दुबे, डॉ. अनिता सोनी, डॉ. बीडी नागले, डॉ. सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में वनस्पति विभाग द्वारा मप्र शासन के निर्देशानुसार लॉकडाउन का तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मास्क लगाकर बहुत ही कम लोगों की उपस्थिति में बिदाई समारोह का आयोजन किया गया।

प्राचार्य द्वारा डॉ. हेमंत वर्मा को जीपीएफ एवं ग्रुप इंश्योरेंस संबंधी पत्रकों की फाइल सौंपी तथा शाल, श्रीफल द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ. विजेता चौबे ने कहा कि डॉ. हेमंत वर्मा का [illegible] एवं अध्यापन के प्रति [illegible] डॉ. अल्का पान्डे ने कहा डॉ. हेमंत वर्मा एक अच्छे मार्गदर्शक तथा [illegible] हैं। डॉ. सलिल दुबे ने कहा डॉ. हेमंत वर्मा सरल स्वभाव के धनी हैं। डॉ. बीडी नागले ने कहा डॉ. हेमंत वर्मा [illegible] स्वभाव वाले हैं।

एनएसएस जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा डॉ. हेमंत वर्मा एक उम्दा शिक्षक, मार्गदर्शक एवं पर्यावरणविद हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना दुबे तथा आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का पान्डे द्वारा किया गया। जेएच कॉलेज में आयोजित बिदाई तथा वृक्षारोपण समारोह में डॉ. अर्चना मेहता, डॉ. अर्चना सोनारे, डॉ. मनोज घोरसे, निखिल [illegible], दिलीप नागेल, खुशीलाल मोदी, शैलेंद्र [illegible], राजेश झाड़े तथा सतीश [illegible] ने सक्रिय सहयोग दिया।

**औषधी और उपजाऊ पौधे लगाए**

[illegible]

# कमजोर युवा देश की आधारशीला नहीं रख सकते

## एनएसएस ने पारदीढाने में बच्चों को वितरित किए फल-फ्रूट

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में पारधीढाना में रासेयो के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, प्रो.मनोज घोरसे, दलनायक संजय उइके, उपदलनायक महिला इकाई अंजली सोनारे, श्वेता सोनारे, शांतिलाल मौसकर, योगेश्वर पहाड़े, कार्तिक पहाड़े, हिमांशु पाटिल, अभिषेक पंवार द्वारा कुपोषित बच्चों को सेब व केले का वितरण किया गया।



इस मौके पर डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि समृद्ध राष्ट्र के लिए उचित पोषण जरूरी है क्योंकि जो आज के बच्चे कल युवा होंगे और युवा ही राष्ट्र को प्रगति की राह दिखाते है। उन्होने कहा कि कमजोर युवा देश की आधारशीला नहीं रख सकते हैं। प्रो.मनोज घोरसे ने कहा कि कम उम्र में ही बौद्धिक विकास होता है और बौद्धिक विकास बनाए रखने के लिए जरूरी है उचित मात्रा में पोषण। स्वयंसेवकों ने शपथ ली की वे आने वाले समय में भी अपने समाज के पिछड़े लोगों के सेवा कार्य के लिए सक्रिय रहेंगे। बच्चों के माता-पिता ने स्वयंसेवकों के प्रति अभिनंदन व आभार व्यक्त किया।

# महाविद्यालय में ऑनलाईन क्लास 1 से

बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल [illegible] 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक ऑनलाईन [illegible] समस्त विषयों की समय सारणी [illegible] है। इसके साथ ही विद्यार्थियों के छोटे-छोटे [illegible] जूम, वेबमेक्स, माईक्रोसाफ्ट, गूगल मीट [illegible] 1 अक्टूबर से किया जाएगा। डॉ.विजेता चौबे [illegible] में दी गई लिंक पर क्लिक करते हुए [illegible]

इससे समस्त विद्यार्थियों की [illegible] शिक्षा विभाग की वेब साईट पर [illegible] ने बताया कि इसके अतिरिक्त [illegible] जाएगा जिसकी समय सारणी शीघ्र ही [illegible] विद्यार्थी प्रतिदिन उच्च शिक्षा विभाग [illegible] निर्देश प्राप्त कर सकते हैं।

## छात्रवृत्ति आवास योजना [illegible]

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल [illegible] कि शैक्षणिक सत्र 2018-19 एवं [illegible] अनुसूचित जनजाति आवास [illegible] विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय [illegible] वे 15 अक्टूबर तक आवेदन करने [illegible] विद्यार्थियों से अतिरिक्त [illegible]

# घटनाएं रोकने के लिए परिवार को सचेत रहना जरूरी प्रो. पुष्पा रानी आर्य

बैतूल। लगातार कठिन होते जा रहे जीवन के कारण लोगों में तनाव और अवसाद बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि हताशा में अब लोग मौत को गले लगाने का निर्णय अधिक ले रहे हैं। जिले में पिछले मात्र साढ़े 3 सालों में 837 लोग यह कदम उठा चुके हैं। खुदकुशी के आंकड़े हर साल बढ़ते ही जा रहे हैं। शासन-प्रशासन और विभिन्न संगठनों द्वारा खुदकुशी के आंकड़ों में कमी लाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, इसके बावजूद कोई खास सफलता नहीं मिल पा रही है।

जिले में भी खुदकुशी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। आलम यह है कि पिछले साढ़े 3 सालों में ही जिले के 837 लोग जीवन में संघर्ष की बजाय खुदकुशी की राह चुन कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर चुके हैं। चिंताजनक बात यह है कि यहां हर साल खुदकुशी के आंकड़े लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वर्ष 2017 में 212 लोगों ने खुदकुशी की थी। वहीं 2018 में 231 और 2019 में 246 लोग खुदकुशी कर चुके हैं। इस साल भी जनवरी से जून तक [illegible]

## बच्चों के साथ रखें दोस्ताना व्यवहार

जेएच कॉलेज में प्राध्यापक और समाजविज्ञानी प्रो. पुष्पारानी आर्य कहती है कि खुदकुशी की [illegible] परिवार को सचेत होना होगा और माता-पिता को बच्चों के साथ [illegible] हर स्थिति में उनके साथ खड़े रहना होगा। विडंबना है कि अब [illegible] के पास बच्चों के लिए वक्त ही नहीं है। समाज को भी जागरूक [illegible] है, ताकि केवल अपने परिवार ही नहीं दूसरों की समस्याओं पर भी [illegible] और निराश लोगों का संबल बन सकें। शिक्षकों को भी सही भूमिका [illegible] कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। प्रशासन को भी इस दिशा में [illegible] समाज के लोगों को जिम्मेदारी सौंपना होगा। जिस तरह से [illegible] ने आसपास अभियान शुरू किया है। इसके अलावा हर व्यक्ति को [illegible] करना होगा। खुदकुशी केवल क्षणिक कुछ पलों के आवेश में लिया निर्णय है। यदि हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभाकर उन पलों में किसी व्यक्ति को संभाल ले तो बहुत सी घटनाएं रोकी जा सकतीं हैं।



[illegible]

# एनएसएस की गतिविधि के लिए बैतूल मध्यप्रदेश का आइडियल जिला है: डॉ. आर.के. विजय

## सहयोग से सुरक्षा पर एनएसएस वर्चुअल ओरियंटेशन प्रोग्राम संपन्न

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज द्वारा सहयोग से सुरक्षा थीम पर एनएसएस वर्चुअल ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रासेयो कार्यक्रम अधिकारी एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों के लिए रासेयो राज्य संपर्क अधिकारी वल्लभ भवन भोपाल से डॉक्टर आरके विजय सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ.आरके विजय सिंह ने कहा कि एनएसएस गतिविधि के लिए बैतूल जिला मध्य प्रदेश का आइडियल जिला है। अनेकों कार्यक्रम की शुरुआत जैसे कोरोनावायरस जागरूकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिता एवं सुरक्षा के लिए मास्क एवं सैनिटाइजर प्रक्रिया का बैतूल से प्रारंभ हुआ।

डॉ.अनंत कुमार सक्सेना ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा सहयोग से सुरक्षा अभियान प्रारंभ किया गया है जिसका आगाज बैतूल से हुआ है। डॉ.महेंद्र गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रथम एनएसएस ओरिएंटेशन प्रोग्राम



ऑनलाइन वर्चुअल प्रारंभ किया गया। राहुल सिंह परिहार ने कहा बैतूल जिले के एनएसएस के वॉलिंटियर्स बहुत सक्रिय है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तथा दिल्ली परेड राजपथ तक अपना परचम लहराया है।

डॉ.राजेंद्र नरवरिया ने कहा कि ओरियंटेशन प्रोग्राम के माध्यम से कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक रासेयो के लिए प्रशिक्षित होते हैं। डॉ.विजेता चौबे ने कहा दूरदराज एवं गरीब विद्यार्थी भी इस देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बने हैं, डॉ.एपीजे कलाम एवं लाल बहादुर शास्त्री इसके उदाहरण है।

डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा लॉकडाउन पीरियड में कोविड-19 का सघन जागरूकता अभियान चलाया। इनके अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्राप्त इमरान कुरैशी, स्व.लक्ष्मण सिंह गौड़ पुरस्कार प्राप्त प्रो.राजाराम रावते, कृष्णा भाले, डॉ.साधना डेहरिया आदि ने रासेयो गतिविधियों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में [illegible] द्वारा एनएसएस का लक्ष्य गीत एवं कुमारी सोनम सिरसाम द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में 26 जनवरी 2020 दिल्ली परेड में भाग लेने वाले रासेयो के स्वयंसेवक संजय उइके डॉ.गोपाल प्रसाद साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे, प्रो.जगदीश उइके, प्रो.प्रदीप पन्द्राम, प्रो.हेमंत निरापुरे, डॉ.संजय बनकर, प्रो. लखन लाल राउत, डॉ.सरोज पाटिल, डॉ.संगीता बामने, डॉ.शैलेंद्र बारंगे, डॉ. जीबा अली, डॉ.रश्मि रजक, श्रीमती तारा बारस्कर, डॉ.बबीता राय, प्रो.प्रीति मालवीय, प्रो.अनिल सोनी, प्रो.[illegible] गायकवाड, डॉ.अनीता मिश्रा, अभिषेक हुरमाडे, सुनील [illegible], अंजली सोनारे, ललित [illegible], [illegible] घिंडोडे, दीपाली पांडे, आरती दीक्षित, आदर्श राजपूत, विजय कुमरे, [illegible] मर्सकोले, ललित राजपूत, [illegible] पवार, गिरजेश सोनी, पलक सोनी, पूजा लिखितकर आदि ने सक्रिय [illegible] कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का आभार डॉ. चौबे [illegible] किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अनंत कुमार सक्सेना, भोपाल के जिला संगठक [illegible] महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.महेंद्र गिरि, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय [illegible] कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह परिहार, शासकीय महाविद्यालय आठनेर के प्राचार्य [illegible], शासकीय महाविद्यालय [illegible] के प्राचार्य [illegible] उपस्थित रहे।

जेएच कॉलेज प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे की अध्यक्षता में एवं जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे के [illegible] में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का [illegible] ने किया एवं [illegible] द्वारा किया गया।

**सुविधाएं बढ़ेंगी:** वर्ल्ड बैंक के सहयोग से होंगे काम, बीडीए की टीम ने किया निरीक्षण, बाटनी-जूलॉजी लैब, क्लास रूम भी बनेंगे

# जेएच कॉलेज में 8.26 करोड़ से बनेगी नई बिल्डिंग

जेएच ई न्यूज, बैतूल। शहर के सबसे बड़े जेएच कॉलेज में छात्र-छात्राओं को सुविधा के लिए 8 करोड़ 26 लाख से निर्माण कार्य होंगे। इसमें कॉलेज परिसर में बाटनी लैब, जूलॉजी लैब, क्लास रूम तथा गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण होगा। वर्ल्ड बैंक के सहयोग से होने जा रहे निर्माण कार्य को लेकर भोपाल डेवलपमेंट अथॉरटी की टीम ने कॉलेज का दौरा किया।

कॉलेज में कमरों की कमी के कारण जर्जर भवन में लैब और क्लास रूम संचालित किए जाते हैं। इससे छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके लिए कॉलेज प्रबंधन ने क्लास रूम, बाटनी लैब, जूलाजी लैब, गर्ल्स कामन रूम के लिए उच्च शिक्षा विभाग से आवश्यकता बताई थी।

इसके बाद वर्ल्ड बैंक के सहयोग से कॉलेज परिसर में क्लास रूम सहित अन्य निर्माण कार्य को मंजूरी मिली थी। यह कार्य बीडीए को सौंपा है। बीडीए की टीम ने जेएच कॉलेज पहुंचकर



प्राचार्य से चर्चा कर स्पाट देखा, जहां पर निर्माण कार्य शुरू होगा। कॉलेज के प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने बताया करीब 8 करोड़ 26 लाख रुपए से निर्माण कार्य होना है।

पहले यह निर्माण कार्य कॉलेज भवन के पीछे खाली मैदान पर किया जा रहा था, लेकिन कैंपस को कवर करने के लिए दूसरी जगह निर्माण करवाया जा रहा है।

### लैब के साथ क्लास भी संचालित की जा सकेंगे

कॉलेज में पहले बने अधिकांश भवन जर्जर हो गए है। जर्जर भवन में क्लासें और लैब संचालित होती है। इससे छात्र-छात्राओं को परेशानी के साथ डर भी बना रहता है। इसे देखते हुए नए निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराया। नया निर्माण होने के बाद यहां लैब के साथ क्लास भी संचालित की जाएगी।

### गर्ल्स हॉस्टल कैंपस में भी होगा निर्माण कार्य

जेएच कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया कि कॉलेज परिसर में भवन निर्माण दो मंजिला होगा। इसमें नीचे लैब व ऊपर क्लासें संचालित की जाएंगी। कॉलेज में पिछले दिनों आई बीडीए की टीम को हमने गर्ल्स हॉस्टल के सामने भवन निर्माण करने के लिए भी कहा है। जेएच कॉलेज परिसर में स्थित गर्ल्स हॉस्टल के सामने की ओर दूसरा हॉस्टल बनाने के लिए भी प्रस्ताव भेजा है।

# छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी की बॉयोटेक्नालॉजी सिलेबस की ऑनलाइन मीटिंग हुई

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर से बॉयोटेक्नालॉजी विषय से संबंधित जूम एप द्वारा ऑनलाइन मीटिंग संपन्न हुई। छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय की ओर से जूम एप के होस्ट एवं विषय पर चर्चा करने वाले डॉ. युवराज पाटिल थे।

एमएससी बॉयोटेक्नालॉजी प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर में चार पेपर 50-50 अंक के एवं दो प्रैक्टिकल 50-50 अंक के होंगे। एमएससी बॉयोटेक्नालॉजी चतुर्थ सेमेस्टर में तीन पेपर 50-50 अंक के तथा 50 अंक का एक माह का डेजरटेशन होगा। जबकि पूर्व में चतुर्थ सेमेस्टर में किसी प्रकार का पेपर नहीं था [illegible] डेजरटेशन [illegible] 300 अंक का होता था। यूनिवर्सिटी ने चर्चा के लिए ऑनलाइन [illegible] महाविद्यालय के बॉयोटेक्नालॉजी के विभागाध्यक्ष जुड़े थे। बॉयोटेक्नालॉजी विभाग की मीटिंग में डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. अनु सोनी, डॉ. [illegible] के अलावा जिले के विभिन्न महाविद्यालय से ऑनलाइन जुड़े थे। डॉ. [illegible] बॉयोटेक्नालॉजी सिलेबस [illegible] बोर्ड ऑफ स्टडी के चेयरमैन हैं। [illegible] के दिन बॉटनी विभाग के सिलेबस पर भी चर्चा की गई।

## क्रिएटिव प्रोफेसर: पटकथा, संवाद व रीटेक के बिना ही कोरोना काल में बनाई 6 शॉर्ट फिल्में

# 40 साल से रंगकर्म से जुड़े हैं प्रोफेसर, कभी बने कोरोना बाबा तो कभी डेंटिस्ट, मकसद सिर्फ एक, हास्य के साथ कोरोना का खतरा भी बताना

जेएच ई न्यूज, बैतूल। उत्साह, आनंद... और उमंग ना तो किसी उम्र के मोहताज है... ना ही किसी विशेष जगह की। इसी का उदाहरण रतलाम के एक प्रोफेसर ने दिया है। कोरोना काल में घर पर रहने के दौरान प्रोफेसर ने 6 शॉर्ट फिल्में बना दीं। खास बात यह है कि इन शॉर्ट फिल्म में न तो पटकथा, न संवाद लिखे गए। कोई रीटेक भी नहीं लिया। वर्क फ्रॉम होम के दौरान समय निकालकर बहू, बेटी और बच्चे कलाकार बन गए तो अपना ही घर बन गया शूटिंग लोकेशन।

### 1980 के दशक से रंगकर्म शुरू किया

ये प्रोफेसर हैं अलकापुरी निवासी 62 साल के डॉ. प्रदीपसिंह राव। इनकी बनाई सभी फिल्म 10 से 20 मिनट की है। हर फिल्म में हास्य के साथ ही एक संदेश भी दिया गया है। डॉ. राव 1978 से आकाशवाणी इंदौर से रेडियो नाटकों के लेखन, अभिनय से जुड़े हैं। रेडियो उद्घोषक भी रह चुके हैं। राव ने 1980 के दशक से रतलाम से रंगकर्म शुरू किया था। कई नाटकों का लेखन, निर्देशन व मंचन किया। वे मालवा मरुस्थल की ओर... लघु फिल्म भी बना चुके हैं। कोरोना काल में उन्होंने अपनी 17वीं पुस्तक भी पूरी की। अब तक 16 पुस्तकें अलग-अलग विषयों पर प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉ. राव अभी शासकीय जेएच कॉलेज, बैतूल में वरिष्ठ प्राध्यापक हैं। मार्च 2019 तक वे सैलाना कॉलेज में थे।




### प्रसारण के लिए भेजेंगे फिल्म

सभी फिल्म एंड्रायड मोबाइल से बनाई है। कुछ जगह त्रुटियों को भी नहीं सुधारा।फना पटकथा ना संवाद लिखे गए, न ही बच्चों को रटाए। 15 मिनट पहले स्टोरी बताई, संवाद बोलने की सभी को स्वतंत्रता दी। इसका कारण मनोरंजन करना है। सभी फिल्म 10 से 20 मिनट की है, घर के ही उपकरणों से फिल्म पूरी की गई। कोरोना काल में बाल कलाकारों की विशेष उपलब्धि के लिए सूचना प्रसारण मंत्रालय व प्रधानमंत्री को भी फिल्म भेजी जाएगी। फिल्म बलून को स्वास्थ्य विभाग को राष्ट्रीय प्रसारण के लिए देंगे। सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा हास्य फिल्म मार्कशीट पसंद की गई है।

**ये रहे शॉर्ट फिल्मों के कलाकार:** मुख्य भूमिका- डॉ. प्रदीपसिंह राव (62) (लेखक, निर्देशक, मेकअप) कलाकार- गोरोचना सिंह (10), पुणे, मायरा तंवर (5), इंदौर, मुदिता सिंह (4), पुणे, पूर्वा सिंह (34), इंदौर कैमरा, फिल्मांकन, डबिंग- गुरुत्वा सिंह (37), पुणे

[illegible]

[illegible]

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]
6. [illegible]

# सीएलसी के दो चरण व कक्षा में सीटों का आवंटन बढ़ाया जाए

## जेएच कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

जेएच ई न्यूज, बैतूल। सीएलसी के दो चरण, रजिस्ट्रेशन ओपन करने एवं सभी क्लासों की सीट बढ़ाए जाने की मांग को लेकर शनिवार जेएच कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। अनु ठाकुर के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में छात्रों ने बताया कि जिले के समस्त छात्र लगातार परेशान हो रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग से लिस्ट जारी होने के कारण दूर-दूर से आए छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि हम यह चाहते हैं कि सीएलसी के दो चरण एवं सभी कक्षाओं में सीटों का आवंटन में बढ़ोतरी की जाए, इससे जो छात्र प्रवेश से वंचित हो रहे हैं उन्हें अपने जिले के शासकीय महाविद्यालय में पढ़ने का अवसर दिया जाए। इस दौरान अन्नू ठाकुर, शमा आफरीन, शालिनी, पंकज भालेकर, राहुल बेले, राजा बेले, रोशन लिखितकर, भरत यादव, नवीन यादव उपस्थित रहे।

# जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और महात्मा गांधी विषय पर व्याख्यान संपन्न

## गांधी का स्वदेशी फार्मूला, देश का पैसा देश में रहे




जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज में महात्मा गांधी की जयंती पर जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और महात्मा गांधी विषय पर प्राध्यापक डॉ.आशीष गुप्ता का ऑन लाईन व्याख्यान संपन्न हुआ। डॉ.गुप्ता ने वर्तमान संदर्भ में महात्मा गांधी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रासंगिता की विस्तार पूर्वक व्याख्या की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का मानना था की भारत में बच्चों को थ्री एच याने हैंड, हैड और हार्ट की शिक्षा दी जाए। शिक्षा उन्हें स्वावलंबी बनाए और वे देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दें। प्राचार्य [illegible]

[illegible]

उत्साह, आनंद... और उमंग ना तो किसी उम्र के मोहताज है... ना ही किसी विशेष जगह की। इसी का उदाहरण रतलाम के एक प्रोफेसर ने दिया है। कोरोना काल में घर पर रहने के दौरान प्रोफेसर ने 6 शॉर्ट फिल्में बना दीं। खास बात यह है कि इन शॉर्ट फिल्म में न तो पटकथा, न संवाद लिखे गए। कोई रीटेक भी नहीं लिया। वर्क फ्रॉम होम के दौरान समय निकालकर बहू, बेटी और बच्चे कलाकार बन गए तो अपना ही घर बन गया शूटिंग लोकेशन।

## बैतूल की धरा पर मणिकर्णिका सम्मान की शुरूआत

# अब मणिकर्णिका कहलाएंगी जिले की 42 बेटियां, जेएच कॉलेज ने भी बढ़ाया गौरव

### डाटर्स डे पर बैतूल के समाजसेवियों ने की पहल, कोरोना योद्धाओं को भी किया सम्मानित

बैतूल। डाटर्स डे इस बार बैतूल के लिए ऐतिहासिक हो गया। कोरोना काल के दौरान बैतूल की बेटियों के सम्मान में आदित्य होण्डा शोरुम, बोथरा शॉपिंग मॉल एवं बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में अलग-अलग चैलेंजिंग क्षेत्रों में कार्य कर रही बेटियों को मणिकर्णिका सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान चिकित्सा एवं पुलिस विभाग में कार्यरत डॉक्टर्स और अधिकारियों को भी कोरोना योद्धा सम्मान देकर सम्मानित किया गया।

स्थानीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय सदर में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हेमंत खण्डेलवालजी पूर्व सांसद बैतूल, विशेष अतिथि एवं प्रमुख वक्ता ज्योतिषाचार्य कांत दीक्षित, समाजसेवी हरवंश आहूजा, राजकुमार बोथरा एवं संस्था के संरक्षक आदित्य बबला शुक्ला के साथ नन्हीं बेटी आयुषी यादव और पूर्वी बानाट्रे ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजक टीम में शामिल वरिष्ठ समाजसेवी राजेश आहूजा, धीरज बोथरा, कमलेश गढ़ेकर, बिट्टू बोथरा एवं भारत पदम ने सभी अतिथियों को सरडद की स्मृति देकर स मानित किया। इस अवसर पर संगीता बोहरा, धीरज बोथरा, नूपुर एवं दिशा मौर्य ने बेटियों एवं कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। सौ या आहूजा द्वारा बेटियों की वर्तमान स्थितियों को लेकर अपने मन की बात मणिकर्णिका के मंच से कही। कार्यक्रम का संचालन समिति अध्यक्ष गौरी पदम ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि श्री खण्डेलवाल ने सभी बेटियों एवं अग्रणी महिलाओं को मणिकर्णिका सम्मान के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समय प्रतिकूल है फिर भी आप सभी अपने मोर्चे पर पूरी निष्ठा से डटे हुए है। भविष्य कोरोना काल में पुलिस और चिकित्सा विभाग द्वारा जिस समर्पण से कार्य किया जा रहा है उसे हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्य वक्ता ज्योतिषाचार्य कांत दीक्षित ने बेटियों के संघर्ष और संघर्ष के इतिहास को उदाहरण देकर बताया। उन्होंने आयोजन की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन ऊर्जा का संचार करते है। स्वागत उद्बोधन राजेश आहूजा द्वारा प्रस्तुत करते हुए आयोजन की रूपरेखा से अवगत कराया। आयोजन मंडल ने बताया कि [illegible]

## ये है बैतूल की मणिकर्णिकाएं

आयुषी अनिल यादव प्रेरणा बेटी के नाम हो घर की पहचान अभियान, श्रीमती गंगा पाल वीर वधु शहीद [illegible], एसपी सुश्री श्रद्धा जोशी, एसडीओपी मुलताई नम्रता सोंधिया, महिला सेल प्रभारी एसआई [illegible] थाना, एसआई प्रीति पाटील चिचोली, सगवारी बसंती शेषकर कोतवाली थाना, [illegible] थाना चिकित्सा के क्षेत्र मे विशेष योगदान के लिए डॉ ममता श्रीवास्तव, ममता मेटरनिटी हास्पीटल बैतूल, [illegible] होम बैतूल, डॉ स्मिता राठी, डॉ दीप्ति राठी, राठी मल्टी स्पेशलिटी हास्पीटल बैतूल, डॉ प्रतिभा रघुवंशी [illegible], [illegible] विशेषज्ञ बैतूल, डॉ ईशा डेनियल, महिला रोग विशेषज्ञ, डॉ कृष्णा मौसिक, महिला रोग विशेषज्ञ, [illegible], डॉ सोनल डागा दंत रोग विशेषज्ञ को मणिकर्णिका सम्मान से नवाजा गया। शिक्षा के क्षेत्र मे [illegible] कॉलेज बैतूल, रितु खण्डेलवाल संचालक आरडीपीएस बैतूल, प्रो मीनाक्षी चौबे जेएच कॉलेज बैतूल, [illegible] स्कूल एवं डागा फाउंडेशन, डॉ निहारिका मावसार, श्वेता भट्ट एमएमएफएस स्कूल बैतूल को सम्मानित किया गया। [illegible] के क्षेत्र मे भारती अग्रवाल अध्यक्ष ग्राम भारती महिला मंडल शोभापुर, सरला [illegible] अध्यक्ष [illegible], [illegible], [illegible] चिचोली, कुंजन खण्डेलवाल साहित्य, रंजना भदौरिया आरटीओ बैतूल, [illegible] बैतूल, मनु [illegible] खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी बैतूल, संगीता श्रीवास्तव गायिका, हरसिमरन [illegible] जनपद भीमपुर, दुर्गा बोरबार कुली रेलवे स्टेशन [illegible] को मणिकर्णिका एवं कोरोना योद्धा सम्मान दिया गया।

### कोरोना योद्धा भी सम्मानित

[illegible]

हॉंकरार समाचार पाक्षिक
सत्यमेव जयते
Jh. e News

## ऊर्जा स्वराज यात्रा लेकर जेएच कॉलेज पहुंचे 'सोलर गांधी' डॉ. चेतन सिंह सोलंकी

# सौर ऊर्जा से संचालित होगी माइक्रोबायोलॉजी लैब, कॉलेज के 500 विद्यार्थियों को सोलर लैंप बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी




**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल के इको क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'ऊर्जा स्वराज' प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में एवं भारत भारती शिक्षा समिति के सचिव मोहन नागर जी की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में डॉ. चेतनसिंह सोलंकी प्रोफेसर आईआईटी मुंबई उपस्थित हुए।

डॉ. सोलंकी म.प्र. के सोलर ऊर्जा के ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किये गये हैं एवं इन्हें सोलर गांधी के नाम से जाना जाता है। इन्होंने एनर्जी स्वराज यात्रा 20 नवंबर 2020 से ग्यारह वर्षों के लिये संकल्पित की है जो 2030 तक चलेगी। इन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य भगवान की सुंदर कृति है जिसने अपने सुख की लालसा में कई आधारभूत गलतियां की है जिससे आज उनका स्वयं का ही अस्तित्व खतरे में आ गया है। इसके लिए हमें आत्मनिर्भर बनने तथा ऊर्जा का कम से कम दोहन करना होगा। उन्होंने ऊर्जा के लिये एएमजी (अवाइड मिनिमाइज्ड एण्ड जनरेट) नियम को अपनाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने सौर ऊर्जा के उपयोग पर अधिक जोर दिया साथ ही इसके अंधाधुंध उपयोग न करने की सलाह दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को भी सोलर उत्पाद बनाने के लिये प्रशिक्षण देने की बात कही। डॉ. सोलंकी के अनुसार एनर्जी स्वराज लाने के लिये शुरूआत हमें खुद करनी होगी। जिससे हम आने वाली पीढ़ी और उसके बाद आने वाली पीढ़ी को इसका संदेश दे सकेंगे एवं एनर्जी स्वराज के संकल्प को पूरा कर सकेंगे। ऊर्जा स्वराज यात्रा के दौरान डॉ. चेतनसिंह सोलंकी से हुई चर्चा के आधार पर महाविद्यालय की न्यू माइक्रोबायोलॉजी लेब को पूर्णत: सौर ऊर्जा से संचालित करने तथा 500 विद्यार्थियों को सोलर लैंप बनाने का प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अलका पांडे ने डॉ. सोलंकी का परिचय एवं उनकी उपलब्धियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अर्चना मिश्रा द्वारा एवं आभार डॉ. अर्चना सोनारे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीप सिंह राव, डॉ. ललित दुबे, प्रो. मुकुंद चंदेल, प्रो. अशोक दवाडे, प्रो. हेमंत देशपांडे, डॉ. अनिता सोनी, डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. कमलेश अहिरवार डॉ. ज्योति शर्मा के अलावा अनेक प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज के समस्त प्राध्यापकगण एवं इको क्लब के सदस्य प्रो. शिवप्रकाश पवार, डॉ. प्रतिभा चौरे, प्रो. मनोज घोरसे, प्रो. महेन्द्र मालवी, प्रो. दीपिका साहू, प्रो. कीर्ति क्लाटे एवं समस्त कर्मचारी गण का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

# संकल्पित रहकर शासन को अधिक पारदर्शी बनाना ही सुशासनः डॉ. विजेता चौबे

## प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे द्वारा उपस्थितजनों को शपथ दिलवाई गई

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज में सुशासन दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे द्वारा उपस्थितजनों को शपथ दिलवाई गई। इस मौके पर डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्रीअटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस 25 दिसम्बर के एक दिन पूर्व श्री वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मानदण्डों को स्थापित करने के लिये संकल्पित रहकर शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जन-कल्याण केन्द्रित और जवाबदेह बनाने के प्रयास करने का संकल्प लिया गया। डॉ.वीपी साहू व डॉ.धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार में जवाबदेही के भारतीय लोगों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देकर प्रधान मंत्री वाजपेयी को सम्मानित करने के लिए 2014 में सुशासन दिवस की स्थापना की गई थी।

इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने सुशासन दिवस को सरकार के लिए कार्य दिवस के रूप में घोषित किया है। इस अवसर पर अनवर कुरेशी, विजय राठौर, प्रो.मनोज घोरसे, गिरधारी मालवीय, अनंत श्रीवास्तव, अमित ठाकुर सहित कॉलेज स्टॉफ, एनएसएस स्वयंसेवक व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

# शार्ट फिल्म अमन और चमन के फूल हैं यू ट्यूब पर रिलीज

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीप सिंह राव की राव प्रोडक्शन की सातवीं शार्ट फिल्म अमन और चमन के फूल हैं यू ट्यूब पर रिलीज हुई। फिल्म में डॉ. प्रदीप सिंह राव ने अभिनय किया है। इसके पहले भी श्री राव की लगभग 10 शॉर्ट फिल्में रिलीज हो चुकी है। श्री राव ने कोरोनाकाल में कोविड-19 महामारी पर भी जागरूकता के लिए शार्ट फिल्म का निर्माण किया है। श्री राव द्वारा बनाई गई सभी फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया है।

■ प्राचार्य - डॉ. विजेता चौबे ■ संपादक - डॉ. सुखदेव डोंगरे ■ सह संपादक - डॉ. गोपाल साहू ■ डॉ. मनोहर गावडे

## संपादकीय

# ऑनलाइन पढ़ाई दूरस्थ शिक्षा का एक रूप

डॉ. सुबोध जोशी
संपादक

शिक्षा किसी व्यक्ति के विकास और समुदाय की समृद्धि के लिए भी योगदान देती है। ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली कई संचार मोड का उपयोग करके, शिक्षकों और छात्रों दोनों को विचारों और जानकारी का आदान-प्रदान करने, परियोजनाओं पर, घड़ी के आसपास, दुनिया भर में कहीं-भी काम करने की अनुमति देती है। ई-लर्निंग दूरस्थ शिक्षा का एक रूप है, जहां शिक्षक के पास ट्यूटर की भूमिका कम होती है और उसकी शिक्षा में छात्र का योगदान सामान्य अध्ययन की स्थिति से अधिक होता है। नीचे ऑनलाइन शिक्षा के कुछ फायदे हैं। ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर-आधारित अनुकूली परीक्षण प्रदान करती है और वैकल्पिक शिक्षा और विचारों को बढ़ावा देती है। यह छात्रों, शिक्षकों, माता-पिता, पूर्व छात्रों, कार्यकर्ताओं और संस्थानों और सामूहिक प्रतिक्रिया द्वारा निरंतर सुधार के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

ऑनलाइन शिक्षा छात्रों, शिक्षकों और महाविद्यालय को मापने और रैंक करने और छात्रों के सर्वांगीण विकास को पुरस्कृत करने के लिए एक सतत ग्रेडिंग प्रणाली प्रदान करती है। ऑनलाइन और खुले सूचना पोर्टल किसी भी समय कहीं से भी सुलभ है। यह न केवल पुस्तकों और अन्य संसाधनों को लाता है, बल्कि ग्रामीण इलाकों में शिक्षा फैलाने के लिए दूरस्थ शिक्षा पहलुओं को भी बढ़ावा देता है। यह विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

# आंतरिक और बाह्य ऊर्जा का सद्पयोग करें

## जेएच कॉलेज में ऊर्जा संरक्षण दिवस पर कार्यशाला संपन्न

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर जेएच कॉलेज बैतूल की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में कॉलेज के ईको क्लब के द्वारा एमपी कौंसिल ऑफ साईस टेक्नोलॉजी के सौजन्य से ऑनलाईन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के ऊर्जा विभाग के चेयरमेन प्रो.प्रशांत बारेदार थे। उन्होने ब्रिकेट्स (कंडे का उन्नत रूप) बनाने की विधि तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में एमपीसीओएसटी भोपाल के प्राचार्य व वैज्ञानिक डॉ.एनके शिवहरे ने बताया कि जनसंख्या वृद्धि के कारण ऊर्जा संसाधनों में कमी एक गंभीर चिंता का विषय है। डॉ.विजेता चौबे ने युवाओं को सचेत करते हुए बताया कि हमें अपने भीतर व बाहर की ऊर्जा का सही उपयोग करना चाहिए। एमपीसीओएसटी भोपाल के चीफ सांईटिस्ट डॉ.आरके ने सौर ऊर्जा के उपयोग को आज की आवश्यकता बताया। उन्होन बताया कि एक शहर से दूसरे शहर में ऊर्जा स्थानांतरण में हो रही ऊर्जा की कमी से बचने के लिए 6 फेस सिस्टम पर रिसर्च की जा रही है। कार्यक्रम का आभार कॉलेज की ईको क्लब की संयोजक डॉ.अल्का पांडे द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन एमपीसीओएसटी भोपाल के प्राचार्य डॉ.विकास शिंदे द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ईको क्लब के सह संयोजक डॉ.अर्चना सोलंके, सदस्य डॉ.अर्चना मिश्रा, डॉ.प्रतिभा चौरे, प्रो.शिव प्रकाश पंवार, प्रो.पंकज बालस्कर, प्रो.दीपिका साहू, प्रो.महेन्द्र नावंगे, प्रो.कीर्ति काठे का सराहनीय योगदान रहा।

### प्राचार्य ने दिलाई शपथ, माह से कम से कम एक दिन वाहन ना चलाएं

जेएच कॉलेज की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस के अवसर पर कॉलेज के स्टॉफ, विद्यार्थियों व आमजन से ऊर्जा संरक्षण की शपथ दिलवाई। इस मौके पर डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि पर्यावरण के हित को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि माह में कम से कम एक दिन वाहन का प्रयोग ना करते हुए पैदल और साईकिल का प्रयोग करें। इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवक, प्रो.अशोक दबाड़े, प्रो.राजेश डेहरकर, एनएसएस कार्य क्र अधिकारी डॉ.जीपी साहू, प्रो.जुगल किशोर सरले, प्रो.महेन्द्र नावंगे, संजय उइके, अक्षय मालवी, दुर्गेश कुमरे, सतीश नागले, निलेश भुसुमकर आदि मौजूद थे।

# कॉलेज में 146 कर्मियों का हुआ कोविड परीक्षण, सभी नेगेटिव

## आज छात्रों का होगा कोविड परीक्षण

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने बताया कि आज शुक्रवार म.प्र. शासन भोपाल एवं जिला कलेक्टर बैतूल के आदेश के परिपालन में व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कॉलेज के विद्यार्थियों का कोविड टेस्ट किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों का कोविड-19 का परीक्षण डॉ. योगेश चौकीकर, डॉ. विशाल वर्मा, डॉ. ऑचित्य पांडे, डॉ. वासुदेव उघड़े द्वारा कुल आरएटी - 125, आरटीपीसीआर - 21 कुल-146 परीक्षण संपन्न हुए। जिसमें कॉलेज का समस्त स्टॉफ नेगेटिव पाया गया। कोविड-19 परीक्षण कार्यक्रम संपन्न कराने में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.प्रदीप सिंह राव, डॉ.ज्योति शर्मा, डॉ.अनिता सोनी, प्रो.हेमंत देशपांडे, डॉ.धर्मेंद्र कुमार, डॉ.सुखदेव डोंगरे, प्रो.मनोज घोरसे, ऑफिस सुपरिंटेंडेंट अनवर कुरैशी, हॉस्टल वार्डन दुलारी साहू, अमित ठाकुर, अमित आर्य, विवेक पानकर, डॉ.हेमंत वर्मा, डॉ.आभा वर्मा का सक्रिय सहयोग रहा।

# परीक्षार्थीयों के लिए एक और अवसरः डॉ.चौबे

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने बताया कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की अधिसूचना अनुसार सत्र 2019-20 की अंतिम वर्ष, सेमेस्टर, स्नातक स्तर, यूजी 6वां सेम, सेमेस्टर स्नातकोत्तर स्तर, पीजी चौथा सेम के समस्त संकायों की परीक्षा से वंचित रह गए परीक्षार्थियों हेतु 8 दिसम्बर 2020 से आयोजित की जा रही है। डॉ.चौबे ने बताया कि 8 दिसम्बर को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर समस्त प्रश्नपत्र एक साथ प्रातः 8 बजे अपलोड किए जाएंगे। परीक्षार्थी अपने प्रश्नपत्रों को चिन्हित कर डाउनलोड करेंगे। परीक्षार्थी लिखित उत्तरपुस्तिकाएं बीयू भोपाल के पुस्तकालय ग्रंथालय में 14 व 15 दिसम्बर को कार्यालयीन समय 10:30 से 5 बजे तक जमा कर पावती प्राप्त करें। ऐसे परिक्षार्थी जो अपनी उत्तर पुस्तिकाएं जमा नहीं कर पा रहें या परिक्षेत्र से बाहर निवास कर रहें वे स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से 15 दिसम्बर तक उपकुल सचिव गोपनीय शाखा बीयू भोपाल के पते पर बुक करें। डॉ.चौबे ने बताया कि सत्र 2019-20 के स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर में सम्मिलित ऐसे परीक्षार्थी जिनको पूर्व सेमेस्टर प्रथम, द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर में एटीकेटी है उनको एटीकेटी की परीक्षाएं आंतरिक मूल्यांकन पद्धति से संपन्न होंगी अर्थात उन्हें अध्ययन महाविद्यालय के विभाग से प्रश्न 8 दिसम्बर तक प्राप्त करने होंगे तथा असाईनमेंट परीक्षार्थी द्वारा उसी विभाग में 10 दिसम्बर तक प्रातः 10:30 बजे से 5 बजे तक जमा कर पावती प्राप्त करें। असाईनमेंट का मूल्यांकन उपरांत अंक विश्वविद्यालय को प्रेषित किए जाएंगे। छात्र बीयू की वेबसाईट पर निरंतर अवलोकन करते रहें।

# ग्रामीण अंचलों में रहने वाले विद्यार्थी ऑन लाईन से हो रहे लाभावित:डॉ.चौबे

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दो दिवसीय ऑनलाईन प्रेरण कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

जिसके प्रथम सोपान में कॉलेज की प्राचार्या द्वारा छात्रों को उच्च शिक्षा व्यवस्था से अवगत कराया गया तथा बताया कि किस तरह वर्तमान स्थिति में सुदूर ग्रामीण अंचलों में रहने वाले विद्यार्थी भी ऑन लाईन कक्षाओं से लाभाँवित हो रहें हैं। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ.सलील दुबे द्वारा पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डॉ.प्रदीप सिंह राव ने कॉलेज की शैक्षणिक संरचना व पाठ्क्रम की विस्तृत जानकारी दी एवं विभिन्न योजनाओं अनिवार्य प्रशिक्षण, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना से अवगत कराया। डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा शैक्षणिक गतिविधि के साथ में एनएसएस की गतिविधि क भी जानकारी दी। डॉ.खुशाल देवघरे द्वारा छात्रों को एनसीसी की महत्ता, डॉ.जीपी साहू ने एनएसएस के उद्देश्य, लक्ष्य, सिद्धांत वाक्य एवं प्रमाण पत्रों, प्रो.राजेश शेवकर द्वारा युवा उत्सव व सांस्कृतिक गतिविधियों डॉ.मिनाक्षी चौबे द्वारा यूजीसी, आईक्यूएसी एवं नेक डॉ.धमेन्द्र कुमार डॉ.सुभाष खातरकर द्वारा फंडिंग एजेंसी, विश्वबैंक, एवं रूसा सेल के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस का सफल संचालन डॉ.अर्चना मिश्रा द्वारा व आभार प्रो.संतोष पंवार द्वारा व्यक्त किया गया।

## भारत विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान: डॉ.विजेता चौबे

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, डॉ.प्रदीप सिंह राव, डॉ.धमेन्द्र सिंह, डॉ.अनिता सोनी की उपस्थिति में महाविद्यालय के स्टॉफ को संविधान की उद्देशिका की शपथ ग्रहण कराई। इस मौके पर डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि भारत का संविधान विश्व में श्रेष्ठ संविधान है।

डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि बाबा साहेब ने स्वतंत्र भारत का संविधान लिखकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। संविधान से हमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अधिकार मिला है। डॉ.प्रदीप सिंह राव ने कहा कि डॉ.अम्बेडकर संविधान प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष थे। संविधान सभा के अध्यक्ष तात्कालिक राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद थे। प्रत्येक कानून संसद में परिचर्चा एवं सूक्ष्म निरीक्षण के बाद पारित कर बने हैं। डॉ.धमेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत का लिखित संविधान सबसे बड़ा संविधान है। लोकतंत्र गणराज्य को समाजवादी दृष्टिकोण से प्रतिपादित करता है। डॉ.अनिता सोनी ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा का अधिकार संविधान से ही मिला है। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ.प्रतिभा चौरे, डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. अल्का पांडे, डॉ. मुकुंद चंदेल, डॉ. निलिमा पीटर, डॉ. अशोक रम्भाड़े, प्रो.मनोज घोरसे, डॉ. एकनाथ निरापुरे, मो. अनवर कुरैशी, एलपी साहू, विवेक पानकर, अनिल ठाकुर, दुर्गेश कुमरे, सतीश सत्ताने, दुर्गाप्रसाद सोनारे, योगेश्वर चढ़ोकार, कन्हैया अमरूते, ललित तायवाड़े, मोनिका मगरे, महिमा सोनी, रेणुका ठाकरे आदि मौजूद थे।

## कॉलेज में कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की गतिविधियां

### नियमित व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की जा रही है

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कॅरियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत माह नवम्बर से नियमित व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की जा रही है। जिसमें निदेशक स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन भोपाल द्वारा निर्धारित विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये जा रहे हैं। इस श्रृंखला में नवंबर माह में नई शिक्षा नीति 2020 की अवधारणा विषय पर नीरज धाकड़ द्वारा व्याख्यान दिया गया तथा विधि भिाग की विभागाध्यक्ष प्रो. वीणा चिरोंजे डेहरिया द्वारा भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया। दिसंबर माह में कक्षावार निर्धारित विषयों पर व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई। प्रो. वीणा चिरोंजे, डॉ. जीपी साहू को डॉ. सलिल दुबे का मीना डोनीवाल, प्रो. ऋषि कांत पंथी, डॉ. मौसमी राध, प्रो. अर्चना सोनारे द्वारा व्याख्यान दिए गए। दिनांक 15 जनवरी 2021 को डॉ. सुखदेव डोंगरे भारत की नई शिक्षा नीति पर व्याख्यान देंगे।

इसके साथ ही प्रो. मनोज ठवड़े द्वारा सामान्य ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता, प्रो. मनोज घोरसे द्वारा कमजोर व मेधावी छात्रों के भव्य संवाद तथा प्रो. शिव पंवार द्वारा ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। क्विज प्रतियोगिता 138 व निबंध प्रतियोगिता में 125 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। 29 व 30 दिसंबर 2020 को आयोजित दीक्षारंभ समारोह में डॉ. मीना डोनीवाल द्वारा नव प्रवेशी विद्यार्थियों को कॅरियर प्रकोश्ठ की विस्तृत जानकाररी प्रदान की गई। उच्च शिक्षा की महत्वाकांक्षी योजना आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत भोपाल से आयोजित होने वाले ऑनलाइन प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों का पंजीयन करवाकर जिले की समेकित जानकारी उच्चाधिकारियों को प्रेषित की गई। प्रशिक्षण 1 फरवरी से 26 फरवरी के मध्य प्रस्तावित है।

## डोंगरे, दुबे व अनिता काऊंसलर नियुक्त, छात्रों को मानसिक तनाव से उभारने में करेंगे मदद

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** आज के समय में कई विद्यार्थी मानसिक तनाव, पढ़ाई के दबाव के चलते आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते हैं। कोरोना काल में सभी प्रभावित हुए खासकर विद्यार्थीगण। ऐसे में इनकी मनोदशा को समझ कर इनका सही मार्गदर्शन देकर छात्रों को इस भावना से निकाला जा सकता है। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए जेएच कॉलेज की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे द्वारा डॉ.सुखदेव डोंगरे, डॉ.अनिता सोनी व डॉ.सलील दुबे को काउंसलर नियुक्त किया है। ये तीनों प्राध्यापक छात्रों में पढ़ाई के दबाव, पारिवारिक तनाव, आक्रोश, मानसिक तनाव, अवसाद, हीनभावना जैसी मनो दशा से जूझ रहे छात्रों की समस्या सुनेंगे तथा छात्रों में मनोबल, आत्मविश्वास और समस्या निवारण की सलाह देते हुए मार्गदर्शन देंगे।

जेएच कॉलेज का कोई भी विद्यार्थी इनसे सीधे संपर्क कर सकता है।

काउंसलर विद्यार्थी को उनके हित में मार्गदर्शन देंगे व छात्रों से काउंसलिंग कर साइकोमैट्रिक टेस्टिंग कर ही छात्र को उचित सलाह दी जाएगी व सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए प्रेरित किया जाएगा। इनके द्वारा किसी प्रकार की दवा नहीं दी जाएगी सिर्फ बातचीत के माध्यम से ही छात्रों को तनाव से मुक्त करने का प्रयास किया जाएगा।

# पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए स्वयं सेवकों का चयन संपन्न

जेएच ई न्यूज, बैतूल। मानव संसाधन मंत्रालय नई दिल्ली, मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के संरक्षण में एवं जिला संगठक रासेयो डॉ. सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में पूर्व आरडीसी परेड 2020 चयन समिति संयोजक क्रीड़ा अधिकारी सुश्री नीलिमा चौरे, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. जगदीश उईके, डॉ. प्रतिभा चौरे, प्रो. मनोज घोरसे, प्रवीण परिहार द्वारा छात्रों की परेड, सांस्कृतिक, साहित्यिक, उंचाई नाप, एनएसएस संबंधी नॉलेज के बारे में परीक्षण करके 4 छात्र एवं 3 छात्रा स्वयं सेवकों का चयन किया। जिले के 10 रासेयो युक्त महाविद्यालय जेएच कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज, सारनी, आमला, शाहपुर, मुलताई, आठनेर, भैंसदेही, घोड़ाडोंगरी, भीमपुर के कुल 33 स्वयं सेवकों ने चयन प्रक्रिया में भाग लिया। जिसमें कुल 7 विद्यार्थी चयनित हुए।

दो को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। प्रतिक्षा सूची में एक छात्र एवं एक छात्रा को चयनित किया जो चयन सूची के अनुसार चयन सूची में दुर्गा प्रसाद नोरले जेएच कॉलेज बैतूल, प्रफुल्ल गंगारे जेएच कॉलेज बैतूल, घनश्याम काले शास. महाविद्यालय सारनी, विजय कुमरे, अंबेडकर कॉलेज आमला, प्रतीक्षा सूची में अभिषेक हुरमाड़े शास. महाविद्यालय मुलताई शामिल हैं। इसके अलावा बालिका वर्ग की चयन सूची में तीन बालिकाओं के नाम शामिल हैं इनमें संगम नवड़े जेएच कॉलेज बैतूल, पूजा ओझा शास. कन्या कॉलेज बैतूल, पलक सोनी शास. कॉलेज मुलताई, प्रतीक्षा सूची में आशा गिन्नारे जेएच कॉलेज बैतूल शामिल हैं। प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को 20 नवंबर 2020 को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय चयन हेतु अपनी उपस्थिति देंगे। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया कि पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (मध्य क्षेत्र) 2020 का आयोजन 25 नवंबर 2020 से 4 दिसंबर 2020 तक डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है।

पूर्व गणतंत्र परेड 2020 के लिए चयन प्रक्रिया को सफल बनाने में संजय उईके, सतीश सलामे, रिया धिड़ोड़े, दीपाली पाण्डे ने सक्रिय योगदान दिया।

# निबंध स्पर्धा में सरिता, भाषण प्रतियोगिता में मोनिका प्रथम

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के



मार्गदर्शन में, डॉ.सुखदेव डोंगरे के संयोजन में जिले के राष्ट्रीय सेवा योजना, महाविद्यालयों में यूनिसेफ, एनएसएस और आवाज के संयुक्त तत्वावधान में बाल संरक्षण एवं बाल अधिकार सप्ताह 22 नवम्बर को संपन्न हुआ जिसके अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं जिसमें लैंगिक शोषण पर पोस्टर, बालश्रम पर भाषण प्रतियोगिता, बाल शिक्षा पर रंगोली, बालिकाओं के साथ क्रूरता पर चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न हुई। निबंध प्रतियोगिता में सरिता चोटेले प्रथम, तृतीय वर्षा रावत, भाषण प्रतियोगिता में प्रथम मोनिका धुर्वे, द्वितीय माधुरी आर्य, तृतीय वंदना इंगले, सांत्वना लक्षिता सातपुते, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम वर्षा रावत, द्वितीय कविता वाडबूदे, तृतीय अमिषा विश्वकर्मा, सांत्वना सांत्वना सरिता चोटेले, चित्रकला में प्रथम सीताराम धुर्वे, द्वितीय वर्षा राय, तृतीय कन्हैया अमरूते, सांत्वना करूणा पाटनकर रही। सप्ताह को सफल बनाने में कार्य म अधिकारी डॉ.जीपी साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे, वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रदीप परिहार, सोमचंद साहू, दीपाली पांडे, दलनायक संजय उइके, बाल संरक्षण क्लब के सदस्य मोनिका धुर्वे, योगेश्वर पहाडे, दुर्गेश कुमरे, अंजली सोनारे, नंदनी सोनी, शीतल बघेल, श्रद्धा माडकिर, रिया धिड़ोडे, हिमांशु पाटिल, प्रफुल गंगारे, प्रकाश उइके, राजा नोरले का सक्रिय योगदान रहा।

# बाल सरंक्षण पर कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

## कोविड-19 महामारी के कोरोना काल में लैंगिक अपराध बढ़े

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में बीयू के आदेशानुसार प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में रासेयो जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, विश्वविद्यालय के समन्वयक अनंत कुमार सक्सेना, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह परिहार, आवाज मप्र के कॉर्डिनेटर प्रशांत दुबे, आसिमा खान, गौरव की उपस्थिति में बाल संरक्षण पर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रारंभ में राहुल सिंह परिहार ने कहा कि बैतूल जिले के एनएसएस के 50 स्वयंसेवकों का चयन किया गया है।

यह कार्यक्रम युनीसेफ, आवाज मप्र एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने कहा एनएसएस 14 से 20 नवम्बर तक बाल संरक्षण पखवाड़ा मनाएगा 14 नवम्बर को संपूर्ण भारत में बाल दिस मनाते हैं तथा 20 नवम्बर को बाल अधिकार दिवस के रूप में मनाएंगे। प्रशांत दुबे ने प्रशिक्षण में बताया कि मप्र में प्रतिदिन 30 बच्चे गायब होते हैं उनमें से केवल 9 बच्चे वापस घर पहुंच पाते हैं। गौरव महाते ने बताया कि बालकों की देख-रेख और संरक्षण अधिनियम 2015 पर विस्तार से प्रकाश डाला। आसिमा खान ने बताया कि लैंगिक शोषण अपराध से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 पाक्सो एक्ट के बारे में बताया।

डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि मप्र में 2018 में 105 व 2019 में 125 लैंगिक शोषण के अपराध बढ़े हैं। यह हमारे लिए चिंता का विषय है। कोरोना काल में भी अपराधों में वृद्धि हुई है। बैतूल जिले से 50 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण में सहभागिता की।

# सरदार पटेल की विचारधारा को ग्रामीण अंचल तक फैलाएं: डोंगरे

## एनएसएस के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डांगरे ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर ऑनलाईन शपथ दिलाई

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और बायो संकाय के विद्यार्थियों को एनएसएस के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर ऑनलाईन शपथ दिलाई। इस मौके पर डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि राष्ट्र की एकता के लिए संकल्प लेकर कार्य करें।



डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि सरदार पटेल भारत की 565 से अधिक रियासतों को जोड़कर भारत का निर्माण किया। घोड़ाडोंगरी महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.यास्मिन खान ने कहा कि भारत की एकता से ही भारत की मजबूती है। सारणी महाविद्यालय की डॉ.रश्मि रजक ने सभी को पटेल की जयंती बधाई दी।

डॉ. प्रतिभा चौरे ने कहा कि रासेयो स्वयंसेवक सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय एकता की विचारधारा को ग्रामीण अंचल तक फैलाएं।

स्वयंसेवक पूजा भलावी, रिया धिड़ोड़े, अश्विन घोटे, ललित वाघवाड़े, तनु मोहबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन संजय उइके ने व आभार डॉ.यास्मिन खान ने किया। कार्यक्रम में 80 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

# डॉ. रमाकांत जोशी सर्वाधिक पीएच-डी कराने पर हुए सम्मानित

## कोरोना काल में रिटायर हुए श्री जोशी का सम्मान समारोह के दौरान विदाई समारोह का भी आयोजन किया






**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में हिन्दी विभाग के द्वारा डॉ. रमाकांत जोशी प्राध्यापक हिन्दी को जिले में सर्वाधिक विद्यार्थियों को पीएचडी कराने के लिए प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता सोनी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीप सिंह राव, आमला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मलखान सिंह चौहान, चोपड़ाडोंगरी महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य देवी सिंह सिसोदिया द्वारा शाल एवं श्रीफल द्वारा सम्मानित किया गया एवं भगवान विष्णु की अष्ट धातु की प्रतिमा भेंट की गई।

प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने कहा डॉ. जोशी सर ने पूरे बैतूल जिले में सभी प्राध्यापकों में सर्वाधिक अपने 16 विद्यार्थियों को पीएचडी कराई है। 02 में को-गाइड रहे तथा वर्तमान में 02 विद्यार्थी पीएचडी को पढ़ाई कर रहे हैं। डॉ. प्रदीप सिंह राव ने कहा जेएच ई न्यूज के अच्छे संपादक रहे हैं।

डॉ. धर्मेंद्र ने कहा डॉ. जोशी विनम्र स्वभाव के हैं। डॉ. अनिता सोनी ने जोशी जी को निश्छल स्वभाव एवं संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी बताया। डॉ. मलखान सिंह चौहान ने बालक सा सरल हृदय बताया। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा डॉ. जोशी बहुमुखी प्रतिभा के धनी, सहज, सरल, शांत, सज्जन, बुलंद, बेबाक, अच्छे सलाहकार, अच्छे लेखक, कवि, ओजस्वी वक्ता से परिपूर्ण बताया।

प्रो. मुकुंद चंदेल ने कहा कोरोना वायरस महामारी लॉकडाउन के कारण 31 मार्च 2020 को डॉ. जोशी का विदाई समारोह नहीं कर पाए थे कि आज हम सम्मान समारोह के साथ उनका अभिनंदन करते हैं। इसके अलावा डॉ. देवीसिंह सिसोदिया ने भी उद्बोधन दिया।

डॉ. मीनाक्षी चौबे द्वारा अभिनंदन पत्र का वाचन एवं मंच संचालन डॉ. मीना डोनीवाल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. प्रणव तिवारी, डॉ. रश्मि अग्रवाल, डॉ. शारदा कौशिक ने सक्रिय सहयोग दिया। इसके अलावा कार्यक्रम में डॉ. बोंडे खातरकर, डॉ. ललित दुबे, क्रीड़ा अधिकारी नीलोत्पल पीटर, प्रो. ममता कुशवाहा, प्रो. संतोष कुमार आदि भी उपस्थित थे। सभी ने श्री जोशी को बधाई भी दी।

# देश में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर

## वाईल्ड लाईफ कंजर्वेशन विषय पर ऑनलाईन वर्चुअल सेमिनार संपन्न

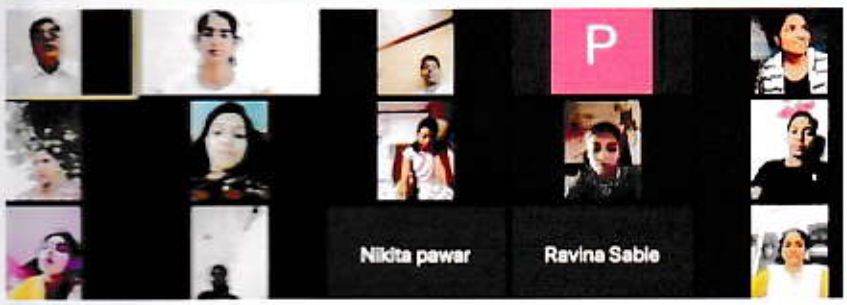




**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल के बायोटेक्नालॉजी विभाग के द्वारा वाईल्ड लाईफ कंजर्वेशन विषय पर ऑनलाईन वर्चुअल सेमिनार प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में डॉ.अल्का पांडे, डॉ.आभा पांडे, डॉ.आभा वर्मा, डॉ.सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में ऑनलाईन वर्चुअल सेमीनार संपन्न हुआ। जिसमें बीएससी एवं एमएससी के 97 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

सेमिनार का संचालन डॉ.निहारिका भावसार द्वारा किया गया। डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि दुनिया में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां इस समय विलुप्त होने के कगार पर हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है, जंगलों का लगातार काटा जाना। हालांकि कई संगठनों के सामने आने के बाद अब हालात में कुछ परिवर्तन आया है लेकिन पूरी तरह से तस्वीर बदलने के लिए जरूरत है, वाइल्ड लाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स की। डॉ.अल्का पांडे ने कहा कि इकोसिस्टम ठीक से संचालित हो जिसके लिए जंगल में पेड़ पौधे जरूरी है। डॉ.आभा वर्मा ने कहा कि मनुष्य को प्रदुषण के हानिकारण प्रभाव से केवल पौधे बचा सकते हैं। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जंगलों को काटने से पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों के कारण वाइल्डलाइफ सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है।

ऐसे में वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन की जरूरत अब महसूस की जाने लगी है। एक वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट लुप्त हो रही प्रजातियों का संरक्षण तो करता ही है, उसके कारणों की भी खोज करता है। अगर आप भी रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए श्रेष्ठ है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो.राजकुमार चौकीकर, प्रो.प्रीति नावंगे, डॉ.मनोहर गावंडे आदि का सरहानीय योगदान रहा।

# कॉलेज में कोरोना वायरस संक्रमण का परीक्षण किया

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में एनएसएस व अन्य छात्रों का कोरोना वायरस संक्रमण का परीक्षण डॉ.रजनीश शर्मा के नेतृत्व में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे एवं जिला संगठक रासेयो डॉ.सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय बैतूल के डॉ.विशाल वर्मा, डॉ.औचित्य पांडे, फार्मासिस्ट हेमेन्द्र वर्मा, पीएमडब्ल्यु प्रवीण नागर, वासुदेव, उबड़े द्वारा किया गया।

डॉ.सुखदेव डोंगरे ने बताया कि परीक्षण आरटीपीसीआर एवं एंटीजन टेस्ट के माध्यम से किए गए। डॉ.प्रतिभा भौरे, प्रो.हेमंत देशपांडे, विद्यार्थी प्रिया पटवारी, प्रियंका सन्त्रेकर, मयूर राठौर, वंदना नागले, निक्की मालवीय, उर्मिला वार्से, रितु धुर्वे, हिमानी पांडे, गौरी परिहार, अंबिका चढ़ोकार सहित अनेक एनएसएस एवं अन्य छात्रों का परीक्षण किया गया और भी लगातार परीक्षण जारी है।

## छात्रवृत्ति आवास योजना के लिए आवेदन का अंतिम अवसर

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2018-19 एवं 2019-20 के अंतर्गत अनुसुचित जाति, अनुसूचित जनजाति आवास द्वितीय पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनांतर्गत जिन विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय की लॉगिन से पोर्टल पर आवेदन नहीं किया गया वे 15 अक्टूबर तक आवेदन करने का अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

डॉ.चौबे ने विद्यार्थियों से अतिरिक्त अवधि का लाभ लेने की अपील की है। ताकि उन्हें इसकी सुविधाएं मिल सके।

# सीएलसी चौथा चरण: जेएच कॉलेज में यूजी और पीजी की 497 सीटों पर 1981 आवेदन आए

जेएच ई न्यूज, बैतूल। सीएलसी के चौथे चरण में प्रवेश के लिए गुरुवार को जिले के दस सरकारी कॉलेजों में छात्र-छात्राओं की भीड़ लगी रही। सुबह 10.30 बजे से विद्यार्थी प्रवेश पाने के लिए कॉलेज के सामने कतारें लगाकर खड़े रहे। जेएच कॉलेज में छात्र-छात्राएं की भीड़ दोपहर तक रही।

यहां पर यूजी और पीजी की 497 सीटों पर यहां कुल 1981 आवेदन जमा हुए। कॉलेज प्रबंधन ने मैरिट के आधार पर कक्षावार सूची ऑनलाइन अपलोड कर दी। रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा करने के बाद खाली सीटों की स्थिति क्लियर होगी। हर विद्यार्थी जेएच कॉलेज में एडमिशन चाहता है। इस कारण यहां पर सबसे अधिक फार्म जमा हुए। जेएच कॉलेज में यूजी की 326 सीटों पर 414 तथा पीजी की 171 सीट पर 1567 फार्म जमा हुए। दोपहर तीन बजे के बाद मेरिट के आधार पर सूची जारी होने के बाद अधिकांश छात्र-छात्राएं प्रवेश से वंचित रह गए।

**आज फिर प्रवेश प्रक्रिया होगी**

497 सीटों पर 1981 आवेदन आए थे। विभागवार मैरिट सूची बनाकर ऑनलाइन डाल दी है। रात 12 बजे तक छात्र-छात्राएं ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं।

-डॉ. विजेता चौबे

# कॉलेज में इंडियन आर्मी दिवस सेलिब्रेट किया



जेएच ई न्यूज, बैतूल। इंडियन आर्मी दिवस के अवसर पर जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे द्वारा एनसीसी के लेफ्टिनेंट डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. खुशाल देवघरे, सीनियर अंडर ऑफिसर आयुषी अतुलकर, एनसीसी के अनेक कैडेट्स की उपस्थिति में केक काटकर समारोह सेलिब्रेट किया।

# कॉलेज ग्राउंड पर पटाखा बाजार लगाने पर प्राचार्य ने ली आपत्ति

## प्रशासन के सामने समस्या कि कॉलेज के अलावा अब कहां लगाएं पटाखा बाजार

जेएच ई न्यूज, बैतूल। शहर में पटाखा बाजार लगाने के लिए प्रशासन ने जेएच कॉलेज का ग्राउंड तय किया था, लेकिन यहां बाजार लगाने पर प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने आपत्ति जताई है। प्राचार्य ने मंगलवार को पटाखा बाजार यहां नहीं लगाने को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया। अब पटाखा बाजार लगाने के लिए जगह की समस्या खड़ी हो गई है। प्राचार्य ने बताया हमारा एक मात्र खेल ग्राउंड है, जिस पर कॉलेज के स्टूडेंट्स खेलते हैं। शासन के नियम भी हैं कि खेल ग्राउंड पर पटाखा बाजार नहीं लगाया जाए। उन्होंने बताया कॉलेज में केवल एक ही गेट है। इस गेट से लोगों का आवागमन होता है। पटाखा बाजार एक सप्ताह से अधिक तक लगा रहता है। इससे कॉलेज की सुरक्षा को लेकर भी खतरा रहेगा। इसके लिए कलेक्टर को यहां पटाखा बाजार लगाने को लेकर आपत्ति जताई है। इधर एसडीएम सीएल चनाप का कहना है यदि प्राचार्य द्वारा कलेक्टर साहब को कोई आवेदन दिया होगा तो इसकी जानकारी मुझे नहीं है। वैसे हमारे द्वारा कॉलेज ग्राउंड पर ही पटाखा बाजार लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है।

# आकस्मिक परिस्थितियों में वरिष्ठ स्वयं सेवक इबरार कुरैशी ने किया रक्तदान

जेएच ई न्यूज, बैतूल। रविवार को जिला चिकित्सालय बैतूल में आकस्मिक रूप से धनोरा निवासी शिवप्यारी मालवीय के ऑपरेशन होने पर उन्हें ए पॉजीटिव रक्त की जरूरत पड़ने पर नगर के सेवाभावी युवा व राष्ट्रीय एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित इबरार कुरैशी द्वारा जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया।

इस अवसर पर पवन नारायण साहू, पवन कुमार यादव, ललित तायवाड़े व ब्लड बैंक के तकनीशियन स्टॉफ उपस्थित थ।।



### बाल विवाह पर ऑन लाईन भाषण प्रतियोगिता आज

बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल, यूनिसेफ, [illegible] द्वारा संयुक्त रूप से प्राचार्य विजेता चौबे के संरक्षण में [illegible] के जिला संयोजक डॉ. सुखदेव डोंगरे [illegible] बाल विवाह [illegible] 16 नवम्बर से 22 तक आयोजित किया जा रहा है [illegible]

# जेएच कॉलेज में विश्व एड्स दिवस वेबिनार द्वारा संपन्न

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में पुलिस चिकित्सालय बैतूल के डॉ. पंजाबराव सोनारे, जिला एवं सत्र न्यायाधीश निवृतमान किसना अतुलकर, वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. प्रदीप सिंह राव, एनएसएस के जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में तथा 50 एनएसएस स्वयंसेवक की उपस्थिति में विश्व एड्स दिवस पर वेबिनार जूम मीटिंग ऑनलाइन आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. पीआर सोनारे ने कहा संयमित यौन संबंध ही बचाव का प्रमुख उपाए हैं। किसना अतुलकर ने कहा भारतीय कानून मात्र से बचाव संभव नहीं है। एड्स पूर्व संयमित जीवन, दूरी बनाकर रहना ही बचाव का मुख्य साधन है। डॉ. प्रदीप सिंह राव ने कहा युवा पीढ़ी सर्वाधिक इस महामारी से प्रभावित हैं। इसलिए युवा जागृति से ही नियंत्रण संभव है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा कि सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया और विद्यार्थी से आव्हान किया कि वेबिनार में एड्स बचाव उपाय पर जनजागृति फैलाएं।

विश्व एड्स दिवस को सफल बनाने में संजय ढाके, रिया डिडोरे, वर्षा राजत, कीर्ति झरबड़े, प्रो. राजकुमार चौकीकर, मुकेश कवडेले, योगेश पहाड़े, सरिता चौटेले और अजय विश्वकर्मा घोड़ाडोंगरी महाविद्यालय को कार्यक्रम अधिकारी यास्मिन जिया ने सक्रिय योगदान दिया।

# जेएच कॉलेज में मनाया संविधान दिवस

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान डॉ. प्रवीण सिंह राव, डॉ. सुखदेव डोंगरे जिला संगठक रासेयो डॉ. अनिता सोनी, डॉ. रमाकांत जोशी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रणति डोंगरे, प्रो. मुकुल चन्देल, श्री खुशीलाल मोही की उपस्थिति में संविधान की उद्देशिका का वाचन एवं शपथ ग्रहण का आयोजन हुआ। मंच संचालन स्वयं सेवक संजय उईके ने किया एवं धन्यवाद प्रदर्शन ललित वायवाड़े ने माना। डॉ. प्रदीप सिंह राव ने कहा विश्व का सबसे बड़ा लिखित



संविधान भारत का संविधान है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा कि विश्व का सबसे श्रेष्ठ संविधान भारत का है। डॉ. अनिता सोनी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर ने महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाया। प्रो. मुकुंद चंदेल ने कहा भारत के सभी नागरिकों को समानता, सम्मान, प्रतिष्ठा का अधिकार बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से दिलाया। डॉ. रमाकांत जोशी ने कहा बाबा साहेब अम्बेडकर ने स्वतंत्र भारत के संविधान की रचना कर उपकार किया है। डॉ. प्रणति डोंगरे कार्यक्रम अधिकारी रासेयो ने कहा हमें संविधान की पुस्तक हर घर में रखना चाहिए। उपरोक्त के अलावा स्वयंसेवकों ने भी भारत के संविधान के विषय में अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. [illegible] [illegible], प्रो. [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] उइके, [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], संजय [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], अभिषेक [illegible] आदि उपस्थित थे।

# एक बार फिर यूजी, पीजी और बीएड में एडमिशन का मौका, 30 से रजिस्ट्रेशन

## कॉलेजों में 50 प्रतिशत छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में शुरू होंगी क्लासें

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कॉलेजों में यूजी फर्स्ट ईयर, पीजी फर्स्ट सेमेस्टर में एडमिशन के लिए एक बार फिर 30 और 31 दिसंबर तक



रजिस्ट्रेशन किए जा सकेंगे। 5 जनवरी तक एडमिशन प्रक्रिया चलेगी। बीएड, बीपीएड सहित एनसीटीई के सभी पाठ्यक्रमों की कक्षाओं में एडमिशन के लिए 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन किए जा सकेंगे। 12 जनवरी तक एडमिशन प्रक्रिया पूरी होगी। उच्च शिक्षा विभाग के ओएसडी डॉ. धीरेंद्र शुक्ल ने बताया कोरोना के कारण वंचित स्टूडेंट्स को एक और अवसर देने उच्च शिक्षा विभाग ने नया शेड्यूल जारी किया है।

जिससे अधिक से अधिक संख्या में कॉलेजों में उपलब्ध खाली सीटों पर एडमिशन ले सकेंगे। स्टूडेंट्स नए रजिस्ट्रेशन करवाकर कॉलेज पहुंचकर एडमिशन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

**छात्रों और पालकों को देना होगा सहमति पत्र:** कोरोना के कारण कॉलेज में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति स्वैच्छिक होगी। कॉलेज में कक्षाएं लगाने के लिए छात्र-छात्राओं को घोषणा पत्र तथा माता-पिता की लिखित सहमति देना होगा। इसके बाद भी कक्षाओं में बैठाया जाएगा। छात्र-छात्राओं को अलग-अलग तिथियों में बुलाना होगा।

### यह रखना होगा इंतजाम

कॉलेज परिसर के बाहर छात्र-छात्राओं की स्क्रीनिंग होगी, मास्क पहनकर की छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। महाविद्यालय परिसर में छात्रों के बीच छह फीट की दूरी रखना जरूरी है। कॉलेज में प्राध्यापक, छात्र और कर्मचारियों की नियमित रुप में जांच होगी। कंटेनमेंट जोन में निवासरत छात्र-छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारियों को कॉलेज में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

### निर्देश दिए हैं

*कॉलेज में एक जनवरी से प्रैक्टिकल कक्षाएं, 10 से यूजी अंतिम वर्ष तथा पीजी तृतीय सेमेस्टर तथा 20 से सभी कक्षाएं खोलने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला स्तर की क्राइसिस मैनेजमेंट समिति से अनुशंसा लेना होगा। इसके लिए सोमवार को सभी कॉलेज प्राचार्यों की बैठक बुलवाकर निर्देश दिए गए हैं। कॉलेज में कक्षाओं का संचालन करने का प्लान भी तैयार किया जा रहा है।*

***डॉ. विजेता चौबे, प्राचार्य***

### कक्षाओं में आने के लिए छात्र-छात्राओं को देना होगा घोषणा पत्र

[illegible] कॉलेज ओपन हो जाएंगे। एक जनवरी से प्रैक्टिकल कक्षाएं शुरू होंगी। 10 जनवरी से यूजी अंतिम [illegible] कक्षाएं शुरू होंगी। 20 जनवरी से सभी क्लासें लगना शुरू हो जाएंगी। इसके लिए [illegible] की अनुशंसा लेना होगा। कक्षाओं का संचालन 50 प्रतिशत छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में किया जाएगा। [illegible] करते हुए कक्षाओं का संचालन होगा। नियमित कक्षाओं के साथ ऑनलाइन कक्षाएं भी [illegible] छात्र और पालकों का सहमति पत्र लेना अनिवार्य होगा। सहमति पत्र के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। [illegible] नियमित संचालित करने के निर्देश मिलते ही जिले के कॉलेजों में भी तैयारियां शुरू हो गई है। [illegible] के कॉलेजों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर कक्षाओं के संचालन की जानकारी [illegible] कक्षाओं का संचालन किस तरह से होगा इसके लिए जेएच कॉलेज में प्लान तैयार किया जा रहा है। [illegible] अनुसार छात्र-छात्राओं को बुलाया जाएगा।

### हर कॉलेज में बाल संरक्षण क्लब का होगा गठन

**बैतूल।** जेएच कालेज बैतूल में उच्च शिक्षा विभाग एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के आदेश के परिपालन में यूनिसेफ, आवाज मध्यप्रदेश एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में रासेयो के 75 स्वयंसेवकों की सहभागिता में बाल संरक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई। मुख्य प्रशिक्षक आवाज मध्यप्रदेश भोपाल से प्रशांत दुबे ने बाल श्रम, कानून, बाल विवाह कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गौरव महाले एवं आसमा खान प्रशिक्षक द्वारा युवा एवं रासेयो स्वयंसेवक बाल संरक्षण कैसा प्लान करें, सोशल मीडिया पर कैंपेनिंग और जागरूकता अभियान कैसे चलाएं इस बारे में प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि डॉ. अनंत सक्सेना ने कहा कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेवक मिलकर बाल संरक्षण क्लब का सभी महाविद्यालयों में गठन कर कार्य योजना बनाकर कार्य करेंगे।

डॉ. विजेता चौबे ने कहा बच्चे रोड पर भीख मांगते दिखते हैं, उन्हें रोकने के लिए हमें कार्य करना चाहिए। डॉ. प्रवीण सिंह राव ने कहा बच्चों का संरक्षण माता-पिता का प्रथम दायित्व है। बाद में समाज और सरकार जिम्मेदारी का निर्वहन करें। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह परिहार ने कहा एनएसएस के स्वयं सेवक बाल संरक्षण पर कार्य कर रही सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करें।

डॉ. सुखदेव डोंगरे ने दो दिवसीय बाल संरक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित हुए सभी अतिथियों, प्राचार्य, प्रशिक्षक प्रशांत दुबे, गौरव महाले एवं आसमा खान का प्रशिक्षण देने पर आभार प्रकट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रवीण परिहार, डॉ. जास्मीन खान, सोमचंद साहू, संजय उइके, अंजली सोनारे, दीपाली पांडे, ललित वायवाड़े का सक्रिय योगदान रहा।

# कॉलेजों में स्नातक सीएलसी चतुर्थ चरण में 5 नवंबर से शुरू होगा प्रवेश

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कॉलेजों में स्नातक प्रथम वर्ष और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के लिए सीएलसी के चतुर्थ चरण में 5 से 10 नवंबर तक किए जाएंगे। इसीलिए छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन जिन विषयों की सीट रिक्त रहेगी। उसमें सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक विभाग में सीएल का फार्म जमा करना होगा। जिन विभागों की सीट रिक्त होगी, उसकी जानकारी उस विभाग की समितियों से प्राप्त होगी। जेएच कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया विभाग द्वारा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे मैरिट सूची जारी की जाएगी। ऑनलाइन प्रवेश शुल्क का भुगतान दोपहर 3 बजे से रात 12 बजे तक करना होगा। उन्होंने बताया विद्यार्थियों का नाम प्रवेश सूची में नहीं आया, तो प्रतिदिन नया सीएलसी का फार्म जिस विषय में प्रवेश लेना चाहते हैं, उस विभाग में अनिवार्य रूप से दिनांक एवं समय का विशेष रूप से ध्यान रखते हुए जमा करना होगा।

# प्रवेश प्रक्रिया: पीजी में 65 सीटों पर आए 1162 आवेदन, आज फुल हो जाएंगी सीटें

## प्रवेश लेने के लिए जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर कॉलेज में पहुंची छात्र-छात्राओं की भीड़

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कॉलेजों में प्रवेश के लिए सीएलसी के चौथे चरण के दूसरे दिन भी छात्र-छात्राओं की कतारें लगी रहीं। जेएच कॉलेज में पीजी की बची हुई 65 सीटों पर प्रवेश के लिए सबसे अधिक जद्दोजहद है। इन सीटों के लिए 1162 विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। एडमिशन मैरिट के आधार पर ही मिलेगा। इन सीटों पर मैरिट सूची बनाकर दोपहर तीन बजे कॉलेज के गेट पर चस्पा कर दी गई। आज पीजी की पूरी सीटें भरने का अनुमान है। एमएससी जुलॉजी, बाटनी, केमेस्ट्री, एमए हिंदी, हिस्ट्री की कक्षाओं में आए सबसे अधिक आवेदन। जेएच कॉलेज में शुक्रवार को पीजी की 65 तथा यूजी की 220 सीटों के लिए दोपहर एक बजे तक आवेदन फार्म जमा हुए। यूजी की 220 सीटों पर 267 आवेदन जमा हुए, जबकि पीजी की 65 सीटों पर 1162 छात्र-छात्राओं ने आवेदन जमा किए। परीक्षा प्रभारी बीआर खातरकर ने बताया दोपहर एक बजे के आवेदन फार्म लिए गए। इसके बाद संबंधित विभाग द्वारा मैरिट सूची बनाकर कॉलेज के गेट पर चस्पा कर दी गई। एमएससी जुलॉजी, बाटनी, केमेस्ट्री, एमए हिंदी, हिस्ट्री की कक्षाओं में सबसे अधिक आवेदन आए हैं। मैरिट सूची के बाद रात 12 बजे ऑनलाइन फीस भरकर छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकते हैं। शनिवार को कॉलेज में सीटों की स्थिति क्लियर हो जाएगी।

### एमएससी बॉटनी में 1 सीट के लिए आए 126 आवेदन

जेएच कॉलेज में एमएससी बाटनी में बची 1 सीट के लिए शुक्रवार को 126 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किए थे। यहीं केमेस्ट्री में भी 1 सीट के लिए 102 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 1 छात्र को प्रवेश मिल जाएगा। इसी जुलॉजी में भी केवल चार सीटों में प्रवेश के लिए 153 आवेदन आए हैं। इसी शहर के कन्या कॉलेज में सीटें खाली हैं। दूसरे दिन कम संख्या में छात्राएं प्रवेश के लिए पहुंचीं। डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कॉलेज में बीए में 12 तथा एमए सोशल वर्क विषय में केवल एक छात्रा ने ही एडमिशन लिया। उन्होंने बताया 30 नवंबर तक सीएलसी के चौथे चरण की प्रक्रिया में पूरी सीटें भर जाएंगी।

## पीजी में हिंदी, संस्कृत, इतिहास में मिला छात्र-छात्राओं को प्रवेश

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को अंतिम दिन है। सोमवार को जेएच कॉलेज में पीजी के हिंदी, संस्कृत, इतिहास तथा अर्थशास्त्र में सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी आवेदन लेकर पहुंचे। मैरिट सूची बनाकर कॉलेज के गेट पर चस्पा कर दी। रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा होने के बाद प्रवेश लिया जा सकेगा। जेएच कॉलेज में पीजी में आवेदन की स्थिति को देखते हुए सीटें बढ़ाई जा सकती हैं। कॉलेजों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के बाद ऑफलाइन प्रवेश भी हुए। जिले भर के कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए छात्र-छात्राएं जद्दोजहद कर रहे हैं। सबसे अधिक जेएच कॉलेज में आवेदन फार्म की संख्या है। यहां पर प्रवेश के लिए चार गुना छात्र-छात्राएं आवेदन दे रहे हैं। सोमवार को जेएच में पीजी के हिंदी, संस्कृत, अर्थशास्त्र तथा इतिहास विषय तथा यूजी में बीकॉम प्लेन, बीकॉम कम्प्यूटर, बीएससी में सीटों पर प्रवेश हुए। इन सीटों पर दोगुने आवेदन प्राप्त हुए। प्रवेश प्रभारी डॉ. बीआर खातरकर ने बताया दोपहर तीन बजे इन विषयों की मैरिट सूची बनाकर कॉलेज में चस्पा कर दी। रात 12 बजे तक फीस जमा करने के बाद मंगलवार को कॉलेज में सीटों की स्थिति क्लियर होगी। जेएच कॉलेज में बढ़ सकती हैं पीजी में सीटें। जेएच कॉलेज में पीजी में प्रवेश के लिए आवेदन प्राप्त अधिक आ रहे हैं। वहीं छात्रों द्वारा भी लगातार पीजी में सीटें बढ़ाने की मांग की जा रही है। सोमवार को भी छात्रों ने पीजी में सीटें बढ़ाने की मांग को लेकर प्राचार्य को आवेदन दिया। इसे देखते हुए कॉलेज प्रबंधन ने प्रवेश अधिकारियों से चर्चा कर पीजी में सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव उच्च शिक्षा विभाग को भेजा है। प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया पीजी में सीटें बढ़ाने पर विचार किया है।

### प्रमोशन लिस्ट जारी करने में सक्रिय सहयोग दिया

बैतूल। श्रीमती राधाबाई शारदा आर्ट्स, कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज अमरावती में इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के रूप में डॉ. मीनाक्षी चौबे विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग जेएच कॉलेज पीजी बैतूल को आमंत्रित किया गया।

डॉ. मीनाक्षी चौबे द्वारा एसोसिएट प्रोफेसर प्रमोशन लिस्ट जारी करने में सक्रिय सहयोग दिया।

## सीएलसी चतुर्थ चरण के अंतर्गत पंजीयन 9 नवम्बर तक

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के अंतर्गत ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रक्रिया के सीएलसी चतुर्थ चरण में स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश से वंचित अभ्यर्थियों के लिये पंजीयन/त्रुटि सुधार एवं सत्यापन की सुविधा 9 नवम्बर 2020 तक उपलब्ध रहेगी। सीएलसी चतुर्थ चरण में आवेदक एक से अधिक महाविद्यालयों में प्रवेश के लिये निर्धारित प्रपत्र के साथ आवेदन दोपहर 1 बजे तक प्रस्तुत कर सकेंगे। तत्पश्चात महाविद्यालय संकाय/विषयवार रिक्त सीटों के विरूद्ध गुणानुक्रम के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर अपरान्ह 3 बजे तक चस्पा करेंगे साथ ही रिक्त सीटों के विरूद्ध प्राथमिकता सूची के अनुसार ऑनलाइन फीस हेतु लिंक इनीसिएट करेंगे।

सीएलसी चतुर्थ चरण में अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक महाविद्यालयों के लिये निर्धारित प्रारूप में आवेदन करने पर यदि आवेदक को एक से अधिक महाविद्यालय में वरीयता के आधार पर प्रवेश सूची पर स्थान प्राप्त होता है और किसी भी महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन शुल्क भुगतान हेतु लिंक इनीसिएट कर दी जाती है तथा इसके साथ ही अभ्यर्थी को इच्छुक महाविद्यालय प्राप्त नहीं होता है तो उक्त स्थिति में अभ्यर्थी इच्छुक महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपनी लॉगिन आईडी से केन्सिलेशन ऑप्शन से महाविद्यालय द्वारा इनीसिएट फीस लिंक को केन्सिल कर इच्छुक महाविद्यालय के लिये लिंक इनीसिएट कराकर ऑनलाइन शुल्क का भुगतान कर सकता है।

## अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में कलेक्टर महोदय के आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में प्रो. हेमंत देशपांडे, रासेयो जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, अमित आर्य की उपस्थिति में एवं दल नायक संजय उईके के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में सभी छात्रों को मास्क लगाने का, सोशल डिस्टेंसिंग और दिन में बार-बार हाथ धोना, घर के आसपास सफाई करना के संबंध में अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस मनाते हुए जागरूकता अभियान चलाया। प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने कहा प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना जैसी महामारी से लड़ने के लिए अपने शरीर की प्रतिरोधक क्षमता, आयुर्वेदिक काढ़े का उपयोग व्यायाम एवं योग आदि करना चाहिए।

प्रो. हेमंत देशपांडे ने कहा सोशल डिस्टेंसिंग ही हमें कोरोना वायरस महामारी से बचा सकती है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा महाविद्यालय के छात्रों की जवाबदारी है कि स्वेच्छा से कोरोना वायरस महामारी बचाव के उपाय के लिए जागरूक करना, हमारा कर्तव्य है। लगभग 50 छात्रों को कोरोना महामारी से स्वेच्छिक बचाव के लिए महाविद्यालय परिसर में जानकारी दी।

# विश्व विद्यार्थी दिवस पर रासेयो स्वयं सेवकों ने ली शपथ



डॉ. अंम्बेडकर जी का दाखिला सतारा के प्रतापसिंह भोसले हाईस्कूल में हुआ था। भारत में प्रथम दलित विद्यार्थी को स्कूल में दाखिला मिला था। एक दलित विद्यार्थी डॉ. भीमराव

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** विश्व विद्यार्थी दिवस 7 नवंबर 2020 को जेएच शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के प्राध्यापक डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा बॉयोटेक्नालॉजी विभाग की डॉ. निहारिका भावसार, रासेयो के वरिष्ठ स्वयं सेवक सोमचन्द साहू की उपस्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एवं मास्क लगाकर विद्यार्थियों को भारत के संविधान के अनुसार उच्च शिक्षा ग्रहण करके भारत के विकास, एकता, अखण्डता, संप्रभुता, धर्मनिरपेक्षता, समाजवादी मूल्यों का परिपालन, समता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई। आज के दिवस 7 नवंबर 1900 के दिन ही बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण कर भारतीय जनता पर उपकार किया है। यह का सर्वश्रेष्ठ संविधान भारत का संविधान है। डॉ. निहारिका भावसार ने कहा भारत में लड़कियों को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार भारत के संविधान से मिला है।

सोमचंद साहू ने कहा भारत में पिछड़ी जातियों को शिक्षा ग्रहण करने का अवसर और विकास का अवसर भारत के संविधान के कारण मिला। विद्यार्थी दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में तनु मोहरे, रेणुका साहू, सुनन्दा गुप्ता, सारदा अमोदे, निकी खातरकर, पल्लवी पाटिल, माधुरी खातरे ने सक्रिय सहयोग दिया।

# ऑनलाइन पढ़ाईः ऑनलाइन क्लास में पहले दिन जुड़े 20% छात्र

## कॉलेजों में शुरू हुई पढ़ाई, बीए प्रथम वर्ष के आधार पाठयक्रम की लगी कक्षा

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कॉलेज के छात्र-छात्राओं की पढ़ाई कोरोना महामारी के कारण प्रभावित ना हो, इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने एक अक्टूबर से सभी कॉलेजों में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करवा दी है। पहले दिन सुबह साढ़े 11 से शाम साढ़े 4 बजे तक पांच घंटे तक विषयवार पढ़ाई करवाई। हालांकि पहले दिन महज 20 प्रतिशत बच्चे ही क्लासों में जुड़ सके। अधिकांश बच्चों को जानकारी का अभाव तथा मोबाइल की समस्या सामने आई है।

शहर के जेएच कॉलेज, सरकारी कॉलेज सहित प्राइवेट कॉलेजों में ऑनलाइन क्लासों को लेकर पूर्व तैयारियां थी। छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर लिंक भेज दी थी। इस कारण अधिकांश छात्र-छात्राएं टाइम टेबल के अनुसार ऑनलाइन क्लास में जुड़ गए थे। कन्या कॉलेज के प्रो. आशीष गुप्ता ने बताया कॉलेज में लगभग 1300 छात्राएं हैं।

इन छात्राओं को पहले से ही लिंक भेज दी थी, वहीं डैमो भी लिया था। इस कारण सुबह साढ़े 11 बजे से शुरू हुई क्लास में छात्राएं जुड़ना शुरू हो गई थीं। हर क्लास में 30 से 35 छात्राएं जुड़ गई थीं। उन्होंने बताया पहले दिन लगभग 20 प्रतिशत छात्राएं ही जुड़ सकीं।

उन्होंने बताया ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली छात्राओं को भी जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इधर जेएच कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया डेमो होने के कारण ऑनलाइन क्लास शुरू होते ही छात्र-छात्राएं जुड़ना शुरू हो गए थे। जिले के अन्य कॉलेजों में भी ऑनलाइन क्लास में कम ही बच्चे जुड़ पाए।

### पीपीटी से करवाई पढ़ाई

ऑनलाइन क्लासों में पढ़ाई करवाने के लिए प्राध्यापकों ने पीपीटी तैयार कर ली थी। वहीं सिलेबस भी छात्र-छात्राओं के मोबाइल पर डाल दिया था। पीपीटी के माध्यम से मोबाइल और लैपटॉप से पढ़ाई करवाई। कॉलेज सभी छात्र-छात्राओं को जोड़ने के प्रयास कर रहे हैं। चार से पांच दिनों में ऑनलाइन क्लासों में छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ने का अनुमान है।

## जाह्नवी आहूजा को मिली पीएचडी की उपाधि

**बैतूल।** श्रीमती सुनीता (जाह्नवी) विजय आहूजा को इफेक्ट ऑफ विमिन इन द नॉवेल्स ऑफ रविन्द्रनाथ टैगोर ए स्टडी इन फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव विषय पर शोध उपाधि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। एमएससी, एमए और बीएड कर चुकी श्रीमती आहूजा ने यह पीएचडी जेएच कॉलेज में अंग्रेजी की विभागाध्यक्ष डॉ. मिनाक्षी चौबे के मार्गदर्शन में अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। इनकी इस उपलब्धि पर इष्टमित्रों और परिजनों ने बधाई प्रेषित की है।

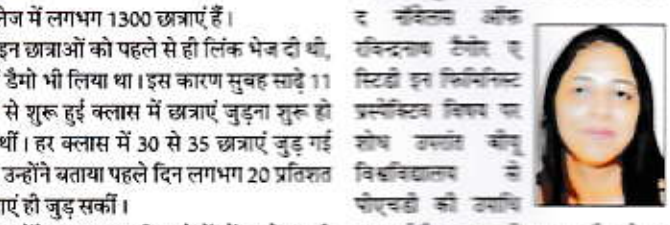

# सरकारी दफ्तरों, कॉलेजों में बढ़ाई जाएगी सैंपलिंग, दो दिनों में 850 सैंपल लिए

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल, दोबारा कोरोना संक्रमण बढ़ने के खतरे को देखते हुए अब स्वास्थ्य विभाग सैंपल बढ़ाएगा। इसके लिए सरकारी कार्यालयों, कॉलेजों सहित अन्य दफ्तरों में कैंप लगाकर ज्यादा सैंपल लिए जाएंगे। दो दिन में जिले में 850 लोगों की रेंडम सैंपलिंग की गई। इन्हें जांच के लिए भोपाल भेजा जाएगा। रेंडम सैंपलिंग से कोरोना मरीज भी सामने आएंगे। गुरुवार को 9 नए पॉजिटिव मिले। जिले में कुल 2970 पॉजिटिव हो चुके हैं। वहीं 13 लोग स्वस्थ हुए। अब तक 2768 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। रिकवरी रेट 93.19 प्रतिशत है। जिला कोरोना नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ राठौर ने बताया शादियों के सीजन के कारण सैंपल बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। इसके लिए जिले के कॉलेज, स्कूल तथा अन्य दफ्तरों में कैंप लगाए जा रहे हैं। कैंप में रेंडम सैंपलिंग की जा रही है। वहीं पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए लोगों की भी सैंपलिंग की जा रही है। उन्होंने बताया जेएच कॉलेज में कैंप लगाकर 146 प्राध्यापकों और कर्मचारियों के सैंपल लिए। शुक्रवार को कॉलेज में छात्र-छात्राओं के सैंपल लिए जाएंगे। उन्होंने बताया यहां पर आरटीपीसीआर टेस्ट किए जा रहे हैं। यह सैंपल भोपाल भेजे जाएंगे। इसके अलावा एंटीजन टेस्ट भी किए जा रहे है। दो दिनों में 850 लोगों के सैंपल लिए।

### छात्रवृत्ति योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 30 नवंबर

**बैतूल।** सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के मूल निवासी अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को भारत में अध्ययन करने के लिए शैक्षणिक सत्र 2020-21 हेतु भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अल्पसंख्यक अंतर्गत छात्र/छात्राओं हेतु भारत सरकार के सहयोग से संचालित प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं मैरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार के पोर्टल पर विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2020 तक बढ़ाई गई है।

# सात स्टेप की शार्ट फिल्म से बताया हाथ धुलाई का तरीका

## जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक महिला-पुरुष इकाई ने विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में मप्र शासन गृह मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल एवं उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के दिशा निर्देशन के परिपालन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक द्वारा अपने-अपने घर में परिवार एवं मोहल्ले के साथ कुछ साथियों के साथ में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एवं मास्क लगाकर हाथ धुलाई कर कर विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया।

रासेयो के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे एवं रासेयो जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के मद्देनजर दिन में एक से अधिक बार 10-20 सेकंड तक साबुन से हाथ धोना और साबुन से हाथ धोने का तरीका कैसा होगा इस पर रासेयो के छात्र एवं छात्राएं अंजलि सोनारे, हिमांशु पाटिल, अक्षय मालवीय, हर्षित जुमड़े, नंदिनी सोनी, मोनिका धुर्वे एवं दिपाली पाण्डे के द्वारा हाथ धुलाई पर शार्ट फिल्म बनाई है। डॉ. विजेता चौबे ने कहा कि एनएसएस के विद्यार्थी कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए न्यूज पेपर एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से सघन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

एनएसएस के जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा सेनेटाइजर का प्रयोग, साबुन एवं पानी न होने की स्थिति में ही करें। अधिक सेनेटाइजर का प्रयोग हानिकारक हो सकता है। इसलिए दिन में कई बार साबुन एवं पानी से हाथ धोना ही महामारी से बचाव का सुदृढ़ तरीका है। कोरोना महामारी में जागरूकता के लिए अंजली सोनारे, संजय उईके, दलनायक सक्रिय कार्य कर रहे हैं।

# जेएच कॉलेज में कॉमन रूम और सात अतिरिक्त कक्ष बनना शुरू

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज में लगातार बढ़ रहे एडमिशन और छात्र संख्या को देखते हुए वर्ल्ड बैंक की मदद से लेबोरेटरी भवन, कॉमन रूम और अतिरिक्त कक्ष बनाने का काम शुरू हुआ है। कॉलेज के पीछे खाली पड़ी जमीन पर हाल ही में नींव लेवल का काम शुरू किया गया है। इस जगह पर 8 करोड़ 40 लाख की लागत से निर्माण कार्य किए जाएंगे।

जिससे कि स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल करने, क्लासरूम में बैठने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो जाएगी। जंतु और वनस्पति विज्ञान की प्रयोगशाला बनेंगी विज्ञान के स्टूडेंट्स के लिए बड़ी प्रयोगशालाएं बनाई जाएगी। जंतु विज्ञान के स्टूडेंट्स के लिए एक प्रयोगशाला और वनस्पति शास्त्र के स्टूडेंट्स के लिए एक बॉटनी प्रयोगशाला बनाई जाएगी। इससे स्टूडेंट्स सही ढंग से प्रैक्टिकल कर सकेंगे।

इसी के साथ छात्राओं के लिए एक कॉमन गर्ल्स हॉल बनाया जाएगा सभी विषयों और सेक्शनों में स्टूडेंट्स के एडमिशन बढ़ रहे हैं इसे देखते हुए 7 अतिरिक्त क्लास रूम भी बनाए जा रहे हैं। विश्व बैंक ने मप्र उच्च शिक्षा को कॉलेजों में सुविधाएं बढ़ाने के लिए बजट लोन के रूप में दिया है। इसी राशि से जेएच कॉलेज में ग्राउंड से सटे हुए हिस्से में भी निर्माण कार्य शुरू किए हैं। जिससे कि कॉलेज के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर किया जा सके और स्टूडेंट्स के लिए बैठक व्यवस्था भी पर्याप्त की जा सके।

**लगातार बढ़ रही स्टूडेंट्स की संख्या:** 1956 में जेएच कॉलेज का शुभारंभ हार्मोनी हॉल के भवन में हुआ था। चंद स्टूडेंट्स के साथ कॉलेज शुरू हुआ था।

समय के साथ इसमें सैकड़ों और फिर हजारों स्टूडेंट्स हो गए आज यह जिले का सबसे बड़ा कॉलेज बन गया है। स्टूडेंट्स की संख्या हर साल बढ़ रही है। तीन साल पहले तक केवल चार हजार स्टूडेंट्स पढ़ाई करते थे, आज इस कॉलेज में 7 हजार 5000 स्टूडेंट्स हो चुके हैं।

### निर्माण किया जा रहा है

*जेएच कॉलेज परिसर में वर्ल्ड बैंक की मदद से निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इसका काम हाल ही में शुरू हुआ है। इससे स्टूडेंट्स को क्लासरूम और प्रयोगशाला की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।*

**- विजेता चौबे, प्राचार्य**

### कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों के छायाचित्र

# 36 कैडेट्स को एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

**बालिका विंग का उक्त परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत सफल रहा**

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में 5-एमपी बालिका बटालियन होशंगाबाद की ओर से प्राचार्य डॉ. विनेता चौबे, लेफ्टिनेंट डॉ. कमलेश अहिरवार एवं होशंगाबाद एनसीसी बटालियन के पीआई स्टॉफ जोगिन्दर सिंह द्वारा सत्र 2019-20 के 36 कैडेट्स को एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जेएच कॉलेज बैतूल की बालिका विंग का उक्त परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत सफल रहा। कॉलेज की कैडेट नीलू राने ने समस्त एनसीसी कैडेट्स बटालियन होशंगाबाद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार समस्त कैडेट्स में सीनियर विंग (बालिका) में रविना यादव को बेस्ट कैडेट्स से सम्मानित किया गया। जेएच महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रदीप सिंह ठाकुर, प्रो. हेमंत देशपाण्डे, डॉ. अनिता सोनी, डॉ. धमेन्द्र कुमार, डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. खुशाल देवघरे द्वारा डॉ. कमलेश अहिरवार, नीलू राने एवं रविना यादव को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। सीनियर अंडर ऑफिसर संगीता कुमरे, सोनी धुर्वे, चंदा चौहान, दीप्ती नान्दुरकर, अंकिता आर्य, सहित कुल 36 कैडेट्स को एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

क्रीड़ा अधिकारी सुश्री निलिमा पीटर फिट इंडिया मूवमेंट में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए।

पेडिएट्रिक कैंसर वेबिनार में डॉ. निहारिका भावसार जेएच कॉलेज बैतूल द्वारा सहभागिता की गई।

# जेएच कॉलेज में फिट इंडिया कैंपनिंग का आयोजन

जेएच ई न्यूज, बैतूल। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग वल्लभभवन भोपाल के आदेश के परिपालन में जेएच कॉलेज के एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थियों द्वारा फिट इंडिया कैंपनिंग के तहत साइकिल रैली का आयोजन प्राचार्य डॉ. विनेता चौबे के मार्गदर्शन में क्रीड़ा अधिकारी सुश्री निलिमा पीटर के नेतृत्व में जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गोपाल साहू, डॉ. प्रतिभा चौरे, डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. खुशाल देवघरे, प्रो. मनोज सोनी, कोमल वाईके, दुर्गेश कुमरे, तनु मोहबे, संजय उइके, अंकिता सोनारे, ललित बामनकर एवं अन्य 60 विद्यार्थियों ने फिट इंडिया कैंपनिंग में सहभागिता की। साइकिल रैली बैतूल शहर के विभिन्न मार्गों से निकली। छात्रों द्वारा नारे भी लगाए गए।

**बैतूल। जेएच कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष बायोटेक्नालॉजी के विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी कराते हुए डॉ. निहारिका भावसार, प्रो. राजकुमार चौकीकर एवं प्रीति मालवे।**

डॉ. निहारिका भावसार जेएच कॉलेज बैतूल को लायंस क्लब की ओर से बेस्ट क्लब सेक्रेटरी अवार्ड से नवाजा गया।

बैतूल। म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल द्वारा आयोजित वेबिनार में सहभागिता करते हुए डॉ. अल्का पांडे, प्रो. अर्चना सोनारे एवं डॉ. सुखदेव डोंगरे।

# द्वितीय यूथ क्लाइमेट में विद्यार्थियों ने की सहभागिता

**बैतूल।** पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन अरेरा कॉलोनी भोपाल द्वारा आयोजित द्वितीय यूथ क्लाइमेट क्लान्क्लेव में ईको क्लब के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। जिसमें शार्ट वीडियो कान्टेस्ट में प्रथम कु. मोरेश्वरी ओमकार, कु. पायल मालवीय रहे। ब्लॉग कान्टेस्ट में कु. सुनीता सलामे और फोटोग्राफी में अक्षय मालवीय प्रथम रहे।

# कॅरियर ऑप्शन एण्ड अपार्च्यूनिटी में दिया व्याख्यान

जेएच कॉलेज बैतूल की डॉ. निहारिका भावसार द्वारा रोटरी क्लब ऑफ नागदा द्वारा आयोजित सेमिनार कॅरियर ऑप्शन एण्ड अपार्च्यूनिटी में 25 नवंबर 2020 को अपना व्याख्यान देकर विद्यार्थियों एवं युवाओं को कॅरियर से संबंधित अपार्च्यूनिटी एवं ऑप्शन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा किस प्रकार से उद्योग स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। डॉ. निहारिका भावसार को इस कार्यक्रम की सहभागिता के लिए बॉयोटेक्नालॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुखदेव डोंगरे, प्रो. प्रीति नागले, प्रो. राजकुमार चौकीकर एवं प्रयोगशाला सहायक मुकेश करोले ने शुभकामनाएं दी।

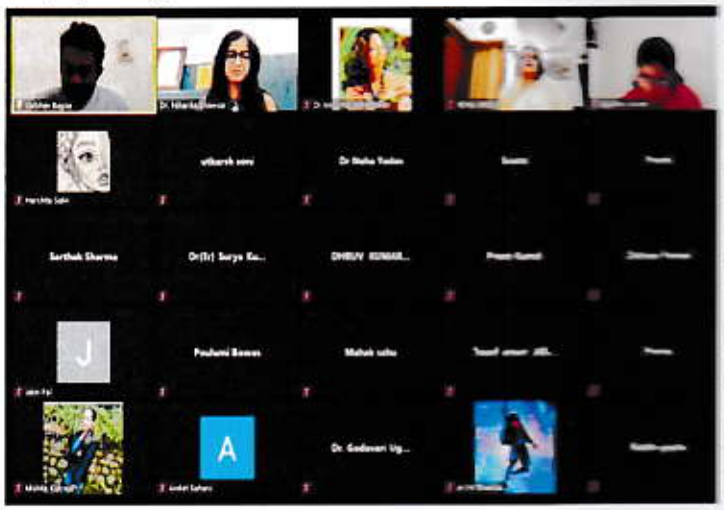

# कोविड-19 टीकाकरण में एनएसएस सहयोग के लिए तैयार

## टीकाकरण में सहयोग करने के लिए होगा विद्यार्थियों का प्रशिक्षण

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल क्षेत्रीय निदेशालय भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल राष्ट्रीय सेवा योजना पत्र दिनांक 13 जनवरी 2021 के अनुसार आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में रासेयो जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे के संयोजन में रासेयो की जिलेभर की 35 इकाई कोविड-19 वेक्सीन टीकाकरण में सामाजिक दूर बनाए रखने में सहयोग करने, जनसमुदाय में जागरूकता फैलाना, टीकाकरण लगवाने में तथा सर्वे करने में जिला प्रशासन के साथ मिलकर पूरा सहयोग के लिए तैयार हैं। माननीय जिला कलेक्टर बैतूल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बैतूल के मार्गदर्शन में जिलेभर के राष्ट्रीय स्वयं सेवक कोविड-19 टीकाकरण में कार्य करने हेतु तैयार हैं। जेएच कालेज एनएसएस के दलनायक संजय उइके, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, नवीन नागले, रिया बिडोंडे, अंजलि सोनारे सहयोग के लिए तत्पर हैं।

# ऑनलाईन क्लास से विषय विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की जा सकती है

## जेएच कॉलेज में प्रेरण कार्यक्रम संपन्न

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए चल रहे दो दिवसीय ऑनलाईन प्रेरण कार्यक्रम के द्वितीय सोपान में डॉ.अल्का पांडे द्वारा व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के कार्य एवं उद्देश्यों के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकोष्ठ के माध्यम से विद्यार्थी विद्या अध्ययन के साथ अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा को निखार सकते हैं। जिससे वे स्वयं के सर्वांगीण विकास के साथ समाज के लिए भी उपयोगी बनते हैं। डॉ.पांडे ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए कॉलेज में ईको क्लब का गठन किया गया है। विराजवर्धन पांडे ने सभी वर्गो के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था तथा बुक बैंक योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि मप्र शासन द्वारा एससी एसटी के विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं स्टेशनरी प्रदान की जाती है जिससे उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों में प्रोत्साहन मिलता है। प्रो.नीरज धाकड़ ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भी विद्यार्थी ऑनलाईन कक्षाओं के माध्यम से अच्छे से अच्छे विषय विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने विभिन्न पोर्टल,



ईपीजी, ई लाईब्रेरी, ई शोध सिंधु, शोध गंगा एवं मप्र सरकार द्वारा डीडी चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रो.ओपी खत्री ने रेमेडियल कक्षाओं के संचालन की जानकारी दी और बताया कि इससे छात्र-छात्राओं को किसी विषय को समझने में कठिनाई है तो उन्हें अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है। प्रो.राकेश शेषकर के द्वारा छात्रवृत्ति से अवगत कराते हुए बताया कि 12वीं में 60 प्रति से अधिक अंक प्राप्त होने पर विद्यार्थी सेंट्रल सेक्टर की छात्रवृत्ति प्राप्त करने के पात्र होते हैं साथ ही निःशक्तजनों के लिए छात्रवृत्ति शुरू की गई है। खेल गतिविधियों की जानकारी सुश्री नीलिमा पोटर ने दी और बताया कि किस तरह खेल से करियर निर्माण किया जा सकता है। छात्रों ने दो दिवसीय कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ.सतीश दुबे ने, संचालन डॉ.अर्चना मिश्रा व संतोष पंवार ने एवं आभार डॉ.अनिता सोनी ने व्यक्त किया।

## जेएच कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों के छायाचित्र

भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 के लिए सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाकर जेएच कॉलेज बैतूल में कार्यक्रम को आयोजित करते हुए।

समाचार
# हॉकसार पाक्षिक
सत्यमेव जयते
Jh. E News
तमसो माँ ज्योतिर्गमय
ज.हा. शास. स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, बैतूल (म.प्र.)
वर्ष - 9 दिनांक 01 जनवरी से 31 मार्च 2021 

# मां जयवंती की दान महिमा अनुकरणीयः डॉ.चौबे

## मां जयवंती की पुण्यतिथि पर जेएच कॉलेज में वार्षिक स्मीरण कार्यक्रम संपन्न

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में महान दानदात्री मां जयवंती की पुण्यतिथि पर वार्षिक स्मरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि यह विचार हमेशा जीवित रहेगा की यह महाविद्यालय मां जयवंती के द्वारा दान में दिया गया है और हर प्राध्यापक अपने समर्पण भाव के साथ यह मानता है कि यदि मां जयवंती द्वारा ये दान नहीं दिया होता तो यह महाविद्यालय किसी छोटे से स्थान पर संचालित होता। उनकी पुण्यतिथि पर दानराशि के



ब्याज से तीन विषयों में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं छात्रवृत्ति विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। जो कक्षा 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्नातक के तीन वर्षो में प्रदाय की जाती है। प्राध्यापक डॉ.प्रदीप सिंह राव ने मां जयंवती के जीवन वृत्त और दान महिमा के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाविद्यालय परिवार उनके आदर्शों और दान-पुण्य को हमेशा याद करेगा।

कार्यक्रम में कॉलेज स्टॉफ व सेवानिवृत्त प्राध्यापकों द्वारा मां जयवंती की प्रतिमा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके पश्चात प्राचार्या एवं संबंधित विषय के प्राध्यापकों द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। जिसमें वर्ष 2019 हेतु जयवंती छात्रवृत्ति धनराज गोहिते (बीए तृतीय वर्ष संस्कृत) एवं उमेश (बीएससी तृतीय वर्ष भौतिक) वर्ष 2020 के लिए जयवंती छात्रवृत्ति अल्का इरपाची (बीए द्वितीय वर्ष संस्कृत), मुस्कान शर्मा बीकाम द्वतीय वर्ष , देवेन्द्र साहू





बीएससी द्वितीय वर्ष भौतिक, वर्ष 2021 के लिए राजा कास्दे बीए प्रथम वर्ष संस्कृत, प्रतिभा पारधे बीकॉम प्लेन प्रथम वर्ष वाणिज्य, आयुश बीएससी प्रथम वर्ष भौतिक को प्रदान की गई। डॉ.चौबे ने सभी से आव्हान किया की हमें मां जयवंती की इस दान की महान परंपरा को बढ़ाना चाहिए। इसी श्रंखला में लाईब्रेरियन विराज पांडे द्वारा प्रतिवर्ष 11 हजार, डॉ.अल्का पांडे ने एक लाख रूपए और वाणिज्य विभाग के कम्प्यूटर आपरेटर सुदर्शन महाते द्वारा प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए की प्रतिवर्ष प्रतिभावान व निर्धन विद्यार्थियों को देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मीना डोनीवाल व डॉ.अल्का पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो.एमके मेहता, प्रो.ए.कदवाने पर उपस्थित रहे।

# पुलवामा में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने एनसीसी बटालियन ने निकाली रैली

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल के एनसीसी के तत्वावधान में होशंगाबाद बटालियन के अंतर्गत आने वाले महिला एवं पुरूष इकाई के संयुक्त रूप से कारगिल चौक सदर बैतूल में रैली के रूप में नारे लगाते हुए पहुंचें जहां उन्होंने प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में शहीद स्तंभ पर मोमबत्ती प्रज्जवलित एवं पुण्यतिथि अर्पित की और पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजली अर्पित की। इस मौके पर लेफ्टिनेंट डॉ.कमलेश अहिरवार ने कहा कि पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद जवानों को आज हम ह्रदय की गहराईयों से श्रद्धांजली देते है। लेफ्टिनेंट डॉ.खुशाल देवधरे ने कहा कि सीमा पर तैनात जवानों के कारण हमारा देश सुरक्षित है।

इस अवसर पर सीनियर अंडर आफिसर विजय कुमार यादव, कुंती कहार, सोनिका नहारे, अमृता पंवार, समीक्षा सिसोदिया, दीपिका नहारे, शीतल यादव, नैनी पाटिल, काजल वांमे, ईशा बारस्कर, आयुश सूर्यवंशी, अंकित यादव, चन्द्रकुमार, आशीष यादव, अजय सहित 109 एनसीसी कैडेट्स मौजूद थे।

**छात्रों को मिलेगी इंटरनेट की सुविधा**

# ई-लाइब्रेरी में ऑनलाइन पढ़ेंगे कॉलेज स्टूडेंट्स

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जिले के सबसे बड़े जयवंती हॉकसर शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में छात्रों को अब आधुनिक शिक्षा की कोई कमी नहीं रहेगी। अत्यधिक डिजिटल लाइब्रेरी में अब छात्र-छात्राओं को महानगर की तर्ज पर शिक्षा दी जा सकेगी।



जेएच कॉलेज में एजुकेशन के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई का मौका मिलेगी। 100 कंप्यूटरों वाली ई-लाइब्रेरी इस साल शुरू हो जाएगी। ई-लाइब्रेरी के प्रोजेक्ट को 2012 में मंजूरी मिलेगी थी। लेकिन बाद में बजट नहीं मिलने के कारण काम रूक गया था। ई-लाइब्रेरी के काम को फाइनल टच देने के लिए 72 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। स्वीकृति के बाद पीडब्लयूडी ने टेंडर निकालकर ठेका दिया। ठेकेदार ने लाइब्रेरी में काम शुरू कर दिया है, जो इस साल पूरा हो जाएगा। इसके बाद छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए कॉलेज में ही काफी अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

■ प्राचार्य - डॉ. विजेता चौबे ■ संपादक - डॉ. सुखदेव डोंगरे ■ सह संपादक - डॉ. गोपाल साहू ■ डॉ. मनोहर गावंडे

संपादकीय

# मॉडल शिक्षा से ही निकलेगा शैक्षिक लॉकडाउन का हल

डॉ. सुखदेव डोंगरे
संपादक

आज समूचा विश्व कोरोना वायरस की चपेट में है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी लॉकडाउन जैसे हालातों से जूझ रही है। वैश्विक आबदी धीरे-धीरे आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रही है। शैक्षिक क्षेत्र की तालाबंदी भी एक नहती मुसीबत पैदा होने का आभास करा रही है। पहले से ही संसाधन की भारी कमी झेल रहे एजुकेशन सेक्टर को अब इससे दोहरी मार झेलनी होगी। कोरोना के संकट के चलते देश भर के शैक्षिक संस्थानों को अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया है। इससे लाखो छात्रों के पठन-पाठन में बाधा पैदा हुई है। इस अकल्पनीय स्वास्थ्य आपदा ने शिक्षा प्रणाली के ढांचे को चरमरा कर रख दिया है। प्रभाव इतना गहरा है कि कई राज्यों में उच्च शिक्षा सहित मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की कक्षाएं बंद कर दी गई हैं। उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं बाल विकास कार्यक्रमों के तहत दी जाने वाली सभी प्रकार की कक्षाएं रद्द की जा चुकी हैं। अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र भी पूरी तरह से लॉकडाउन की मार झेल रहा है। कमोबेश यही हाल उच्च शिक्षा केंद्रों का भी है। करीब 38,500 कॉलेज और 760 विश्वविद्यालयों पर तालाबंदी से उच्च शिक्षा पूरी तरह से प्रभावित होगी। वहीं लाखों निजी कोचिंग सेंटर इसके प्रभाव की जद में हैं। देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन प्र या ठप है। छात्रावासों के खाली होने और उसके चलते छात्रों के घर लौट जाने से नियत समय पर होने वाली उनकी परीक्षाएं अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार एशिया और यूरोप के देशों में करीब पांच लाख भारतीय छात्र अध्ययनरत हैं। अकेले चीन के विभिन्न विश्वविद्यालयों में हजार से भी ज्यादा छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। इसी तरह से इटली में करीब एक हजार, ईरान में 1,500 और स्पेन में 200, जबकि अमेरिका में एक लाख 86 हजार भारतीय छात्र अध्ययनरत हैं। बढ़ते खतरे को देखते हुए कोरोना प्रभावित इन देशों से भारी संख्या में छात्र स्वदेश लौट आए हैं। इससे परोक्ष रूप से उन्हें शैक्षिक नुकसान झेलना होगा। पाठ्य मो के अनियमित होने, परीक्षा में अकारण देरी, हॉस्टल के बढ़े हुए खर्च और आवागमन के चलते छात्रों के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंच सकता है। भारत जहां पहले से ही शिक्षा में आधारभूत कमियों की भारी कमी झेल रहा है, ऐसे में शैक्षिक लॉकडाउन उसे विपदा में डाल सकती है। स्कूली स्तर पर शिक्षा के प्रभावित होने की बात करें तो भारत अपने 1.50 लाख स्कूलों और 260 लाख छात्रों के साथ चीन के बाद दूसरा सबसे व्यापक शिक्षा हब माना जाता है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने व्यापक पैमाने पर छात्र इस लॉकडाउन से प्रभावित होंगे। निःसंदेह शैक्षिक अव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए तमाम संबंधित संस्थानो, शैक्षिक मानव बलों और सरकारों को मिलकर तेजी से काम करने होंगे। तभी इस रिक्त ता को पाटा जा सकेगा। इस वैश्विक महामारी के गहरे शैक्षिक कुप्रभाव होंगे। इससे निपटने में सभी निकायों को तत्परता दिखानी होगी। मजबूत शैक्षिक संकल्पों से इस दशा से उबरने में मदद मिलेगी, क्योंकि सवाल देश के नौनिहालों की बुनियाद का है। सभ्य समाज की बुनियाद सबल शिक्षा प्रणाली मानी जाती है। समय आ गया है कि शिक्षा के वैकल्पिक साधनों पर नए सिरे से विचार किया जाए और उन्हें पारंपरिक शिक्षा में समावेशी बनाया जाए। मुख्यधारा की शिक्षा से उलट होम बेस्ड, ओपन क्लास रूम और ई-लर्निंग कक्षाओं को वैकल्पिक रूप में इस्तेमाल कर ऐसे संकटकालीन हालातों से निपटा जा सकेगा।

# बच्चे शिक्षित नहीं होंगे तो देश का विकास अवरूद्ध होगा

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज में आवाज संस्था भोपाल के निर्देशन में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में पूर्व प्राचार्या डॉ.उषा द्विवेदी, उपपुलिस अधीक्षक पल्लवी गौर, रासेयो जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, एनसीसी अधिकारी डॉ.कमलेश अहिरवार, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.प्रतिभा चौरे, डॉ. अनिता सोनी की उपस्थिति में बाल संरक्षण, बाल विवाह, बाल मजदूरी विषय पर कार्यशाला संपन्न हुई। इस मौके पर डॉ.उषा द्विवेदी ने कहा कि बाल विवाह ज्यादातर अक्षयतृतीय पर होते हैं जिसे रोकने वाले को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

एनएसएस व एनसीसी के स्वयंसेवकों को इसमें सहयोग करना चाहिए। डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि बाल श्रम के कारण कई बच्चे अध्ययन से वंचित रह जाते हैं और बच्चे शिक्षित नहीं होंगे तो देश का विकास अवरूद्ध होगा। पल्लवी गौर ने भ्रूण हत्या, बाल श्रम एवं बाल विवाह जैसी

कुरूतियों के विषय में कानूनी जानकारी दी। डॉ.अनिता सोनी ने कहा कि पौधों को जिस प्रकार पानी की आवश्यकता होती है वृक्ष बनने के लिए उसी तरह बच्चों को परिपूर्ण होने के लिए शिक्षा की आवश्कता होती है। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े कार्य सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण, बाल विवाह, बाल मजदूरी जैसे मामले को शासन-प्रशासन गंभीरता से ले रहा है परन्तु इसके लिए आमजन को भी जागरूक होना होगा।

कार्यक्रम का संचालन लक्षिता सातपुते ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवक सतीष सलामे, दलनायम संजय उइके, कुंती कहार, दीपिका नारे, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, अंजली मोरले, प्रफुल्ल गंगारे, कविता चाड़बुदे, वर्षा रावत, जयश्री साहू, निधि सुजाने, शीतल बघेल, जुबेर शेख, आकाश अजमेरे, निकिता धुर्वे, पूनम मालवी, संजय नवड़े, ईशा बारस्कर, रविना निरापुरे, खुशबु झाड़े, दीपिका बामने, अभय वामनकर, पवन मालवी आदि मौजूद थे।

# पौधारोण कर संकल्प लें और उसे पूर्ण करें: डॉ.चौबे

## एनएसएस के स्वयंसेवक ने पौधारोपण कर मनाया जन्मदिवस

**जएच इ न्यूज, बतूल।** जएच कालज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक नवीन नागले ने अपना जन्मदिन कॉलेज परिसर में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे, रासेयो संगठक डॉ.सुखदेख डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, प्रतिभा चौरे, प्रो.राजेश शेषकर, गिरधारी मालवीय की उपस्थिति में पौधारोपण कर मनाया। इस मौके पर डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि पौधारोपण कर व उनके वृक्ष बनने तक का संकल्प लें और उसे पूर्ण करें। डॉ.सुखदेव डोंगरे न कहा कि नवीन नागल न अपन अपन जन्मदिवस के अवसर पर पौधारोपण कर नवाचार प्रारंभ किया गया जो की पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में अच्छी पहल है। डॉ.जीपी साहू ने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों की यह एक अच्छी पहल है इससे और भी विद्यार्थी जागरूक होंगे। इस अवसर पर रासेयो दलनायक संजय उइके, दलनायक रिया घिड़ोड़े, दुर्गाप्रसाद मोरले, अनुष्का पंवार, वर्षा रावत, मोनिका लिल्हारे, निधि सुजाने, मयुर डोंगरे, आकाश

उघटे, अकलेश पंवार, सागर माथनकर, रोशनी यादव आदि मौजूद थे।

# जेएच में कोरोना टेस्ट, गर्ल्स कॉलेज में 32 छात्राएं पहुंची

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जिले के कॉलेजों में यूजी अंतिम वर्ष और पीजी चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं सोमवार से नियमित हो गईं। पहले दिन कम संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंचे। जेएच कॉलेज में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति 28 प्रतिशत रही। इसमें साइंस में अधिक तथा आर्टस में कम संख्या में विद्यार्थी पहुंचे। पहले दिन एहतियात के तौर पर छात्र-छात्राओं का कोरोना टेस्ट कराया गया। इधर कन्या कॉलेज में भी होम साइंस की 32 तथा आर्टस में 20 छात्राएं कक्षाओं में पहुंची। वहीं जिले भर के कॉलेजों में भी यही हालात रहे। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर सोमवार से यूजी और पीजी की कक्षाओं को शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसको लेकर कॉलेज प्रबंधन द्वारा पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। उसके अनुसार ही छात्र-छात्राओं का प्रवेश दिए। जेएच कॉलेज में यूजी अंतिम वर्ष और पीजी चतुर्थ सेमेस्टर में कुल 2 हजार 600 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनमें से पहले दिन 28 प्रतिशत ही पहुंचे। सबसे अधिक संख्या साइंस विषय में रही।

आर्टस में संख्या बहुत कम रही। कॉलेज के गेट पर ही पालकों का अनुमति पत्र, मास्क और हाथों को सैनिटाइज करके ही प्रवेश दिया। हालांकि कक्षाएं लगने पहुंचे छात्र-छात्राएं भी पूरी तैयारी से कक्षाओं में आए। समूह बनाकर कक्षाएं लगाई गई, वहीं सोशल डिस्टेंस के साथ बैठाकर पढ़ाई करवाई।

## टेस्ट में सभी निकले निगेटिव

जेएच कॉलेज में कोरोना को लेकर एहतियात बरता गया। कॉलेज में आने वाले छात्र-छात्राओं का रेंडमली टेस्ट कराया गया। इस बीच कोई भी पॉजिटिव नहीं निकला। यहां पर दो शिफ्टों में क्लासेस लगाई गईं। लंबे समय बाद लगी कक्षाओं को कक्षाएं छूटने के बाद सैनिटाइज करवाया गया।

## कन्या कॉलेज में होम साइंस में अधिक

सदर के कन्या कॉलेज में होम साइंस में अधिक छात्राएं मौजूद रहीं। होम साइंस में 63 छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनमें से 32 छात्राएं कक्षाओं में पहुंची, वहीं आर्टस में महज 22 छात्राएं मौजूद रहीं। प्रो. आशीष गुप्ता ने बताया अभिभावकों के अनुमति पत्र देखने के बाद ही छात्राओं को प्रवेश दिया गया। क्लास छूटने के बाद कमरों को सैनिटाइज किया गया।

# होम पार्लियामेंट में शामिल हुए बैतूल के स्वयंसेवक

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2021 में आनलाईन सात लाख से अधिक युवाओं ने विभिन्न 24 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। होम पार्लियामेंट के अंतर्गत एनएसएस के स्वयंसेवकों ने आनलाईन अपने घर से कार्यक्रम को लाईव देखा और सुना। जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे, डॉ.साधना डहरिया, डॉ.हेमंत निरापरे, डॉ.संजय बनकर, प्रो.डीएस भाटिया, डॉ.बबिता राय, डॉ.रश्मि रजा, डॉ.गीता माली, डॉ.ज्योति वर्मा, प्रो.प्रदीप पंढ्राम, डॉ.एलएल राउत, डॉ.संगीता बामने, डॉ.सरोज पाटिल, डॉ.आरएस सोलंकी, डॉ.जगदीश उइके, डॉ.तारा

बारस्कर एवं एनएसएस के स्वयंसेवक संजय उइके, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, नवीन नागले, रिया घिड़ोड़े, कन्हैया अमरूते, वर्मा रावत, कविता वाड़बुदे, लक्षिता सातपुते सहित 180 स्वयंसेवकों ने लाईव कार्यक्रम देखा और सुना। भारत की संसदीय प्रणाली, लोकतंत्र, आत्म निर्भर, फिट इंडिया मुवमेंट, संविधान की उद्देशिका, स्वामी विवेकानंद का जीवन चरित्र के विषय में प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष व शिक्षा मंत्री के व्याख्यान सुने।

# अमेरिकी मीडिया ने विवेकानंद को साइक्लोन हिंदू का नाम दिया था

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज में विवेकानंद जयंती के अवसर पर प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में शपथग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ.चौबे ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भगवा धारण कर पैदल ही पूरे भारत का भ्रमण किया था।

उन्होंने इसकी शुरुआत 31 मई 1893 को मुंबई से की थी। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। विवेकानंद जी का कहना था की जब आप अपने लक्ष्य को तय कर उस पर सीधा आगे बढ़ते हो तो सफलता हासिल होती है नहीं तो केवल थकान ही होती है। शिकागो में दिए गए भाषण के बाद अमेरिकी मीडिया ने उन्हें साइक्लोन हिंदू का नाम दिया था। डॉ.जीपी साहू ने कहा कि शिकागो में दिए भाषण से उन्होंने दुनिया को भारतीय संस्कृति से अवगत कराया। इस अवसर पर कॉलेज स्टॉफ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

# नारी सम्मान में युवाओं की भूमिका पर व्यख्यान संपन्न

## जेएच कॉलेज में मनाइ सुभाष जयंती

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, की उपस्थिति में मनाया गया।

इस मौके पर महिला जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत नारी सम्मान में किशोर एवं युवा वर्ग की भूमिका पर विचार प्रकट किए। प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि नारी के सम्मान से ही घर परिवार समाज और देश का विकास संभव है।

डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने देश की आजादी के परिपेक्ष्य में कहा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा, उनके इसी जज्बे से देश को आजादी मिली। डॉ.सुनिता गढेकर, डॉ.निहारिका भावसार, प्रो.प्रीति नावंगे ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में रासेयो की महिला इकाई की दलनायक रिया घिड़ोड़े, सतीष सलामे, योगेश्वर पहाड़े, ज्योति धोटे, दुर्गेश कुमरे, नवीन नागले, पंकज, तेजस्विनी साहू, गुंजन पाल, दीपिका बामने, संजय उईके, निकिता चरपे आदि मौजूद थे।

# डॉ. चन्द्रशेखर मेश्राम इंटरनेशनल रिसर्च संस्था वासेट के सदस्य बने

## राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुके हैं सौ से अधिक रिसर्च पेपर



**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल के गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ.चन्द्रशेखर मेश्राम को वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साईस इंजीनियरिंग एडं टेक्नोलॉजी (वासेट) फ्रांस के इंटरनेशनल रिसर्च कान्फ्रेंस साईन्टफिक एडं टेक्निकल कमेटी, एडं एडोटेरियल रिव्यु बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह संस्था विश्व के विभिन्न देशों नीदरलैंड, ग्रीस, इंडोनेशिया, थाईलैंड, स्पेन, चीन, जर्मनी, यूएसए, हंगरी, साउथ अफ्रिका, डेनमार्क, क्युबा, तुर्की, मलेशिया, जापान, पुर्तगाल, यूके, आस्ट्रेलिया, कनाडा, रूस, इंडिया, नार्वे, फ्रांस, ब्राजील, इटली, यूएई, सिंगापुर, स्वीडन, आस्ट्रिया, स्वीजरलैंड आदि देशों में साईस इंजीनियरिंग एडं टेक्नोलॉजी विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित करता है एवं जनरल में प्रभावी रिसर्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित करती है। डॉ.चन्द्रशेखर मेश्राम इन देशों में होने वाली कांफ्रेंस में टेक्निकल कमेटी में अपने सुझाव देंगे एवं कमेटी के कार्य को परिपादित करेंगे साथ ही रिसर्च पेपर्स का रिव्यु करेंगे।

डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम साथ ही इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स हांगकांग, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटर साइंस एण्ड इंफारमेंशन टेक्नालॉजी सिंगापुर, ईरोपियन एलाइंस फार इनोवेशनल बेल्जियम, इंटरनेशनल लीनियल एल्जेब्रा सोसायटी इजराइल, साइंस एण्ड इंजीनियरइक्षग इंस्टीट्यूट हांगकांग, मशीन इंटलीजेंस रिसर्च लैब अमेरिका, सोसायटी- इंटलीजेंट सिस्टम, केईएस इंटरनेशनल एसोसिएशन यूनाईटेड किंगडम, द सोसायटी ऑफ डिजिटल इंफरमेंशन एण्ड वायरलेस कम्यूनिकेशन अमेरिका, इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स एण्ड टेक्नालॉजी ऑफ इंफरमेंशन, कंट्रोल एण्ड कम्यूनिकेशन पुर्तगाल, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर डेवलपमेंट एण्ड सस्टेनेब्लिटी जापान, कन्वर्जन इंफरमेंशन सोसायटी के सदस्य भी हैं तथा इंडियन मेथमेटिकल सोसायटी औरंगाबाद एवं त्रिप्टोलॉजी रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया कोलकाता के आजीवन सदस्य हैं। डॉ. मेश्राम के सौ से ज्यादा रिसर्च पेपर्स अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुके हैं एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्रिप्टोग्राफी विषय पर पुस्तक एवं इंवायरलमेंटल फेट एडं हेल्थ, ईकोलॉजिकल क्वासिक्वंसेस पुस्तक का एक अध्याय प्रकाशित हो चुका है।

इनकी उपलब्धि पर जेएच कॉलेज की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे, डॉ.प्रदीप सिंह राव, डॉ.सुखदेव डोंगरे, प्रो.अशोक दवाड़े, प्रो.बीआर खातरकर, डॉ. बीडी खातरकर, प्रो. मुकुल चंदेल, डॉ. सुभाष खातरकर, डॉ. खुशाल देवधरे, डॉ.प्रकाश खातरकर, डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. आभा वर्मा, डॉ. बीडी नागले, प्रो.राजेश शेषकर, डॉ. एकनाथ निशपुरे, डॉ.मनोहर गावंडे, डॉ. जीपी साहू, डॉ.मनोज उघड़े, प्रो.मनोज घोरसे, डॉ. सोनाली साहू सहित इष्टमित्रों और परिजनों ने बधाई प्रेषित की है।

## एनएसएस बालिका कैडर कैम्प संपन्न

# परेड के साथ कैड्टिस ने सीखा हथियार का इस्तमाल

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में 5 एमपी बालिका बटालियन एनसीसी होशंगाबाद के द्वारा 5 दिवसीय कैडर कैम्प का समापन मंगलवार को हुआ। कैम्प यूनिट के कमांडिग अधिकारी कर्नल एसके शर्मा के मार्गदर्शन में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में सुबेदार मेजर बीआर चंदेल, नायब सुबेदार सुशील कुमार के नेतृत्व में महाविद्यालय की एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ.कमलेश अहिरवार के समन्वयन में संपन्न हुआ। कैम्प के दौरान कमांडिग ऑफिसर कर्नल शर्मा द्वारा कैम्प में उपस्थित 87 कैड्टिस को एनसीसी रैंक, मैप रिडिंग, आर्मी में छात्राओं की भर्ती, व्यक्तित्व विकास जैसे अनेक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। सुबेदार मेजर बीआर चंदेल एवं नायब सूबेदार सुशील कुमार द्वारा एनसीसी परेड का अभ्यास, एसएलआर रायफल खोलना एवं जोडना, वेपन ड्रील का प्रशिक्षण दिया। कैम्प के दौरान नशा मुक्ति रैली निकाली गई। डॉ.अनिता सोनी, डॉ.सुखदेव डोंगरे, प्रो.हेमंत देशपांडे, डॉ.धमेन्द्र कुमार सहित कॉलेज स्टॉफ ने शिविर की सफलता के लिए एनसीसी स्टॉफ को बधाई दी। शिविर को सफल बनाने में पीआई स्टॉफ, हवलदार, यासीन मीर, पीयूष शफीक, ओमप्रकाश, पीएस मगरे एवं सीनियर अंडर आफिसर आयुषी अतुलकर, रोशनी पटवारी का सरानीय योगदान रहा। कैम्प के समापन अवसर पर कैड्टिस के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कमांडिग आफिसर एसके शर्मा तथा डॉ.कमलेश अहिरवार द्वारा सभी एनसीसी कैड्टिस को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र वितरित किए।

# शिक्षक अभिभावक योजना में ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला आयोजित

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जयवंती हॉक्सर शासकीय महाविद्यालय में 7 जनवरी से 30 जनवरी तक शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक स्तर के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम सेमेस्टर व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए किया गया। यह ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला जेएच कॉलेज में कैरियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

व्याख्यान श्रृंखला में डॉ. जीपी साहू द्वारा रोजगारोन्मुखी विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि हमें रोजगार के क्षेत्रों में आगे बढ़ना है तो पूर्ण रूप से प्रशिक्षित होना होगा। हमारा प्रशिक्षण श्रेष्ठ होगा, तो हमारे कार्य में भी गुणवत्ता देखी जाएगी। प्रो. मनेश मानकर द्वारा उद्यमिता एवं नैतिकता विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। आलस्य मनुष्य का परम शत्रु है, इस विषय के संदर्भ में प्रो. संतोष पंवार ने बताया कि आलसी व्यक्ति कभी भी सफलताओं को प्राप्त नहीं कर सकता है इसलिए विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या का कड़ाई से पालन करना चाहिए और संयमित होकर अपने सम्पूर्ण कार्य को करना होगा ताकि उन्हें सफलता मिल सके और वे जीवन में सफल व्यक्ति की श्रेणी में शामिल हो सके। प्रो. मुकेश पंडोले द्वारा भारत की पवित्र नदियों का परिचय देते हुए बताया गया कि नदियां किस प्रकार से हम सभी के जीवन में लाभकारी हैं। प्रकृति की अनमोल धरोहर पानी है, जिसका मनुष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है। हम नदियों को पूजते हैं, उन्हें माता का स्थान भी प्रदान करते हैं। प्रो. राजेश शेषकर द्वारा मध्यप्रदेश में उद्योगों का परिचय और उनमें रोजगार की संभावनाएं विषय पर जानकारी दी गई। कोरोना काल की सीख विषय पर डॉ. एकनाथ निशपुरे ने बताया कि हमें कोरोना काल से बहुत कुछ सीखने को मिला है, जिससे हमारे जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। प्रो. वीणा चिरोंजे द्वारा विद्यार्थियों को हमारा नागरिकता बोध विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। हिन्दी-अंग्रेजी भाषिक दक्षता एवं रोजगार विषय पर डॉ. माधुरी थोटे द्वारा, द्विभाषी की भूमिका और रोजगार के अवसर पर प्रो. राहुल ठाकुर के व्याख्यान के साथ ही स्नातक स्तर के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. मनोज उघड़े, प्रो. शिवप्रकाश पंवार, प्रो. पंकज बारस्कर द्वारा किया गया। मणिपुरी/नागामिज भाषाओं के गीतों की प्रतियोगिता का आयोजन एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विशेष संदर्भ में प्रो. मनोज घोरसे, डॉ. निहारिका भावसार, प्रो. संतोष पंवार, प्रो. प्रीति नावंगे द्वारा किया गया। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए डॉ. अनिता सोनी, डॉ. शारदा कौशिक द्वारा सुभाषित एवं डॉ. अर्चना सोनारे द्वारा बोधवाक्य का सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

## व्याख्यान के दौरान शिक्षकों ने दिया मार्गदशन

स्नातकोत्तर स्तर पर साक्षात्कार की तैयारी कैसे की जाये, इस विषय पर प्रो. नीरज धाकड़ द्वारा जानकारी प्रदान की गई। रोजगार चुनने की सतर्कता विषय के संबंध में प्रो. जीपी साहू द्वारा छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन दिया गया। प्रो. मनेश मानकर द्वारा संप्रेषण कौशल की जानकारी प्रदान की गई। जीवन कौशल एवं अभिप्रेरणात्मक व्याख्यान डॉ. मीना डोनीवाल द्वारा दिया गया। विद्यार्थी अपना सीव्ही (रिज्यूम) कैसे बनाए, जिसके आधार पर वह एक अच्छी नौकरी या व्यवसाय में जा सकें, इसके लिए प्रो. निशा मालवीय ने छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की। विभिन्न माध्यमों से रोजगार समाचारों की जानकारियां प्राप्त हो, इस संदर्भ में प्रो. दिव्या डांगी ने सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। हमें अपने व्यक्ति त्व को किस प्रकार से विविध आयामों के आधार पर विकसित करना चाहिए जिससे कि हमारी समाज में विशेष पहचान बने, इस संदर्भ में डॉ. अल्का पाण्डे द्वारा व्यक्ति त्व विकास के विविध आयाम विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाएं हमारी अस्मिता की प्रतीक है, यह बात विद्यार्थियों को डॉ. केआर मगरदे ने अपने व्याख्यान में बताई। बोध वाक्य पर डॉ. सुखदेव डोंगरे एवं सुभाषित पर सारगर्भित जानकारी डॉ. प्रगति डोंगरे द्वारा प्रदान की गई। शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन का उद्देश्य निर्धारित पाठ्य  म के साथ ही उक्त  विषयों की जानकारी प्रदान करना है। इस आयोजन में महाविद्यालय के 700 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

# 'नारी सुरक्षा की पुकार' नुक्कड़ नाटक का मनमोहक मंचन

## लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए छात्राओं ने संविधान की शपथ ली

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में मप्र उच्च शिक्षा विभाग वल्लभ भवन भोपाल के आदेश के परिपालन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व प्राचार्य डॉ. खेमराज मगरदे के मुख्य आतिथ्य में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे की अध्यक्षता में जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गोपाल प्रसाद साहू, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. सलिल दुबे, डॉ. ओपी खत्री, प्रो. अशोक दभाड़े, प्रो. प्रीति नावगे की उपस्थिति में एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा नारी सुरक्षा की पुकार विषय पर बहुत ही मनमोहक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। नाटक के मुख्य बिंदु घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, पास्को एक्ट के बारे में छात्र कलाकारों के द्वारा लड़कियों की सुरक्षा के बारे में नाटक का मंचन किया गया। डॉ. खेमराज मगरदे ने कहा एनएसएस के छात्र-छात्राओं का यह नाटक नारी उत्थान के लिए प्रेरणादायक है। डॉ. विजेता चौबे ने कहा नारी सुरक्षा जागृति के लिए नुक्कड़ नाटक सशक्त माध्यम है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया।

विश्व महिला दिवस के अंतर्गत तात्कालीन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय महिला सुरक्षा एवं नारी सशक्तिकरण रखा गया। इसमें प्रथम लक्षिता सातपुते, द्वितीय पूनम मालवी, तृतीय कोमल करोले रहीं। नारी सुरक्षा की पुकार नाटक के मंचन में सतीश सलामे, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पड़लड़े, नवीन नागले, दुर्गाप्रसाद मोरले, जुबेर शेख, अमित मालवी, मीनाक्षी राजुरकर, पूनम मालवी, लक्षिता सातपुते, रानी खवसे, निधि सुजाने, वर्षा रावत ने सहभागिता की। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय उईके, रिया घिघोड़े, अंजली, कविता बाड़बुदे, साक्षी मन्नासे, लक्ष्मण परते, रोशनी उघड़े, अंकेश बारस्कर, कन्हैया अमरूते, आकाश अजनेरे ने सहयोग किया।

# छत पर भी की जा सकती है बागवानी, कार्यशाला संपन्न

## पोस्टर प्रतियोगिता में रीना, द्वितीय रोशनी रही

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में इको क्लब के तत्वावधान में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ विजेता चौबे के मार्गदर्शन व इको क्लब प्रभारी डॉ अलका पांडे के नेतृत्व में तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुए। जिसमें निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय कोविड-19 के विश्व में महिला नेतृत्व की समान उन्नति था इस प्रतियोगिता में 46 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता डॉ प्रतिभा चौरे एनएसएस अधिकारी, महिला विंग के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में 18 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान रीना साखरे द्वितीय स्थान रोशनी उघडे व तृतीय स्थान सलोनी वार्बे, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का विषय नारी के बढ़ते कदम था और प्रतियोगिता प्रभारी डॉक्टर प्रगति डोंगरे थी। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ था इस प्रतियोगिता में 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता प्रभारी प्रोफ़ेसर सुनीता गडकर थी। जिसमें प्रथम रीना साखरे, द्वितीय अंजलि सोनरे व तृतीय स्थान दो छात्राओं लविका सोनी और प्रियंका सराठे को प्राप्त हुआ। साथ ही महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें किचन से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल से इको एंजाइम के निर्माण की विधि एवं इसकी उपयोगिता बताई गई यह प्रशिक्षण मोरेश्वरी ओंकार द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की प्रभारी डॉ कमलेश अहिरवार व प्रोफ़ेसर दीपिका साहू थी। यह इको एंजाइम क्लीनिंग एजेंट की तरह कार्य करता है जिससे घर में उपयोग करने के साथ-साथ यह बड़ी मात्रा में तैयार कर आय अर्जन का माध्यम भी बन सकता है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर विजेता चौबे ने कहा कि यह एंजाइम बनाने की विधि बहुत आसान है जिसे सभी छात्राएं घर में बिना किसी लागत के तैयार कर सकती हैं और इसे घर में उपयोग करने के साथ-साथ बड़ी मात्रा में तैयार कर आय अर्जन कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रोफेसर अर्चना सोनारे और डॉक्टर अर्चना मिश्रा के मार्गदर्शन में छत पर बागवानी कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षक भैया धोटे द्वारा विद्यार्थियों को अपने घर की छतों पर किस प्रकार से रसायन मुक्त किचन गार्डन तैयार किया जा सकता है इसका प्रशिक्षण दिया गया और इन सब्जियों का उपयोग घर में करने से स्वास्थ्य लाभ के साथ पर्यावरण में भी सुधार आएगा तथा यह आय अर्जन का एक अच्छा माध्यम भी बन सकता है। प्राचार्य डॉ विजेता चौबे ने कहा यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी है क्योंकि वह अपनी पढ़ाई के साथ साथ घरों में आसानी से सब्जी उत्पादन भी कर सकते हैं और इसे आय का एक साधन बनाकर आत्म निर्भर भारत की ओर एक कदम चल सकते हैं। डॉ.विजेता चौबे ने तीनों प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की एवं सभी छात्राओं को प्लास्टिक मुक्त वातावरण निर्मित करने के लिए शपथ दिलवाई।

# माता को अपने बेटे को महिलाओं के सम्मान की शिक्षा दें: डॉ.चौबे

## स्वामी विवेकानंद सभागार में कार्यक्रम आयोजित

जेएच ई न्यूज, बैतूल। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र बैतूल द्वारा स्वामी विवेकानंद सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया हुआ।

कार्यक्रम जेएच कॉलेज की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे, खेल युवा कल्याण विभाग जिला अधिकारी मुन्नू धुर्वे की उपस्थिति में, समाजसेवी गौरी बालापुरे की अध्यक्षता में और जिला युवा अधिकारी एनवायके केके उरमिरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस मौके पर डॉ.चौबे ने कहा कि प्रत्येक माता को अपने बेटे को महिलाओं के सम्मान की शिक्षा देनी चाहिए जिससे एक सुदृढ़ समाज की रचना होगी।

जिला खेल अधिकारी ने कहा कि आज महिलाएं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पुरुषों से कहीं आगे हैं और भारत का नाम रोशन कर रही हैं। गौरी बालापुरे ने कहा कि आज की नारी सशक्त है और अपने निर्णय व लक्ष्य स्वयं निर्धारित कर उसे पूरा करने का माद्दा रखती है।

कार्यक्रम के अंत में महिला अतिथियों और कोविड के दौरान उत्कृष्ट के कार्य करने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन धनन्जय सिंह ठाकुर ने व आभार अमरदीप भालेकर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर लेखापाल पीके वेंकट, राकेश मन्यासे, दुर्गेश साहू, अमरदीप भालेकर, ज्योति पवार, मीना अंगारे, क्रांतिसविता देशमुख, कपिल चढोकार, कीर्ति साहू, रूपा राठौर, पूनम बरवडे, काजल खातरकर, दिनेश पांडे, वैशाली बागडे, रविंद्र दवंडे आदि मौजूद थे।

# त्रेता युग में भी जल-भूमि के संरक्षण की परंपरा थी

## जेएच कॉलेज में इको क्लब द्वारा विश्व आर्द्र भूमि दिवस पर व्याख्यान संपन्न, वक्ताओं ने रखे अपने-अपने विचार

**जेएच ई न्यूज, बैतूल,** जेएच कॉलेज बैतूल के इको क्लब द्वारा प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में पर्यावरण से संबंधित 'विश्व आर्द्र भूमि दिवस' पर ऑनलाइन व्याख्यान संपन्न हुआ। इको क्लब की संयोजक डॉ.अल्का पाण्डेय ने मुख्य वक्ता एसवी निर्गुणकर के व्यक्तित्व एवं विषय से परिचय कराया।

वर्तमान में भारत में कुल 42 रामसर आर्द्रभूमि अधिसूचित है। ऐसे क्षेत्रों में जलीय पौधों का बाहुल्य रहता है। जैवविविधता की दृष्टि से भी वेटलैंड अत्यंत संवेदनशील होते हैं क्योंकि आर्द्रभूमि में विशेष प्रकार की वनस्पति (फ्लोरा) एवं जीवजन्तु (फौना) ही विकास करने में सक्षम होते हैं। एसडी.निर्गुणकर ने अपने उद्बोधन में बताया कि आर्द्र भूमि समूचे विश्व से संबंधित है एवं राष्ट्र प्राकृतिक संसाधनों से युक्त है जिसके

अंतर्गत विभिन्न पर्वत, नदियां, सरोवर व झीलें ईश्वर की असीम कृपा से हमें प्राप्त हैं। भारत कृषि प्रधान देश है जिसके अंतर्गत कृषि के चार घटक भूमि, जल, परिश्रम एवं साधन आते हैं जब इन चारों घटकों का समायोजन करके खेत को जोता जाता है तब वर्षाकाल में हमें लहलहाती फ सल प्राप्त होती है। आपने त्रेता युग के गुरूकुल आचार्य धौम्य ऋ षि व उनके शिष्य आरूणि का प्रसंग सुनाते हुये उदाहरण दिया कि उस युग में भी पानी और भूमि दोनो के संरक्षण की परम्परा थी। इसी श्रृंखला में श्रीमती विद्या निर्गुणकर ने कविता के माध्यम से जल के जलजले को समझाया। कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ.विजेता चोबे ने दिया जिसमें उन्होंने बताया कि जंगल व पेड़ भूमि की आर्द्रता को बढ़ाते हैं इसके लिये इनका संरक्षण आवश्यक है। डॉ.चौबे ने एक व्यक्ति एक पेड़ का आव्हान किया। आभार डॉ.अर्चना सोनारे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अर्चना मिश्रा ने किया तथा तकनीकी सहयोग प्रो.पंकज बारस्कर ने दिया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ इको क्लब की डॉ.प्रदीप सिंह राव प्रो.प्रतिभा चौरे, श्रीमती दीपिका साहू एवं प्रो.सुखदेव डोंगरे तथा छात्रों ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दी।

# रिया घिडोडे का राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए चयन हुआ

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की स्वयं सेविका व दलनायक रिया घिडोडे पिता दिनेश घिडोडे का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय एकता शिविर क्षेत्रीय निदेशालय गोवाहाटी के अंतर्गत अगरतला त्रिपुरा के लिए हुआ है। रिया घिडोडे ने

बताया कि वह 22 मार्च से 28 मार्च 2021 तक अगरतला त्रिपुरा में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में म.प्र. के 11 स्वयं सेवकों के साथ बैतूल एवं मप्र की कला संस्कृति एवं पारंपरिक लोक नृत्य एवं लोकगीतों के साथ प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। रिया घिडोडे का चयन राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं महाविद्यालय में नियमित गतिविधियों को आयोजित करना एवं उनमें सक्रिय सहभागिता से हुआ है। रिया की इस बेहतरीन उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे, रोसेयो जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिभा चौरे, डॉ. जीपी साहू, डॉ. अल्का पाण्डे, डॉ. कमलेश अहिरवार, प्रो. संतोष पंवार, प्रो मनोज घोरसे, वरिष्ठ स्वयं सेवक प्रवीण परिहार, सोमचंद साहू, सतीश सलामे, दीपाली पाण्डे, ललित तायवाड़े, पूर्व दलनायक संजय उइके, अंजली सोनारे, योगेश्वर पहाड़े, दुर्गेश कुमरे, मीनाक्षी राजुरकर, पूनम मालवी, दुर्गाप्रसाद मोरले, लक्षिता सातपुते, कविता वाड़बुदे, नंदनी सोनी, शीलत बघेल, ज्योति धोटे, श्रद्धा सहित महाविद्यालय स्टाफ, एनएसएस के समस्त स्वयं सेवकों ने बधाई दी है।

# मद्यनिषेध पर हुई अनेक प्रतियोगिताएं, धनवंती प्रथम, द्वितीय अंजली रहीं

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में और एनएसएस जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, प्रतिभा चौरे की उपस्थिति में मद्य निषेध सकंल्प दिवस मनाया गया।

इस मौके पर मद्यपान निषेद्य की शपथ दिलाते हुए कहा कि मद्यपान से सामाजिक, मानसिक, शारीरिक, सम्मान, घर में कलह और व्यक्तित्व विकास में रूकावट आती है। डॉ.चन्द्रशेखर मेश्राम व डॉ.मनोहर गावंडे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मद्य निषेध संकल्प दिवस पर इसी विषय से प्रतियोगिताएं संपन्न हुई जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम धनवंती पुंडे, द्वितीय वर्षा रावत, तृतीय कोमल करोले, स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम मीनाक्षी राजुरकर, द्वितीय

अंजली सोनारे, तृतीय निधि सुजाने, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम वर्षा राव, द्वितीय प्रवीणा लोखंडे, तृतीय दुर्गाप्रसाद मोरले, वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में प्रथम लक्षिता सातपुते, द्वितीय माधुरी आर्य, तृतीय आकाश अजनेरे,विपक्ष में प्रथम सतीष सलामे, द्वितीय कोमल करोले, गीत में प्रथम सतीश सलामें, द्वितीय कन्हैया अमरूते, कोमल करोले रहे। कार्यक्रम का संचालन योगेश्वर पहाड़े ने व आभार डॉ.प्रतिभा चौरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय उइके, रिया घिड़ोडे, सतीश सलामें, दुर्गेश कुमरे, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, नवीन नागले, साक्षी मन्नासे, पूनम मालवी, रुबिना यादव दीपांजली चौरे, नंदिनी सोनी, अभय वामनकर, शिवम मेहरा, संदीप उइके, पंकेश उइके, अरूण बागवे, चन्द्रशेखर राठौर, आकाश नागले, संगम नवड़े, हिमांशु पाटिल का योगदान रहा।

# मतदान राष्ट्र के प्रति दायित्व और जागरूकता का प्रतीक

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में मप्र निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गोपाल साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे की उपस्थिति में महाविद्यालय के एसीसी व एनएसएस के विद्यार्थियों को आगामी नगर निकाय एवं पंचायत चुनाव में मतदान करने के लिए शपथ ग्रहण कराई। इस मौके पर डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए भारत के प्रत्येक नागरिक को मतदान करना चाहिए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू ने कहा कि भारत के संविधान से हमें मतदान का अधिकार दिया है जिसका उपयोग करना चाहिए। मतदान हमारे राष्ट्र के प्रति प्रेम, दायित्व और हमारी जागरूकता को दर्शाता है।

इस अवसर पर प्रो.मुकुंद चंदेल, प्रो.मनोज घोरसे, डॉ.प्रगति डोंगरे, सुश्री निलीमा पीटर, मुख्य लिपिक अनवर कुरैशी, कुमान सिंह, गिरधारी मालवी, एनएसएस के स्वयंसेवक सतीश सलामें, संजय उइके, महिला इकाई दल नायक दिया घिड़ोड़े, उपदलनायक दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, मीनाक्षी राजूरकर, रोशनी उघड़े, नवीन नागले, दुर्गाप्रसाद मोरले, अंकेश बारस्कर आदि मौजूद थे।

# सडक़ सुरक्षा पर कार्यशाला, चित्रकला, स्लोगन, नुक्कड़ नाटक संपन्न

जेएच ई न्यजू, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में सडक़ सुरक्षा माह के अंतर्गत सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से संस्था विजयासन देवी मंडल भोपाल द्वारा कार्यशाला का आयोजन जिला परिवहन अधीक्षक जीएस बदौरिया, कार्यशाला में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे, एबीवीपी मध्य प्रांत भारत के सह मंत्री निलेश गिरी गोस्वामी की उपस्थिति में और प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्न मंच, स्लोगन प्रतियोगिता संपन्न हुई और समस्त छात्र-छात्राओं को टी-शर्ट एवं कैप वितरित की गई। चित्रकला में प्रथम अरूणा धुर्वे, द्वितीय सलोनी बरवे, तृतीय अर्चना पांसे, प्रश्न मंच में सही जवाब देने वाले हैलमेट प्रदान किए गए। स्लोगन प्रतियोगिता में जयश्री साहू, नीधि सुजाने, आरती दीक्षित, कोमल करोले, रविना यादव, प्रियंक सराठे, अंजली सोनारे, कुंती कहार रही। रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा रैली निकालकर नुकड़ नाटक की प्रस्तुति दी जिसमें संजय उइके, सतीश सलामे, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, नवीन नागले, अक्षय मालवी, हिमांशु पाटिल, अंजली सोनारे, रीया घिड़ोड़े, मीनाक्षी राजुलकर, पूनम मालवी, लक्षिता सातपुते, कोमल करोले, वर्षा रावत, साक्षी मत्रासे, रागिनी पंवार, शीतल बघेल, ज्योति धोटे, दुर्गाप्रसाद मोरले, आकाश अजनेर, जुबेर शेख, अमित मालवी, विकास सलामे, अक्षय वाभनकर, मिलिंद मसतकर, कविता वाड़बुदे, सनिया साहू, साक्षी साहू, रोशनी बनकर, शकुंतला कास्दे ने सहभिगता की साथ ही लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया।

# महिलाओं को संविधान ने बनाया शक्तिशाली

## राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी संपन्न

जेएच ई न्यूज, बैतूल। राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के निर्देशों के परिपालन में वैष्णवी महाविद्यालय भडूस में प्राचार्य डॉ. ऋतु चौहान, जेएच कॉलेज के डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम की उपस्थिति में महिला सशक्तिकरण विषय पर शुक्रवार को संगोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कल्पना लोखंडे ने किया। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा महिलाओं को संविधान ने शक्तिशाली बनाया है। 1950 के पूर्व महिलाओं को शिक्षा, संपत्ति, समानता एवं न्याय के अधिकार नहीं थे। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा वे सारे अधिकार दिलाए जिससे आज महिला राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, कलेक्टर, इंजीनियर, डॉक्टर और वैज्ञानिक जैसे उच्च पदों को प्राप्त कर रही हैं। डॉ. ऋतु चौहान ने कहा संविधान में हिन्दू कोड बिल के माध्यम से संपत्ति, तलाक एवं न्याय के अधिकार प्राप्त हुए। डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम ने बताया संविधान के माध्यम से महिलाओं को वोट का अधिकार एवं समानता का अधिकार प्राप्त हुआ है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. साबिर खान, किशोर पाटिल, सुभम हजारे, राहुल पवार, मयूर आहने, खेमराज पवार, चंद्रकांत उखंडे, सुनिता चौहान, अवन्तिका चौहान, आशा चौहान, देविका पठाड़े, शिखा राजपूत, खुशबू डिगरे, दिलिप टिटवारे का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम में कुल 30 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मास्क लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया। अंत में आभार प्रगट रितिका चौहान ने किया।

# स्पेक्ट्रोस्कोपी की जटिलता को सरल बनाने वेबिनार प्रारंभ

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय वेबीनार का शुभारंभ शुक्रवार को प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे और मुख्य वक्ता डॉवीके सिरिया, डॉ.एचएल कसेरा, डॉ.बीआर चौरे, डॉ.रश्मि सक्सेना, डॉ.अनिल बाजपेयी की उपस्थिति में किया गया। वेबिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्पेक्ट्रोस्कोपी विषय की जटिलता को सरल बनाना है। इस मौके पर डॉ.वीके सिरिया ने बताया कि एनएमआर, आईआर व यूवी के द्वारा कम्पाउंड का परिचय कैसे करते हैं। डॉ.बीआर चौरे ने मॉस्सबयुर स्पेक्ट्रोस्कोपी की उपयोगिता के संबंध में और डॉ.कसेरा ने फूड एंड न्युट्रिशन्स के विषय में व्याख्यान दिया।

डॉ.जीपी साहू ने बताया कि आज शनिवार आईआर और एनएमआर एपलीकेशन बेसस, माईक्रोवेव, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी पर व्याख्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक रसायन विभाग अध्यक्ष डॉ.आभा वर्मा ने व आभार डॉ.ज्योति शर्मा ने व्यक्त किया।

# पौधारोपण एक बार किया जाता है पुण्य वर्षों तक मिलता है

जेएच ई न्यजू, बैतूल। पौधारोपण और उसकी देखभाल से ही पर्यावरण सुरक्षित रहा सकता है हम खुशनसीब है कि बैतूल जैसी अच्छी आबोहवा में रहते हैं अन्यथा मेट्रो शहरों में प्रदुषण चरम पर है जिसके कारण सांस और चर्म रोग आदि बीमारियां जन्म ले रही हैं।

यह बात जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ललित तायवाड़े, लक्षिता धुर्वे, संजय उइके के जन्मदिवस पर जेएच कॉलेज परिसर में लक्ष्मीतरू के पौधों के रोपण के दौरान प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने कही। एनएसएस जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, इको क्लब प्रभारी डॉ.अल्का पांडे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, प्रतिभा चौरे, प्रो.राकेश शेषकर, इको क्लब के सदस्य प्रो.अर्चना सोनारे, प्रो.अर्चना मिश्रा, प्रो.सुनिता गढेकर की उपस्थिति में लक्ष्मीतरू पौधों का रोपण किया गया।

इस मौके पर डॉ.अल्का पांडे और डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि लक्ष्मी तरू के पौधों की पत्तियां कई घातक रोगों में अच्छे परिणाम देती हैं। डॉ.प्रतिभा चौरे और डॉ.जीपी साहू ने कहा कि पौधारोपण अपने जन्मदिवस को चिरस्थाई स्मृति बनाने का अच्छा माध्यम है क्योंकि पौधारोपण एक बार किया जाता है और उसका पुण्य हमें कई वर्षों तक मिलता है।

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की ओर से पौधे भेंट किए गए। इस अवसर पर रासेयो के वरिष्ठ स्वयंसेवक सतीश सलामे, रिया घिड़ोड़े, अंजली सोनारे, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, मिनाक्षी राजुरकर, दुर्गाप्रसाद मोरले, नवीन नागले, कोमल करोले, अमित मालीव, वर्षा राव, खुशबु, जयश्री, पूनम मालवी, लक्षिता सातपुते, हिमांशु पाटिल, जुबेर शेख, अक्षय मालवी, किरण मरकाम आदि मौजूद थे।

# एनएसएस का 7 दिनी विशेष शिविर प्रारंभ

**जेएच ई न्यज़, बैतूल।** राष्ट्रीय सेवा योजना जेएच कॉलेज बैतूल पुरूष इकाई का स्वास्थ्य, जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य की थीम को लेकर सात दिवसीय विशेष शिविर अखंड भारत के केन्द्र बिंदु बरसाली में आयोजित किया जा रहा है।

प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने हरी झंडी दिखाकर दल को विदा किया। जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, शिविर प्रभारी सलिल दुबे व कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू ने शिविर की थीम और नियम आदि के विषय में शिविरार्थियों को अवगत कराया। प्रो.शिवप्रकाश पंवार व प्रो.मनोज घोरसे ने बताया कि शिविर का आयोजन कोरोना की गाईड लाईन का पालन करते हुए आयोजित किया जा रहा है। डॉ.एकनाथ निरापुरे व डॉ.मनोहर गावंडे ने बताया शिविर में कोरोना जागरूकता, मतदाता जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, जल संरक्षण आदि विषयों पर गांवों में जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। डॉ.अनिता सोनी व डॉ.अल्का पांडे ने बताया कि प्रथम दिन स्वयंसेवको द्वारा शिविर परिसर में स्वच्छता अभियान और भोजन शाला का निर्माण किया गया। गुलाब राव कनाठे व पूर्व दलनायक संजय उइके ने बताया कि शिविर में दलनायक योगेश्वर पहाड़े व उपदलनायक दुर्गेश कुमरे ने बताया कि शिविर में 40 स्वयंसेवक सहभागिता कर रहें हैं।

# स्वस्थ्य युवा ही राष्ट्र की आधारशिला रख सकता है

## युवा देश का भविष्य विषय पर बौद्धिक सत्र संपन्न

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम बरसाली में आयोजित किया जा रहा है।

शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र समाजसेवी बालाराम साहू, प्रो.एके कदवाने, राजेश मुदाफले, प्रो.शिवप्रसाद पंवार, प्रो.राहुल सिंह ठाकुर की उपस्थिति में और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ हुआ। सत्र विषय युवा देश का भविष्य विषय था। इस मौके पर डॉ.जीपी साहू ने कहा कि स्वस्थ्य युवा ही स्वस्थ्य राष्ट्र की आधारशिला रख सकता है जिसके लिए युवाओं को नशे से दूर रहना होगा। बालाराम साहू ने कहा कि विश्व में कहीं भी क्रांति हुई है उसके जनक युवा ही रहें हैं। प्रो.एके कदवाने ने कहा कि स्वयंसेवक देश के विकास में भागीदार बने। राजेश मुदाफले ने कहा कि युवा समाज की

धरोहर है उन्हें सही दिशा दिखाने की जरूरत है। मंच संचालन दलनायक योगेश्वर पहाड़े ने व आभार उपदलनायक दुर्गेश कुमरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवीन नागले, हिमांशु पाटिल, कन्हैया अमरूते, अक्षय मालवी, बाल किशोर अमरूते, अमित मालवी, लक्ष्मण परते, अभिषेक पंवार, दुर्गाप्रसाद मोरले, पवन मन्नासे, अंकेश बारस्कर, मिलिन्द मसतकर, अरूण कुमार, संदीप उईके, विकास सलामें, आकाश कुमार, कमल कुमरे का सराहनीय योगदान रहा।

# प्रकृति का दोहन किया तो गंभीर परिणाम आएंगे

**जेएचई न्यज़, बैतूल।** जेएच कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम बरसाली में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के तीसरे दिन गांव में प्रात:प्रभात फेरी निकाली गई। शिविर में परियोजना कार्य के तहत स्वयंसेवकों ने ग्राम में सोख्ता गड्ढों का निर्माण करते हुए ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। बौद्धिक सत्र पर्यावरण संरक्षण विषय पर रामनारायण शुक्ला, प्राचार्या बीआर हजारे, प्रो.शिवप्रसाद पंवार, प्रो.राहुल सिंह ठाकुर, टीआर उइके, संजय उइके की उपस्थिति में और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर रामनारायण शुक्ला ने पर्यावरण सरंक्षण पर अपना उद्बोधन देते हुए बताया कि लक्ष्मीतरू के पौधे का उपयोग कैंसर के साथ अन्य घातक बीमारियों को दूर करने में सहायक है और ऐसे ही प्रकृति

ने हमें अनेक अनमोल औषधियां निःशुल्क दी हैं। बीआर हजारे ने अनुपयोगी वस्ताओं के निपटान के विषय में जानकारी दी। डॉ.जीपी साहू ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण प्रदुषण को लेकर चिंतित है और हमें इस समस्या से निपटने के लिए प्रकृति का उचित दोहन करना होगा नहीं तो गंभीर परिणाम सामने आएंगे। विषय पर प्रो.शिवप्रसाद पंवार व प्रो.राहुल सिंह ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन कन्हैया अमरूते व आभार उपदलनायक दुर्गेश कुमरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवीन नागले, हिमांशु पाटिल, दुर्गाप्रसाद मोरले, अमित मालवी, बालकिशोर अमरूते, मिलिन्द मसतकर, लक्ष्मण परते, विमास सलामे, कमल कुमरे, आकाश अजनेरे, अक्षय मालवी, अभिषेक पंवार, अंकेश बारस्कर, अरूण बागवे का सराहनीय योगदान रहा।

# राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण विषय पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता संपन्न

## पायल प्रथम, मिनाक्षी द्वितीय रहीं

**जेएच ई न्यूज बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम रेड रिबन क्लब महाविद्यालय स्तरीय व जिला स्तरीय प्रश्न मंच प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। एनएसएस के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने बताया कि प्रत्येक महाविद्यालय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी क्रमशः एक हजार, सात सौ रूपए व पांच सौ रूपए और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। जिला स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को क्रमशः 5 हजार, 3 हजार, व 2 हजार रूपए दिए जाएंगे। राज्य स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को क्रमशः 15 हजार, 10 हजार, व 5 हजार रूपए व प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। जेएच कॉलेज बैतूल के रेड रिबन क्लब स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम पायल आर्य, द्वितीय दुर्गेश कुमरे, तृतीय मिनाक्षी राजुरकर, जिला स्तर पर प्रथम आदर्श राजपूत, द्वितीय मिनाक्षी राजुरकर, तृतीय प्रवीण परिहार रहे।

# कॉलेज में विश्व जल संरक्षण दिवस पर सामूहिक रूप से शपथ ली

**जेएच ई न्यज़, बैतूल।** जेएच कॉलेज में मप्र उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में डॉ. सुखदेव डोंगरे रासेयो जिला संगठन, डॉ. मीना डोनीवाल, प्रो. सलिल दुबे, प्रो. राहुल सिंह ठाकुर, प्रो. केआर कुशवाह, प्रो. हेमंत निरापुरे, प्रो. साहेब राव झरबड़े, डॉ. साधना डेहरिया, डॉ. गीता माली, डॉ. पल्लवी दुबे की उपस्थिति में मनाया गया। डॉ. साधना डक्षसह ने पन्नी, कागज व अन्य कचरा नदी में नहीं डालना चाहिए। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा नदी हमारे लिए जीवनदायनी है। नदी के दोनों किनारे वृक्षारोपण करने से सूखी नदी पुनः जीवित हो जाती है और पानी बहने लगता है। प्रो. हेमंत

निरापुरे ने कहा जल से हमे पीने का पानी, सिंचाई साधन, बिजली, मछली पानल जैसे कई काम है जिसे प्रदुषण से रोकना चाहिए। भैंसदेही की छात्रा साक्षी उखलकर ने कहा कारखाने का पानी सीधे नदी में नहीं प्रवाहित करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूनम घिडोडे, विधि साहू, विनय भारद्वाज, मुस्कान शेख, बाली बारस्कर, सेवानी निहाले, पूजा, एश्वर्या चौहान, वेदिका डोंगरे, जिज्ञासा, पल्लवी धोटे, भवसना यादव, आयुषी, सरस्वती, प्रीति, वैशाली नामदेव, जितेन्द्र, शनिदेव, देवराज नागले, तुषार कार्य, धीरज, अर्जुन, पूनम, आरती प्रजापति, संजय उईके, योगेश्वर पहाड़े, दुर्गेश कुमरे, मीनाक्षी राजुरकर, अनील मालवी ने सहभागिता की तथा डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संयोजक संजय उईके ने किया एवं दुर्गेश कुमरे द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

# स्वयंसेवकों ने कड़ी मेहनत से किया चैक डैम का निर्माण

जेएच ई न्यजू, बैतूल। जेएच कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम बरसाली में चल रहा है। शिविर के पांचवे दिन स्वयंसेवकों के परियोजना कार्य अंतर्गत पत्थरों से चैक डैम का निर्माण किया गया। जिसके बाद बौद्धिक सत्र रासेयो जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कृष्णा अतुलकर, प्रो.एसके शुक्ला, प्रो.युगलकिशोर सरले, प्रो.मनोज घोरसे, प्रो.शिव चौधरी, डॉ.जीपी साहू, प्रो.आरएस ठाकुर, प्रो.शिवप्रसाद पंवार, के आतिथ्य में और दुर्गाप्रसाद मोरले, भूषण भावसार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस मौके पर डॉ.सुखदेव डोंगरे ने जल के महत्व से स्वयंसेवकों को अवगत कराया। कोरोना के प्रति जागरूकता विषय पर प्रो.युगल किशोर सरले ने कहा कि इस शिविर में 35 गांव के स्वयंसेवक सहभागिता कर रहें हैं। वे संकल्प ले कि अपने गांव जाकर कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। प्रो.मनोज घोरसे ने कहा कि मास्क लगाए और दूसरों को भी प्रेरित करें जिससे कोविड ही नहीं बल्कि अन्य बीमारियों से सुरक्षा होती है। डॉ.जीपी साहू ने कहा कि कोरोना से बचना बहुत ही आसाना है आपको बस मास्क लगाना है, भीड़ भाड़ से दूर रहते हुए हाथ बार-बार धोना है। रात्रिकालीन बेला में स्वयंसेवकों रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। मंच संचालन बालकिशोर अमरूते ने व आभार उपदलनायक दुर्गेश कुमरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दलनायक योगेश्वर पहाड़े, हिमांशु पाटिल, नवीन नागले, अक्षय मालवी, कन्हैया अमरूते, अंकेश बारस्कर, अमित मालवीय, विहास सलामे, दिव्यांशु सोनी, देवेन्द्र साहू, संदीप उइके, कमल कुमरे, पवन मन्नासे, आकाश अजनेरे, अभिषेक पंवार, अंशुल चौकीकर, चन्द्रशेखर देशमुख का योगदान रहा।

# रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुआ शिविर का समापन

## स्वयंसेवकों ने नाटिका के माध्यम से बताया नशा बुरी चीज है

जेएच ई न्यजू, बैतूल। जेएच कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन ग्राम बरसाली में रविवार को हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर डॉ.जीपी साहू ने शिविर में सात दिनों तक चलने वाली गतिविधियों का वाचन किया। स्वयंसेवकों ने गांव के नन्हें-मुन्ने बच्चों के साथ मनमोहक रंगारंगा कार्यक्रम जैसे डंडार, महिला सशक्तिकरण व पास्को एक्ट, नशामुक्ति शिक्षा विषय पर नृत्य नाटिका व एकल मंचन के माध्यम से प्रस्तुतियां दी। इसके बाद बौद्धिक सत्र जिसका विषय बाल संरक्षण एवं अधिकार था जिसमें समाजसेवी अनिल राठौर व टीआर सोलंकी की उपस्थिति में और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर डॉ.जीपी साहू ने कहा कि अखंड भारत के केन्द्र बिंदु बरसाली को पर्यटन स्थल बनाया जा सकता है। परियोजना कार्य सरपंच पुरूषोत्तम यादव, वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रवीण परिहार, सोमचंद साहू, निलेश चढोकार, संतोष सलामें, ललित तायवाड़े, संजय उइके, मनीप कोसे, प्रो.आरएस ठाकुर, श्री लिखितरक, मनोज घोरसे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अंत में स्वयंसेवकों को शिविर में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण पत्र और शिल्ड से सम्मानित किया गया। मंच संचालन भूषण भावसार ने व आभार बालकिशोर अमरूते ने व्यक्त किया। शिविर को सफल बनाने में दलनायक योगेश्वर पहाड़े, उपदलनायक दुर्गेश कुमरे, हिमांशु पाटिल, नवीन नागले, अक्षय मालवी, दुर्गाप्रसाद मोरले, कन्हैया अमरूते, अंकेश बारस्कर, प्रियांशु सोनी, अमित मालवी, कमल कुमरे, पवन मन्नासे, संदीप उइके, आकाश अजनेरे, अभिषेक पंवार, अरूण बागवे, चन्द्रशेखर देशमुख, मिलिंद मसतकर, विकास सलामें सहित सभी स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

# बाल संरक्षण पर आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में नंदनी, रांगोली में सरित प्रथम रहीं

जेएच ई न्यजू, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के बाल संरक्षण क्लब द्वारा बाल संरक्षण एवं बाल विवाह को रोकने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे मार्गदर्शन में और रासेयो जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, डॉ.कमलेश अहिरवार की उपस्थिति में बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने स्वयंसेवकों द्वारा मेंहदी लगाकर और रांगोली बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। जिसमें मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम नंदनी सोनी, द्वितीय प्रविणा लोखंडे, तृतीय अंजली सोनारे, रांगोली प्रतियोगिता में प्रथम सरिता चोटेले, द्वितीय प्रवीणा लोखंडे, तृतीय अंजली सोनारे रही। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में संतोष सलामें, संजय उइके, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, दुर्गाप्रसाद मोरले, लक्ष्मण परते, रिया घिड़ेड़े, संगम नवड़े, अर्चना पांसे, कोमल करोले, साक्षी मन्नासे, आरती यादव, रोशनी बनकर, दिक्षा चौकीकर, मोनिका धुर्वे, सुरभी नगदे का सराहनीय योगदान रहा।

# आत्मनिर्भर मप्र योजना में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण संपन्न

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल में आत्मनिर्भर मप्र योजना अंतर्गत स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। एक माह की अवधि का यह कार्यक्रम आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव, प्रमुख सचिव अनुपम राजन एवं कार्यक्रम निदेशक डॉ.उमेश सिंह द्वारा किया गया।






इस प्रशिक्षण में सहभागिता हेतु महाविद्यालय के स्नातक और स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के 350 छात्रों ने आवेदन किया जिसमें से प्रशिक्षण हेतु 84 विद्यार्थियों का चयन किया गया और मार्गदर्शन के लिए 6 मेंटर्स निर्धारित किए गए।

समापन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आप स्वरोजगार के लिए कार्य करें, सरकार विभिन्न माध्यमों से आपकी सहयता करेगी। मोहन यादव व प्रमुख सचिव ने पहली बार इतने बड़े पैमाने पर वर्चुवल माध्यम से दिए जाने वाले प्रशिक्षण की सराहना की।

इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने व्यवहार कुशलता, कम्प्यूटर कौशल, उद्यमिता के साथ दस वैकल्पिक विषयों में अपनी रूचि अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं के संबंध में मैंटर्स प्रो.संजय विश्वकर्मा, डॉ.प्रियंका लिखितकर, डॉ.निहारिका भावसार, प्रो.मनेष मानकर, प्रो.मनोज मोरसे, प्रो.राहुल सिंह ठाकुर, के नेतृत्व में प्रोजेक्ट तैयार कर रहें हैं। कॉलेज की प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे, प्रकोष्ठ संयोजक डॉ.ज्योति शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दी। डॉ.सलील दुबे, डॉ.मीना डेनीवाल, टीपीओ डॉ.मनोज उघड़े, प्रो.संतोष पंवार आदि का सक्रिय योगदान रहा।

# उच्च शिक्षा प्रकोष्ठ का गठन

## शिक्षा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी भी बनी

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में शुक्रवार 5 मार्च को अनुसूचित जाति, जनजाति अधिकारी, कर्मचारी संगठन (अजाक्स) जिला बैतूल के उच्च शिक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया गया। इस प्रकोष्ठ में अजाक्स संगठन के जिलाध्यक्ष आयु. अनिल कापसे एवं तहसील अध्यक्ष आयु. किशोर झरबड़े की उपस्थिति में कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

### कार्यकारिणी में इन्हे सौंपी जिम्मेदारी

उच्च शिक्षा प्रकोष्ठ में प्रो. सुनुंद चंदेल को संरक्षक बनाया गया है वहीं प्रो. बीआर रखातकर को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर डॉ. बीडी रखातकर, प्रो. अर्चना सोनारे की नियुक्ति की गई है। वहीं डॉ. बीडी जावले को सचिव बनाया गया है। डॉ. सुखदेव डोंगरे, श्री दिलीप कावले, केदल मोही, रिन्कु पटेल को सहसचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। कोषाध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम, महासचिव पद पर डॉ. सुभाष रखातकर, डॉ. खुशाल देवघरे, डॉ. प्रगति डोंगरे, डॉ. रंजिता बरखानिया, डॉ. एकनाथ निरगुरे, प्रो. राजेश शेषकर, आयु. शैलेन्द्र वाईकर की नियुक्ति की गई है। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों में डॉ. कमलेश अहिरवार, महेन्द्र सलाम, डॉ. रामकुमार चौहान, प्रो. राजा अतुलकर, प्रो. शीतल खरे, प्रो. ऋषिकांत पंथी, प्रो. दीपा फिरोजे उईके, प्रो. कृष्णा गौसर, आयु. मोतीसिंह धुर्वे, श्री किशोर जामनदे, श्री राजेश वरठे, श्री कुमालसिंह सिरसाम, श्रीमती अमिता धुर्वे, सुश्री ज्योति भिलाल, श्री अतरलाल भारती, श्री दिलीप रवाड़े की नियुक्ति की गई है।

# भूमि में 100 फिट तक ही जल पीने योग्य: मोहन नागर

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम बरसाली में आयोजित किया जा रहा है।

एनएसएस के शिविर के चौथे दिन परियोजना कार्य के अंतर्गत परिसर विकास एवं गाजर घास उन्मूलन अभियान चलाया गया एवं जल संरक्षण विषय पर बौद्धिक सत्र पर्यावरणविद मोहन नागर, सरपंच पुरूषोत्तम यादव, प्राचार्य वीआर हजारे के आतिथ्य में और प्रो.शिवप्रसाद पंवार, गुलाबराव कनाठे, कैलाश यादव की उपस्थिति में एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर मोहन नागर ने अखंड भारत के केन्द्र बिंदु बरसाली की एतिहासिक पृष्ठ भूमि से अवगत कराया और प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण के घटकों, संसाधनों के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राकृतिक




आपदाओं से बचाते हैं और भूमि में 100 फिट तक ही जल खनिज युक्त एवं पीने योग्य है।

श्री नागर ने कहा कि डेम पानी की समस्या का स्थाई हल नहीं है। कार्यक्रम का संचालन संजय उइके ने व आभार दलनायक योगेश्वर पहाड़े ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक सतीष सलामें, उपदलनायक दुर्गेश कुमरे, नवीन नागले, हिमांशु पाटिल, भूषण भावसार, अंकेश बारस्कर, संदीप उइके, गौरव मेहरा, चन्द्रशेखर राठौर, धार्मिक उइके, दीपांशु सोनी, सोहन कास्दे, अंशुल चौकीकर सहित शासकीय हाई स्कूल बरसाली के छात्र-छात्राओं ने सत्र में सहभागिता की।

# अपने विचारों पर किसी दूसरे के विचारों को हावी ना होने दें: डॉ.चौबे

जेएच ई न्यूज, बैतूल। जेएच कॉलेज बैतूल की राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला इकाई के एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कॉलेज परिसर में संपन्न हुआ। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा चौरे ने बताया कि कोविड महामारी के चलते यह शिविर सात दिन के स्थान पर एक दिन कर दिया गया और जिले में किसी ग्राम का चयन ना करते हुए कॉलेज परिसर में ही आयोजित किया गया। शिविर में प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.प्रतिभा चौरे के मार्गदर्शन में परियोजना कार्य के अंतर्गत छात्राओं ने



महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ-सफाई, पेड़-पौधों में पानी देना, पॉलीथिन निस्तार, मास्क वितरण। इसके साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कोरोना जागरूकता का संदेश दिया। बौद्धिक सत्र में डॉ.विजेता चौबे ने महिला स्वयंसेवकों को बताया कि अपने विचारों पर किसी के दूसरे विचारों का हावी ना होने दें। नारियां किसी भी कार्य को कर सकती है और उन्हें हर कार्य के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही किसी भी प्रकार की चुनौतियों को समाना करने लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। डॉ.जीपी साहू ने गीत नदियां ना पिए कभी अपना जल प्रेरक गीत के द्वारा छात्राओं को संबोधित किया। प्रो.राजेश शेषकर ने परीक्षा के विषय में और एनएसएस की जानकारी दी। डॉ.निहारिका भावसार ने छात्राओं को लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए फोकस करने की बात कही। जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने नदी संरक्षण पर छात्राओं को जानकारी दी। नीलिमा पीटर ने बताया कि खेल-कूद का हमारे जीवन में क्या महत्व है। वरिष्ट स्वयंसेवक दीपाली पांडे द्वारा एनएसएस की रीति-नीति से छात्राओं को अवगत कराते हुए बताया कि एनएसएस सिर्फ व्यक्तित्व विकास का माध्यम नहीं है इससे हम राष्ट्र के विकास में भी सहायक हो सकते हैं। शिविर का समापन अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई। डॉ.विजेता चौबे द्वारा सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन खुशबू नरवरे द्वारा व आभार लक्षिता सातपुते ने व्यक्त किया।

## दिव्यांग बच्चों के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

# दिव्यांग विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए पूरा मौका दिया जाएगा: कलेक्टर अमनबीर सिंह बैक

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस ने कहा कि जिले के दिव्यांग विद्यार्थियों को शासन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ उन्हें बिना किसी अवरोध के प्रदान किया जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों को उनका भविष्य बेहतर तरीके से संवारने का पूरा मौका दिया जाएगा। श्री बैंस गुरुवार को स्थानीय ओपन ऑडिटोरियम में दिव्यांग बच्चों हेतु आयोजित खेलकूद, सांस्कृतिक एवं सामथ्य अनुसार प्रतियोगिता को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत एमएल त्यागी, एसडीएम सीएल चनाप, डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे, जिला शिक्षा अधिकारी एलएल सुनारिया, डीपीसी सुनील बघेल, प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय संजीव श्रीवास्तव, जेएच कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सुखदेव डोंगरे सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। डीपीसी श्री बघेल ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता 6 विद्याओं में संपादित हुई। इसमें जिले के विभिन्न विकासखण्डों से प्रथम चयनित 69 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस दौरान कलेक्टर ने दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचकर उनसे चर्चा भी की। साथ ही उनको सुरक्षित घर पहुंचाने के विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

डीपीसी श्री बघेल ने बताया कि कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में ईपीएस सदर के खुशराज पिता बाबूलाल ने प्रथम, प्राथमिक शाला मंगोनाकला प्रभातपट्टन के लक्की पिता कृष्णा ने द्वितीय एवं माध्यमिक शाला शाहपुर के नमन पिता पप्पू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में माध्यमिक शाला हीरापुर घोड़ाडोंगरी की कु. नीलू पिता शम्भूदयाल ने प्रथम, माध्यमिक शाला रजोला आठनेर की कु.रीना पिता राजू ने द्वितीय एवं माध्यमिक शाला भैंसदेही की कु. श्रेया पिता श्रीराम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में माध्यमिक शाला केमिया शाहपुर की कु. रोशनी पिता बस्तीराम ने प्रथम, ईपीएस सदर की कु आरती पिता प्रहलाद ने द्वितीय एवं माध्यमिक शाला खैरवानी मुलताई के हर्षित पिता कैलाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में माध्यमिक शाला काजली प्रभातपट्टन की कु. नम्रता पिता मनोहर ने प्रथम, माध्यमिक शाला गुवाड़ी शाहपुर की कु. अंकिता पिता रमेश ने द्वितीय एवं ईपीएस ससावड़ आमला की कु. सुरुचि पिता सुरजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता में ईपीएस सदर की कु. शिवानी पिता रमेश ने प्रथम, माध्यमिक शाला रगडगांव प्रभातपट्टन की कु. गरिमा पिता हेमराज ने द्वितीय एवं माध्यमिक शाला माजरवानी भैंसदेही की कु. मंजुषा पिता चन्द्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चम्मच दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में ईपीएस ऐनस मुलताई के आकाश पिता हरिराम ने प्रथम, माध्यमिक शाला चिंचोली के राहुल पिता मुन्ना ने द्वितीय एवं प्राथमिक शाला कोलगांव भैंसदेही के सरिल पिता संजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में माध्यमिक शाला सीतापुर भीगपुर की कु. सलिता पिता सुखलाल ने प्रथम, माध्यमिक शाला घोड़ाडोंगरी की कु. शारदा पिता गोंटल ने द्वितीय एवं ईपीएस देहगुड़ की कु. महिमा पिता राजकुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा रंगोली प्रतियोगिता में माध्यमिक शाला सलैया घोड़ाडोंगरी की कु. किरण पिता इन्नू ने प्रथम, हायर सेकेण्डरी स्कूल सदर की कु. आरती पिता प्रहलाद एवं माध्यमिक शाला कोयलारी शाहपुर की कु. समीक्षा पिता दिलीप ने द्वितीय तथा माध्यमिक शाला वायगांव प्रभातपट्टन की कु. कशिश पिता मारोती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

# जागरूकता के लिए निकाली बाइक रैली

## कलेक्टर और न्यायाधीशगणों ने दिखाई हरी झंडी

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार को जिला न्यायालय परिसर से आयुष्मान भारत निरामय योजनाअंतर्गत भारत निरामय योजना अंतर्गतजागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अफसर जावेद खान द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर अमनबीर सिंह बैस, पुलिस अधीक्षक सुश्री सिमाला प्रसाद, विशेष न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उब्लएए नागले, व्यवहार न्यायाधीश दीनानाथ वाड़िवा एवं जिला विधिक सेवा अधिकारी मिथलेश डेहरिया, जेएच कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सुखदेव डोंगरे उपस्थित थे। रैली का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को शासन की आयुष्मान भारत निरामय योजना के लाभ हेतु जागरूक करना है। रैली में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित महाविद्यालय एनसीसी, एनएसएस प्रभारी, छात्र-छात्राएं, नेहरू युवा केंद्र एवं खेल एवं युवा कलयाण विभाग के कर्मचारी सम्मिलित रहे।

यह जागरूकता रैली न्यायालय परिसर से बस स्टैंड, लल्ली चौक से कलेक्टोरेट मार्ग, शिवाजी चौक, एसपी ऑफिस चौराहा, गंज दिलवहार चौक, पेट्रोल पंप से मैकेनिक चौक होते हुए गुरूद्वारा रोड कारगिल चौक में जिला अस्पताल होते हुए न्यायालय परिसर पहुंची।

# वन्य जीवों के कारण प्रकृति में संतुलन प्रो.गायकवाड़

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण पर संगोष्ठी का आयोजन 40 छात्र-छात्राओं की सहभागिता में आयोजित की गई। संगोष्ठी प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में, डॉ.सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में प्रमुख विषय विशेषज्ञ प्रो.शेषराव गायकवाड़, वीवीएम कॉलेज बैतूल, विभागाध्यक्ष डॉ.बीडी नागले, डॉ.कमलेश अहिरवार, डॉ.मनोहर गावंडे, प्रो.संजय विश्वकर्मा, डॉ.प्रतिभा चौरे की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रो.शेषराव गायकवाड़ ने कहा कि वन्य जीवों के कारण प्रकृति में संतुलन बना हुआ है। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि वन्य वनस्पति एवं जंगली जानवरों को हमें सुरक्षित रखते हुए उनका शिकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जंगल से हमें शुद्ध वायु मिलती है और जानवर फूड चेन को बनाता है। प्रॉ.प्रतिभा ने कहा कि वन्यप्राणी को नेशनल पार्क, सेंचुरी पार्क, सुरक्षित जोन बनाकर सुरक्षित कर उनकी विलुप्त हो रही प्रजाति बचाया जा सकता है। मंच संचालन डॉ.मनोहर गावंडे ने व आभार संजय विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दुर्गेश कुमरे, संजय उइके, योगेश्वर पहाड़े का सराहनीय योगदान रहा।

समाचार

# हॉकर पाक्षिक

सत्यमेव जयते

तमसो माँ ज्योतिर्गमय

Jh.eNews

ज.हा. शास. स्नातकोतर अग्रणी महाविद्यालय, बैतूल (म.प्र.)

वर्ष - 10 | दिनांक 01 अप्रैल से 30 जून 2021 | पृष्ठ- 00


# युवा शक्ति कोरोना मुक्ति उनमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

## कोरोना संक्रमण कम हुआ है, कोरोना मरा नहीं, सावधान रहें: शिवराज सिंह चौहान

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में वेबेक्स ऑनलाइन माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, महाविद्यालय की वर्चुअल क्लास में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे, डॉ. प्रदीप सिंह राव, जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, प्रो. जीआर राणे, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गोपाल साहू, डॉ. प्रतिभा चौरे, एनसीसी की लेफ्टिनेंट डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. खुशहाल देवघरे, प्रो. मनोज घोरसे, एनएसएस एवं एनसीसी के 50 विद्यार्थियों की उपस्थिति में युवा शक्ति कोरोना मुक्ति उनमुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कोरोना का संक्रमण कम हुआ है, लेकिन कोरोना मरा नहीं है इसलिए मास्क लगाना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना, टीकाकरण कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग की छात्रों से अपेक्षा है। साथ ही अपने-अपने गांव में कोरोना वैक्सीन टीकाकरण कार्यक्रम में लोगों में उपजी भ्रांतियों को दूर करना है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा युवा शक्ति कोरोना मुक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर छात्रों के माध्यम से उनके माता-पिता, परिवार के सदस्य,समाज के लोगों को टीकारण के लिए अनुकूल व्यवहार के लिए जागरूक एवं प्रेरित करेंगे। प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने छात्रों से कहा ओपन बुक पद्धति से परीक्षा कॉपी जमा कराने आए छात्र स्वयं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। डॉ. प्रदीप सिंह राव ने कहा एनएसएस, एनसीसी के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक साथी ने शार्ट फिल्म, नुक्कड़ नाटक, कविताओं, गीतों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से कोरोना मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गोपाल साहू एवं आभार प्रगट डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगेश्वर पहाड़े, अक्षय मालवी, नवीन नागले, अमित मालवी, पूनम मालवी, लक्षिता सातपुते, वर्षा राव, दीपिका नारे, इशा बारस्कर, विजय यादव, सचिव खाकरे, प्रांजल मालवी, आयुशी खाड़े, ललित तायवाड़े का योगदान रहा।

# अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाया

## ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

**जेएच ई न्यूज बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल द्वारा संचालक सामाजिक न्याय कल्याण संचालनालय एवं जिला बैतूल कलेक्टर के आदेश के परिपालन में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्या डॉ. विजेता चौबे एवं जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर मादक पदार्थों का उपयोग ना करने की सामूहिक शपथ ली एवं नशीले पदार्थों के दुरूपयोग एवं अवैध व्यापार के विरुद्ध जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सरिता चौटेले एवं लक्षिता सातपुरे, द्वितीय बालकिशोर अमरूते, तृतीय स्थान माधुरी आर्य ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन पूनम मालवीय तथा आभार प्रदर्शन दलनायक योगेश्वर पहाड़े ने किया। प्राचार्या डॉ. विजेता चौबे ने कहा नशीले पदार्थों का उपयोग करके कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं। शराब से दूर रहने में ही भलाई है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा नशीले पदार्थों के उपयोग से धन हानि, कलह होना, रोग की संभावना, दुश चरित्रता, भद्दी नग्नता, बुद्धि की हानि होती है। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सरीता चौटेले ने कहा नीशले पदार्थों का व्यापार भी नहीं करना चाहिए जिससे समाज को नुकसान होता है।

कार्यक्रम में ईशान खान, कन्हैया अमृते, कीर्ति झरबड़े, विकास कवड़े, जुबेर शेख, अमृता धुर्वे, दीपिका आहके, शनी पवार, अमोल सहाने, दुर्गेश कुमरे, नवीन नागले, हिमांशु पाटिल, भारती धर्मे, हिमांशी खोबरे, पूजा लिल्होरे, आकाश अंजरे, लक्ष्मण प्रजापति, दीपक अहाके ने सहभागिता की एवं सक्रिय सहयोग दिया।

# संदेश प्रधान शार्ट फिल्म 'नसीहत' रिलीज हुई

## प्रो.राव ने फिल्म के माध्यम से चेताया, कोरोना खतरनाक है

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** कोरोना काल में कलाकार भी अपनी रचनात्मक प्रस्तुति के द्वारा अपना योगदान देते हुए समाज को जागरूक कर रहें हैं। ऐसे ही जेएच कॉलेज के राजनीति विज्ञान के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ.प्रदीप सिंह राव ने कोरोना के कठिन दौर में जन जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियो और आम लोगों को संदेश देने व हिदायत से रहने के उद्देश्य से अपनी आठवी शार्ट फिल्म बनाई है।

प्रयोगात्मक फिल्मो और उत्कृष्ट कथानक के लिए प्रसिद्ध डॉ.राव ने नई फिल्म नसीहत को बाल कलाकारों के साथ बनाया है। इस फिल्म में कोरोना की चपेट में आ चुकी बाल कलाकार भी है। मास्क न लगाने, बाहर फालतू घूमने और दूरी न रखने की असावधानी रखने वालों को इस फिल्म के माध्यम से नसीहत दी है। पुणे, इंदौर की बाल कलाकार कु.गोरोचना सिंह, मायरा तंवर और 4 वर्ष की मुदिता सिंह राव ने अभिनय किया है। निर्देशक डॉ.राव ने बताया कि 5 मिनिट की यह फिल्म यूट्यूब, फेसबुक और वाट्सअप पर रिलीज हो चुकी है। जेएच कॉलेज की प्राचार्य विजेता चौबे ने इस रचनात्मक पहल की सराहना की है। रासेयो के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने सम्पूर्ण बैतूल जिले के लिए गर्व का विषय बताया। फिल्म की दर्शक प्रशंसा कर रहें हैं।


■ प्राचाय - डॉ. विजेता चौबे ■ संपादक - डॉ. सुखदेव डोंगरे ■ सह संपादक - डॉ. गोपाल साहू ■ डॉ. मनोहर गावंडे

## संपादकीय

# कोविड लॉकडॉउन के दौरान भारतीय उच्च शिक्षा पर असर

डॉ. सुखदेव डोंगरे
संपादक

कोरोना वायरस का प्रभाव आज समूचे विश्व पर पड़ रहा है। दुनिया भर के लगभग 190 देश इसकी चपेट में आ चुके है तथा अर्थव्यवस्था बुरी तरह जूझ रही है, हम धीरे एक वैश्विक मंदी कि तरफ बढ़ रहे है। इस वायरस की वजह से कितने देशों में लॉकडॉउन और कर्फ्यू की स्थिति आ गई है। उद्योग जगत, सामाजिक आर्थिक क्षेत्र के साथ एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र इस वायरस से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है वो है उच्च शिक्षा का। भारत जैसे बड़ी एवं घनी आबादी वाले देश में फिर भी स्थित सकारात्मक है और भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी ने इस महामारी से देश को बचाने के लिए अनेकों ठोस कदम उठाए हैं।

प्राथमिक हो माध्यमिक या उच्च शिक्षा, छात्रों का पठन पाठन बुरी तरह से प्रभावित है। कुछ बड़े संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएम, एमिटी यूनिवर्सिटी एवम् अन्य ने ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का इस्तेमाल कर अपने छात्रों को सहयोग करने की पूरी कोशिश की है परन्तु ऐसे संस्थान गिनती भर के ही हैं । हमारी एमिटी यूनिवर्सिटी में सभी प्रोफेसर प्रतिदिन ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से अपने सभी छात्रों से बात करते हैं उनका मार्गदर्शन करते हैं।

ऑनलाइन ही छात्रों को नोट्स, असाइनमेंट आदि उपलब्ध कराया जा रहा है साथ ही साथ उनके अभिवावकों से भी बात की जा रही है जिस से छात्रों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो। कुछ अन्य सरकारी यूनिवर्सिटीज ने भी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए जरूरी इंतजाम किए हैं।फिर भी छोटे शहरों में स्थित संस्थानों का बुरा हाल है। भारत जैसे युवा देश जिसमें छात्रों की संख्या इतनी अधिक हो यह स्थिति चिंता जनक हैं। उच्च शिक्षा पर इसके प्रभाव को लगभग हर हिस्से में देखा जा सकता है। भारत सरकार एवम् सभी राज्यो की सरकारों ने भी इस दिशा में कई कदम उठाए हैं, छात्रों को विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से ई कंटेंट मुहैया कराए जा रहे हैं, यूजीसी एवम् अन्य क्षेत्रीय बोर्ड कई सारे ऐप्स और वेबसाइट पर कोर्स से संबंधित नोट्स और अन्य मटेरियल मुफ्त में दे रहे है जिसका बहुत लाभ हो रहा है। ऐसे छात्र जो उच्च शिक्षा के लिए नए कोर्स में प्रवेश चाहते है, जब तक उनका पुराना परिणाम घोषित नहीं होता एवम् लाकडाउन समाप्त नहीं होता उनकी प्रवेश परीक्षाएं एवम् नामांकन वर्तमान प्रणाली में संभव नहीं है और इस वजह से प्रवेशार्थी एवम् उनके परिवारजन मानसिक तनाव की स्थिति में आ गए हैं। हालांकि यूजीसी, एआईसीटीई, सीबीएसई इत्यादि सरकारी एजेंसियां इस विषय को लेकर चिंतित हैं और जरूरी दिशा निर्देश दिए जा रहे है। हमे पूर्ण विश्वास है कि हमारी सरकार ऐसे सभी छात्रों के भविष्य के लिए बराबर चिंतित है और यूजीसी आदि के द्वारा इसका रोड मैप बनाया जा रहा है। हमने एमिटी में अनेक ऐसे कदम उठाए हैं जिस से कोविड का असर प्रवेश प्रक्रिया पर ना पड़े, हम सभी अभ्यर्थियों के सीधे संपर्क में हैं एवम् उनका जरूरी मार्गदर्शन कर रहे हैं। । दूसरे संस्थानों को भी प्रवेश परीक्षाओं की देरी की स्थिति में दूसरे विकल्पों जैसे ऑनलाइन परीक्षा आदि के बारे में सोचना चाहिए । जो छात्र अभी उच्च शिक्षा के विशेषकर तकनीकी एवम् व्यवसायिक शिक्षा के अंतिम वर्ष में है उनका प्लेसमेंट अमूमन इसी समय में होता था वो अधर में जाता दिख रहा है क्यों कि लॉकडाउन की वजह से संस्थान एवम् कंपनी दोनों ही बंद हैं।

# एनएसएस के 250 स्वयंसवेक चला रहे टीकाकरण जागरूकता अभियान

**जेएच ई न्यूज बैतूल।** राष्ट्रीय सेवा योजना बैतूल जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे एवं रासेयो जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में टीकाकरण जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें जिले के 10 शासकीय-अशासकीय महाविद्यालयों की रासेयो इकाई के 250 स्वयंसेवक अपने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में भारत सरकार खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय तथा मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के दिशानिर्देशों, लॉकडाउन व सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए कार्य कर रहें हैं।

साथ ही सोशल मीडिया पर कोविड-19 के प्रभाव एवं संक्रमण को रोकने व टीकाकरण जागरूकता के लिए पूरे जज्बे के साथ दीवार लेखन, चित्रकला, पोस्टर, रंगोली, मेंहदी, पत्र लेखन, ऑडियो-वीडियो के माध्यम से ग्राम स्तर पर और अपने घ्लक्र पर रहकर जागरूकता अभियान चला रहें हैं। स्वयंसेवक ग्राम संपर्क के माध्यम से भी लोगों को जागरूक कर रहें हैं। ग्राष्म ऋतु के प्रारंभ होते ही पक्षियो को दाना-पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिले भर में स्वयंसेवकों द्वारा दाना पानी अभियान चलाया जा रहा है और पौधारोपण किया जा रहा है। जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि यह स्वयंसेवकों की अच्छी पहल है और उन्होने कहा कि रासेयो के युवा हमेशा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य करते रहें हैं। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि बैतूल जिले में कोरोना के मरीज लगातार बड़ रहें हैं और लोगों को सोशल डिस्टेंस को गंभीरता से मानना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू ने कहा कि लोग वैक्सीन को लेकर अफवाहों पर ध्यान ना दें और इसे अवश्य लगवाएं क्योंकि यह वेक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और कुशल वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई है। स्वयंसेवक प्रवीण परिहार ने बताया कि टीकाकरण जागरूकता अभियान अंतर्गत दीवार लेखन, चित्रकला, पोस्टर, रंगोली, मेंहदी, पत्र लेखन, ऑडियो-वीडियो के माध्यम से लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित कर रहें हैं वहीं दाना-पानी अभियान एवं पौधारोपण के माध्यम से प्रकृति के संतुलन की पहल की है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सोमचंद साहू, सतीष सलामें, दीपाली पांडे, ललित तायवाड़े, संजय उइके, अभिषेक हुरमाड़े, योगेश्वर पहाड़े, अंजली सोनारे, दुर्गेश कुमरे, दुर्गाप्रसाद मोरले, अक्षय मालवी, सरिता चोटेले, लक्षिता सातपुते, बालकिशोर अमरूते, शिवानी हुरमाड़े, रेश्मा भाकरे, अमोल सहाने, शुभम हजारे, रेश्मा टिटवारे, जतिन प्रजापति, सीता यादव आदि अन्य स्वयंसेवकों का सरहानीय योगदान रहा।

# टीकाकरण महाभियान में एनएसएस सक्रिय, योगाभ्यास के साथ किया प्रारंभ

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल के आदेशानुसार प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे के संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले भर के महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अपने घरों में योग अभ्यास किया। f

जसके फोटोग्राफ अपने महाविद्यालयों के ग्रुप में साझा किए। जिले की 34 रासेयो इकाई,

महाविद्यालय स्टॉफ, प्राध्यापक, कर्मचारी, व अन्य विद्यार्थियों ने योगाभ्यास में सहभागिता की। साथ ही गोद ग्राम एवं छात्र अपने घर के नजदीक कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर में जाकर टीकाकरण महाअभियान में स्वयंसेवक सहायता करते हुए लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित कर रहें हैं। एनएसएस के विद्यार्थी इस दौरान डब्ल्यूएचओ की गाइड लाइन का पालन करने की समझाइश भी लोगों को दे रहे हैं।

# रिसर्च में आया सामने सालबर्डी में प्राचीन बौद्ध संपदा मौजूद

## बन सकता है बौद्ध पर्यटन स्थल, बैतूल जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, राजस्व में होगी वृद्धि

**जेएच ई न्यू, बैतूल।** बैतूल जिले के मुलताई तहसील प्रभातपट्टन जनपद के अंतर्गत ग्राम सालबर्डी में प्राचीन बौद्ध संपदा मौजूद है। इंडियन आर्कियोलॉजी 1979-80 ए रिव्यूय लेखक देबाला मित्रा, डायरेक्टर जनरल आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया नई दिल्ली 1983 प्रकाशन के जिला अमरावती के अन्वेषण प्रोफेसर अजय मित्र शास्त्री और प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व नागपुर विश्वविद्यालय के डॉ. चंद्रशेखर के अन्नवेषण के अनुसार मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के सीमाओं पर बसा सालबर्डी गांव में गुफा है जिन्हें हीनयान बौद्धों द्वारा बनाया बाद में महायान बौद्धों द्वाराकब्जा कर लिया। वर्तमान में महानुभाव समुदाय द्वारा कब्जा कर लिया है। सालबर्डी में प्राचीन बौद्ध गुफा है। एक गुफा के गर्भगृह में कमल पे बैठा बुद्धा की कलाकृति है। बुद्ध का चेहरा क्षतिग्रस्त है। सालबर्डी में पद्मपानी एवं वज्रपानी बुद्ध की मूर्ति मौजूद है। सालबडी में और दो बौद्ध गुफा मौजूद है। जिसमें से एक बौद्ध गुफा पूर्ण विकसित तथा एक बौद्ध गुफा अधूरी है।

आधुनिक महाराष्ट्राचा इतिहास के अनुसार अमरावती से 60 किलोमीटर उत्तर की ओर मोर्शी से 4 से 8 किलोमीटर पूर्व की तरफ महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश की सीमा पर सतपुड़ा पर्वत श्रृखंला में मांडू नदी के किनारे 5वीं शताब्दी में बनी बौद्ध की 03 गुफाएं मौजूद हैं। सालबर्डी में प्राकृतिक गुफा भी है। सालबर्डी में दो गुफा पूर्ण विकसित है एक गुफा अपूर्ण है। पास में ही गुप्त गंगा नदी के किनारे एक बौद्ध स्तूप है। जिस पर महानुभव पंथियों कब्जा कर लिया है। गुफा के बाहर भीतर और आस-पास बौद्धकालीन शिल्पकला एवं बुद्ध की मूर्तियां मौजूद है। जिला पुरातत्व एवं आदिवासी कला संस्कृति संग्रहालय तथा बैतूल जिले का इतिहास 26 जनवरी 1988 अध्यक्ष कलेक्टर बैतूल इंद्रकुमार शर्मा आईएएस, सचिव एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग जयवंती हॉक्सर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के डॉ. आरजी पाण्डे, उपाध्यक्ष बीके अग्रवाल, प्रशासक नगरपालिका परिषद बैतूल, सह सचिव पुरातत्वेत्ता पुरातत्व एवं संग्रहालय होशंगाबाद, सदस्य विनोद कुमार डागा, बिरदीचंद गोठी, डॉ. एमएन पांसे, विधायक बैतूल, प्रो. केके चौके के अनुसार सालबर्डी की गुफा मंदिर में स्पर्श मुद्रा में भग्न बुद्ध मूर्ति मौजूद होने के कारण इन्हें बुद्धकालीन स्वीकार किया है। गौरतलब है कि बैतूल जिले के बौद्ध आनुयायियों को इस बात की जानकारी नहीं है कि सालबर्डी में बौद्ध संपदा मौजूद है।

शोधकर्ता जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय बैतूल के प्रोफेसर एवं बॉयोटेक्नालॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुखदेव डोंगरे के अनुसार सालबर्डी में 5वीं शताब्दी में बनी तीन बौद्धकालीन गुफा है। दो बौद्ध गुफा विकसित है जिसमें से एक पर महानुभव पंथियों द्वारा कब्जा कर लिया है। संप्रदाय से संबंधित मूर्तियां स्थापित कर ली है। एक पूर्ण विकसित बौद्ध गुफा मौजूद है। एक अपूर्ण बौद्ध गुफा है, गुफा के नीचे साइड में एक बौद्धकालीन कुआं है। जिसमें पूरे सालभर पानी रहता है। बौद्ध गुफाओं के आस-पास, सालबर्डी में पद्मपानी एवं वज्रपानी बुद्ध की मूर्ति मौजूद हैं। प्राचीन बौद्ध स्तूप है जिसपर महानुभव सम्प्रदाय ने कब्जा कर लोग बौद्ध विरासत को लगातार खंडित करते हुए नष्ट रहे हैं। चार एकड़ में बना एक बौद्धविहार है उस बौद्ध विहार में दीवार के बाहर, अंदर, परिसर भगवान बुद्ध से संबंधित धम्म चक्र अन्य बौद्धकालीन शिल्प कलाकृति पद्मपानी तथा वज्रपानी बुद्ध की प्रतिमा मौजूद है। प्राकृतिक गुफा की ओर जानें क लिए सीढ़ीया बनी हुई है। प्राकृतिक गुफा के आस-पास बुद्ध से संबंधित शिल्प कलाकृति साक्ष्य प्रमाण मौजूद है।

सालबर्डी के समीप 5 किलोमीटर दूरी पर एक सुंदर एवं मनमोहक झरना है। यह झरना जुलाई से नवंबर तक बहता रहता है। इसे देखने प्रतिवर्ष लाखों लोग जाते हैं। सालबर्डी के समीप ही गांव दारूड़ के आासपास पहाड़ी पर प्राचीन बौद्धकालीन शैलचित्र, अनेक स्थानों पर बने हैं। प्राचीन शैलचित्रों पर शोधार्थी शोधकार्य कर सकते हैं। सालबर्डी में प्राचीन बौद्ध संपदा बौद्ध स्तूप, बौद्ध गुफा, बौद्ध विहार, प्राचीन भगवान पद्मपानी एवं वज्रपानी बुद्ध की मूर्ति, शिल्पकला, शैलचित्र, भिक्षुओं के ध्यान समाधि के लिए छोटी-छोटी बौद्ध गुफा कक्ष के समान बनी है। इसे बौद्ध पर्यटक स्थल घोषित करने पर देश विदेश के पर्यटक आने लगेंगे। जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा, सालबर्डी की बौद्ध विरासत को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पुरातत्व विभाग के अधीन करके संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि कुछ नास्तिक लोगों द्वारा लगातार बौद्ध संपदा को तोडफ़ोड़ करके खंडित किया जा रहा है।

सालबर्डी के ग्रामीण पूर्व सरपंच उषा मणिकर, पूर्व सरपंच जयवंती नागले, सरपंच सुखदेव मणिकर, अजाब मणिकर, रवि नागले, दिलीप खातरकर, महेंद्र खातरकर आदि से भी सालबर्डी में बौद्ध संपदा होने का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि प्रो. डॉ. सुखदेव डोंगरे इसके पहले खेड़ला किले पर गोंड राजाओं के इतिहास पर भी रिसर्च कर चुके हैं।

# आतंकवाद और हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं, परिचर्चा संपन्न

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि (आतंकवादी विरोध दिवस)के अवसर पर जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में परिचर्चा संपन्न हुई। परिचर्चा प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में जिला संगठक रासेयो डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे, के निर्देशन में संपादित की गई।

जिसमें पुरूष इकाई दलनायक योगेश्वर पहाड़े सहित 46 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर डॉ.सुखदेव डोंगरे द्वारा अहिंसा और सहनशीलता परंपरा पालन की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि

आंतकवाद और हिंसा से पूरा विश्व त्रस्त है। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए जिसमें करूणा, मैत्री समाहित हो। डॉ.गोपाल प्रसाद साहू ने कहा कि आतंकवाद और हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। डॉ.साहू ने कहा कि इस कोरोना काल में एनएसएस के स्वयंसेवक वैक्सीन टीकाकरण, मास्क, सोशल डिस्टेंस आदि जागरूकता कार्यक्रम चला रहें हैं। डॉ.प्रतिभा चौरे ने कहा कि भारत जैसे शांति के टापू में हिंसा और आतंकवाद के लिए जगह नहीं है। एनएसएस के सरिता चोटेल, वर्षा राव, बालकिशोर अमरूते, दुर्गेश कुमरे, लक्षिता सातपुते, माधुरी आर्य, सतीष सलामें ने भी आतंकवाद पर अपने विचार प्रकट किए। परिचर्चा का संचालन संजय इवने ने व आभार योगेश्वर पहाड़े ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कमले कुमरे, आकाश अजनेरे, अक्षय मालवी, चंद्रशेखर राठौर, सानिया साहू, दीक्षा चौकीकर, ज्योति मालवीय, श्रद्धा गाडगिल, वर्षा रावत, ज्याति शर्मा, हिमांशु पाटिल, अरूणा धुर्वे, का सराहनीय योगदान रहा।

# मजदूरों के हित के बिना देश का विकास संभव नहीं: डॉ. सुखदेव डोंगरे

## जेएच कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर ऑनलाइन संगोष्ठी संपन्न

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की प्राचार्या डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर 1 मई 2021 को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन भोपाल के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह परिहार, जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. यासमीन जिया, डॉ. साधना डेहरिया, प्रो. प्रदीप पंद्राम, प्रो. मनोज घोरसे, भोपाल से मिलिंद बौद्ध एवं जिले के स्वयंसेवकों की उपस्थिति में गहन विचार मंथन के साथ संपन्न हुई।

संगोष्ठी में रासेयो कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों ने 72 ने सहभागिता की। ऑनलाइन संगोष्ठी का संयोजन पुरुष इकाई के दलनायक योगेश्वर पहाड़े एवं महिला इकाई की दलनायिका अंजली सोनारे ने किया। राहुल सिंह परिहार ने कहा भारत सरकार मनरेगा के माध्यम से मजदूरों को सशक्त बना रहा है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा श्रमिक मजदूर ही देश के विकास की रीढ़ की हड्डी है। मजदूरों के हित के बिना देश का विकास संभव

**ये फोटो चाहिए**

नहीं है। डॉ. यासमीन जिया ने कहा किसी भी बड़े निर्माण, बिल्डिंग, उद्योग, कृषि कार्य मजदूर के बिना संभव नहीं है। इसलिए मजदूरों का शोषण रोकना चाहिए। डॉ. साधना डेहरिया ने कहा मजदूर में सभी अधिकारी, कर्मचारी भी आते हैं, क्योंकि श्रम के बदले वेतन लेते हैं। प्रो. मनोज घोरसे ने बताया डॉ. भीमराव आंबेडकर ने मजदूरों के हित के लिए दुर्घटना बीमा, भविष्य निधि, पेंशन, टीए, डीए एवं मेडिकल के साथ जीवन बीमा की सुविधा का बिल प्रस्तुत कर पास कराया।

अंजली सोनारे ने बताया कि महिला, पुरुषों को समान वेतन, मातृत्व अवकाश का लाभ बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान के कारण मिला है। योगेश्वर पहाड़े ने बताया 12 से 14 घंटे के बजाए 8 घंटे प्रतिदिन मजदूरी का समय प्रस्ताव पारित कराने का श्रेय बाबा साहेब आंबेडकर को जाता है। सरिता चोटेले ने कहा कर्मचारी यूनियन की हड़ताल निषेध का बिल 1948 में भारत सरकार ने औद्योगिक विधेयक में पारित कर लिया था। जिसको डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने इसे काला कानून बताया था।

उन्हीं के कारण आज कर्मचारी यूनियन को हड़ताल करने का अधिकारी एवं कर्मचारियों यूनियनों के लाभ संबंधित अधिकार मिले हैं। संगोष्ठी में उपरोक्त के अलावा लक्षिता सातपुते, पूनम मालवी, कन्हैया अमरूते, सतीष सलामे, वर्षा रावत, बाल किशोर अमरूते, काजल मालवी, रानी खवसे, रिया धिढोढे, दीक्षा चौकीकर ने भी अपने विचार प्रकट किए। पूनम पांसे, ललनी साहू, लक्ष्मण, नितिका, श्रेजल, देवासीस, प्रियंका, संजय उईके, हिंमाशु पाटिल, ज्योति मालवी, काजल मालवी, अरूण धर्वे ने सक्रिय सहयोग दिया। अंत में योगेश्वर पहाड़े एवं अंजली सोनारे ने आभार व्यक्ति किया।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ऑनलाइन योगाभ्यास कराया

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग के आदेश के परिपालन में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में शासन की मंशानुसार अपने-अपने घर में योगाभ्यास एवं मेडिटेशन होना चाहिए इस उद्देश्य से वनस्पति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का पांडे द्वारा प्रात: 7 से 8 बजे तक प्राचार्या, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की कुल 78 की सहभागिता में ऑनलाइन जूम एप पर योगाभ्यास करवाया।

प्राचार्या डॉ. विजेता चौबे द्वारा सभी सहभागीजनों को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। बॉयोटेक्नालॉजी विभाग की डॉ. निहारिका भावसार द्वारा बॉयोटेक्नालॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में बैतूल शहर के जनमानस प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को ऑनलाइन जूम एप पर प्रात: 8.20 से 9.20 तक योगाभ्यास एवं मेडिटेशन कराया गया। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया कि डॉ. निहारिहा भावसार विगत दो माह से शहर के जनमानस को कोरोना से लडने के लिए योगाभ्यास एवं मेडिटेशन करवा रही हैं। योगाभ्यास में एनसीसी और एनएसएस के विद्यार्थी भी सहभागिता निभा रहे हैं। जिले के कुल 5 हजार 500 की संख्या में योगाभ्यास कराया जा चुका है। योगाभ्यास और मेडिटेशन करवाने में डॉ. कमलेश अहिरवार, डॉ. गोपाल साहू, डॉ. प्रतिभा चौरे, डॉ. खुशाल देवघरे, दलनायक योगेश्वर पहाड़े और अंजली सोनारे का सक्रिय सहयोग रहा।

# अहिंसा परमो धर्म का सिद्धांत दिया महावीर स्वामी ने: प्रो.रोहित जैन

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के मार्गदर्शन में महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर डॉ. सुखदेव डोंगरे जिला संगठक के निर्देशन में कोरोना वायरस से बचाव एवं कोवैक्सीन तथा कोविशील्ड टीकाकरण के लिए लोगों को समझइश देते हुए जागरूकता अभियान चलाया। महावीर स्वामी के उपदेश एवं सिद्धांत विषय पर ऑनलाईन संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें 6 रासेयो कार्यक्रम अधिकारी, 53 स्वयं सेवकों द्वारा सहभागिता की गई। मुख्य रूप से डॉ. सुखदेव डोंगरे, प्रो. रोहित जैन, डॉ. संजय बनकर, डॉ. यास्मिन जिया, वरिष्ठ स्वयं सवेक सोमचंद साहू, पुरुष इकाई के दलनायक योगेश्वर

**ये फोटो चाहिए**

पहाड़े, महिला की दलनायक अंजली सोनारे कार्यक्रम में उपस्थिति हुए। प्रो. रोहित जैन ने महावीर स्वामी का अहिंसा परमो धर्म का सिद्धांत महत्वपूर्ण बताया। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा महावीर स्वामी ने पशु-पक्षी नर बलि प्रथा, जाति, लिंग भेदभाव, अंधविश्वास का विरोध किया एवं पंचवृत अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रम्हचर्य एवं अपरिग्रह का मार्ग बतलाया। डॉ. यास्मिन जिया ने कहा महावीर स्वामी ने पांचों इंद्रियों पर विजय प्राप्ती की जिससे उन्हें भगवान बनाया। डॉ. संजय बनकर ने कहा महावीर स्वामी, भगवान बुद्ध, प्लेटो, सुकरात, पायथागोरस, लाहौस, कंफ्यूसियस के समकालीन थे। भगवान बुद्ध एवं महावीर स्वामी श्रमण संस्कृति को मानने वाले थे। वे प्रकृति एवं सत्यकर्म को ही मानते थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सोमचंद साहू, योगिता माकोड़े, लक्षिता सातपुते, जुबेर शेख, सरिता चौटेले, अमित मालवी, निधि सुरजाने, प्रतिभा, दुर्गाप्रसाद मोरले, भूषण भावसार, कन्हैया अमरूते, वर्षा रावत, श्रीजल सिसोदिया, प्रीति धोटे, शर्मिला परते का सक्रिय सहयोग रहा।

# एनएसएस के छात्र दीवार लेखन और संपर्क करके कर रहे जागरूक

## स्वयंसेवक कोविड के टीका उत्सव में सक्रिय भूमिका निभा रहे , टीका एकदम सुरक्षित है, जरूर लगाएं

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** भारत सरकार के आव्हान पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कोविड के टीका उत्सव में सक्रिय भूमिका निभा रहें हैं। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना

जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे जिले के समस्त कार्यक्रम अधिकारी तथा वरिष्ट स्वयंसेवक प्रवीण परिहार, सोमचंद साहू, ललित राजपूत, दीपाली पांडे के निर्देशन में स्वयंसेवक प्रशासन की गाईडलाईन का पालन करते हुए अपने गांवों में टीका लगाने के लिए प्रेरित किया। कोविड वैक्सिन के प्रति जागरूक किया तथा टीका संबंध में विभिन्न भ्रांतियों को दूर किया साथ ही दीवारों पर वैक्सिन की पेंटिंग एवं नारे लिखकर लोगों को वैक्सीन के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवक अपने-अपने गांवों में सर्वे कर रहें है लोगों को समझा रहें हैं कि यह पूरी तरह सुरक्षित और निःशुल्क है।

इसके लिए अपना अपना आधार कार्ड या पहचान पत्र लेकर नजदीकी कोरोना वैक्सीन सेंटर जाकर शीघ्र वैक्सीन लगवाएं।

इन सब गतिविधियों में जेएच कॉलेज के लक्षिता सातपुते, वर्षा रावत,रानी खवसे, संजय उइके, अंजली सोनारे, दुर्गेश कुमरे, योगेश्वर पहाड़े, कविता वाड़बूदे, नवीन नागले, अरूणा धुर्वे, सलोनी बरवे, नंदनी सोनी, अमित मालवी, पूजा साहू, काजल खवसे, रोशनी उघड़े, ज्योति धोटे, शासकीय महाविद्यालय घोड़ाडोंगरी से आदर्श राजपूत, जतिन प्रजापति, मुलायम बघेल, मनीष आशवारे, वैष्णवी महाविद्यालय भड़ूस से शुभम हजारे, राहुल पंवार, दिलीप टिटवारे, शासकीय महाविद्यालय भैंसदेही से रेशमा भाकरे, शासकीय महाविद्यालय मुलताई से उर्मिला पंवार, शिवानी मोहबे, मुस्कान नरवरे, अभिषेक हुरमाड़े, लक्ष्मी मर्सकोले ने सहभागिता की साथ ही जेएच कॉलेज की सरिता चोटेले, रोशनी बनकर, श्रेजल सिसोदिया, दुर्गाप्रसाद मोरले, भूषण भावसार, लक्ष्मण परते, संदीप उइके, सानिया साहू आदि का सराहनीय योगदान रहा।

# एनएसएस के छात्र पक्षियों के लिए चला रहे दाना-पानी अभियान

## राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने पेड़ों और बालकनी में बांधे सकोरे

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ होते ही पशु पक्षी दाना पानी के लिए भटकते रहते हैं। यह हम सभी का दायित्व है कि हम इनके लिए दाना पानी की व्यवस्था करें। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जेएच कॉलेज प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे, जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे,कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू एवं प्रतिभा चौरे के मार्गदर्शन में अपने गांव-नगर में दाना-पानी अभियान चला रहें हैं। प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक निरंतर रचनात्मक कार्यों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करते हैं। स्वयंसेवकों द्वारा चलाया जाने वाला दाना पानी अभियान नितांत आवश्यक और प्रेरक है। रासेयो जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कोरोना महामारी के दौर में जिस प्रकार गरीबों को सहायता की आवयकता है। उसी प्रकार पशु पक्षियों को दाना पानी की जिससे प्रकृति का संतुलन बना रहे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जीपी साहू ने कहा जो प्राणी बोल नहीं सकते इनके लिए दाना पानी अभियान स्वयंसेवकों की अच्छी पहल है। डॉ.प्रतिभा चौरे ने कहा कि यह स्वयंसेवकों की अच्छी और प्रेरक पहल है। वरिष्ट स्वयंसेवक प्रवीण परिहार ने बताया कि एनएसएस के स्वयंसेवक शिक्षा के द्वारा समाजसेवा एवं समाजसेवा द्वारा शिक्षा के लिए कार्य करते हैं। पूर्व दलनायक संजय उइके ने बताया कि दाना पानी अभियान को सफल बनाने में दलनायक योगेश्वर पहाड़े, उपदलनायक दुर्गेश कुमरे, दलनायिका अंजली सोनारे, दुर्गाप्रसाद मोरले, अक्षय

मालवी, हिमांशु पाटिल, नवीन नागले, बालकिशोर अमरूते, लक्ष्मण परते, भूषण भावसार, आकाश अजनेरे, सानिया साहू, निधि सुजाने, रोशनी उघड़े, काजल मालवी, प्रियंका सराठे, सरिता चोटेले, दिक्षा चौकीकर, वर्षा रावत, लक्षिता सातपुते, कविता वाड़बुदे, सीमा परते, ललीता पारधे, सोनम सरियाम, रोशनी साहू, रंजीता सरयाम, रेशमा टिटवारे, शुभम हजारे, दिलीप टिटवारे, आकाश उइके, प्रिंस गोरिया, सोहन उइके, रोहित उइके, भावना मानकर, हर्षिता साहू, चांदनी गायकवाड़, शांति पंवार, प्रियंका पंवार आदि स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

# निरोगी सुख चाहते हो तो तम्बाकू छोड़ो: डॉ.सुखदेव डोंगरे

## विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर भाषण प्रतियोगिता संपन्न

**जेएच न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर एनएसएस के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे द्वारा तम्बाकू से बनी वस्तुएं बीड़ी, सिगरेट, जर्दा, पानमसाला, गुटका न खाने की शपथ दिलाई। जिसमें 45 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

भाषण प्रतियोगिता में 10 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिसमें प्रथम सरिता चोटेले, द्वितीय माधुरी आर्य, तृतीय कन्हैया अमरूते रहे। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि निरोगी सुख पाने के लिए तम्बाकू छोडना जरूरी है। उन्होने कहा कि 16वीं शताब्दी में तम्बाकू पुर्तगाल से आई थी। संजय उइके ने कहा कि भारत में मजदूर वर्ग तम्बाकू का बहुत अधिक सेवन करते हैं जो बहुत ही हानिकारक है। दलनायक योगेश्वर पहाड़े ने कहा कि तम्बाकू में निकोटिन पदार्थ मनुष्य के शरीर को नुकसान पहुंचाता है। उपदलनायक दुर्गेश कुमरे ने कहा पहली बार मनुष्य धुम्रपान शौक के रूप में करता है फिर उसकी लत पड़ जाती है। सरिता चोटेले ने कहा कि भगवान बुद्ध के अनुसार मन में दृढ़ संकल्प से कोई भी व्यसन छोड़ा जा सकता है। ऑनलाईन जूम एप पर सेमीनार का संचालन कविता वाड़बूदे ने व आभार दीक्षा चौकीकर ने व्यक्त किया। सेमीनार को सफल बनाने में नंदनी सोनी, अमित मालवी, निधि सुजाने, वर्षा रावत, निलेश भूसूमकर, हिमांशु पाटिल, जुबेर शेख, चंद्रशेखर राठौर, अरूणा धुर्वे, ज्योति मालवी, सीमा पाटिल, विजया गायकवाड़ का सरहानीय योगदान रहा।

# भारत को विश्व गुरू बनाने का श्रेय सम्राट अशोक को

## स्वर्ण युग था अशोक का कालः डॉ. सुखदेव डोंगरे, कल्याणकारी नीतियों विषय पर नेशनल वर्चुअल सेमीनार का आयोजन

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा दिनांक 20 अप्रैल 2021 को चैत्र शुक्ल अष्टमी सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर अशोक सम्राट की लोक कल्याणकारी नीतियों विषय पर नेशनल वर्चुअल सेमीनार 72 प्रोफेसर, बुद्धिजीवी, शोधार्थियों एवं एनएसएस के स्वयं सेवकों की सहभागिता में कोरोना वायरस टीकाकरण जागरूकता अभियान के साथ आयोजित किया गया। प्रमुख वक्ता सिधार्थ बौद्ध, डोमाराव खातरकर, डॉ. रितु चौहान मिलिंद बौद्ध, डॉ. यास्मिन जिया, डॉ. अमित सातनकर, डॉ. शीतल चौधरी, संयोजक समिति डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम, डॉ. संतोष कापसे, प्रो. मनोज घोरसे, आयोजक एनएसएस के पूर्व दलनायक संजय उईके, पुरुष इकाई के दलनायक संजय

उईके, महिला इकाई की दलनायक अंजली सोनारे सहित 78 प्राध्यापक और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सिद्धार्थ बौद्ध ने कहा महान सम्राट अशोक को उनकी लोक कल्याणकारी नीतियां, राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण, हास्पिटल, कुएं, तालाब, वृक्षारोपण, पशु बलि प्रथा निषेध, सभी धर्म के साधुओं, भिक्षुओं को संरक्षण के लिए महान सम्राट कहा जाता है। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा विश्व के अनेक देशों में बौद्ध का प्रचार कर 23 विश्व विद्यालय स्थापित कर भारत को विश्व गुरू बनाया। मौर्य काल में स्वर्ण मुद्रा तथा शिक्षा स्वास्थ की नीतियों के कारण अशोक काल स्वर्ण युग था। डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम ने बताया बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार के साथ अशोक ने 84000 बौद्ध स्तूप, अनेकों बौद्ध गुफा, बौद्ध विहार, बुद्ध की मूर्ति बनाई। डॉ. संतोष कापसे ने बताया भारत के राष्ट्रीय ध्वज का निशान अशोक चक्र एवं राष्ट्र चिन्ह चार शेरों वाला अशोक स्तंभ अशोक से लिया। इसके अलावा डॉ. अमित सातनकर, डॉ. रितु चौहान, महेंद्र खोबरागढ़े, देवेन्द्र नागले, करूणा मासोदकर, डॉ. सरोज पाटिल, डॉ. अंजना यादव सहित 10 स्वयं सेवकों ने अपने विचार प्रकट किए।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम सरिता चोटेले, द्वितीय लक्षिता सातपुते एवं तृतीय स्थान पर दुर्गाप्रसाद मोरले रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष कापसे, आभार प्रकट प्रो. मनोज घोरसे ने किया। नेशनल वर्चुअल संगोष्ठी को सफल बनाने में मयंक राउत, लोकेश पवार, कन्हैयालाल अमरूते, मयंक राठौर, पूनम उईके, ललिता साहू, निधि साबले, भावना सोनी, रामकिशोर पाठक, मोनिका वागद्रे का सक्रिय सहयोग रहा।

## कबीर विश्व के पहले समाज सुधारक

**बैतूल।** सत्य दयानाम सतगुरू कबीर आश्रम कोठी बाजार में सफेद झंडा चढ़ाया गया। कार्य म कबीर पंत के गुरू भूपति साहेब एवं दिवान बस्तीराम जौंजारे, डॉ.सुखदेव डोंगरे, जसवंत बचले, डीएच मासोदकर, नागोराव डोंगरे, कबीर आश्रम की अध्यक्षा चन्द्रकला डोंगरे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस मौके पर दिवान भूपति साहेब ने कहा कि कबीर ने सभी धर्मो में व्याप्त आडम्बर को उजागत किया व पाखंड झूठ का खंडन किया। साधु बस्तीराम जौंजारे ने कहा कि कबीर के अनुसार सभी लोग एक समान हैं न कोई ऊंचा है ना कोई नीचा है। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि सतगुरू कबीर ने पूजा, कर्मकांड, पाखंड, अंधविश्वास, स्वर्ग-नरक जैसे विचारों का प्रचार नहीं करते हुए समस्त जीव को करूणा व प्रेम का संदेश दिया। चन्द्रकला डोंगरे ने कहा कि सतगुरू कबीर प्रथम समाज सुधारक थे। जसवंत बचले ने कहा कि कबीर को सभी धर्म के लोग गुरू के रूप में स्वीकाते हैं। कार्य म को सफल बनाने में दिनेश पाटिल, जसवंत चौकीकर, लक्ष्मी गुजरे, लीला गायकवाड़, संगीता उबनारे, शंतिलाल डोंगरे, दिलीप सातनकर, नानू वामनकर, प्रियूश गुजरे, आयुष चौकीकर, नारायण गुजरे, तुलाराम चौकीकर, अर्पित चौकीकर, गुलाबराव जावलकर, गणपति सूर्यवंशी, संगीता उबनारे, ज्योति नागले, आरती नागले का सराहनीय योगदान रहा।

# चौथी साहित्यिक मासिक ऑन लाइन प्रतियोगिता में जेएच कॉलेज की कविता प्रथम, लक्षिता द्वितीय रहीं

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज बैतूल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए मासिक साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। इसी क्रम में चौथी साहित्यिक मासिक प्रतियोगिता इस बार कोरोना महामारी के कारण ऑनलाईन जूम मिटिंग के माध्यम से प्राचार्या डॉ.विजेता चौबे के मार्गदर्शन में, जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गोपाल साहू, डॉ.प्रतिभा चौरे के समन्वय में आयोजित की गई।

जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कविता वाड़बूदे, द्वितीय लक्षिता सातपुते, तृतीय सरिता चोटले व रोशनी उघड़े तथा संत्वना मिलिंद मसतकर, कविता लेखन में प्रथम पूनम मालवी, द्वितीय जयश्री साहू, तृतीय श्रेजल सिसोदिया, संत्वना कमल कुमरे व रोशनी उघड़े, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम लक्षिता सातपुते, द्वितीय सरिता चोटेले, तृतीय दुर्गाप्रसाद मोरले, प्रश्नमंच में प्रथम लक्षिता सातपुते, द्वितीय प्रियंका सराठे, तृतीय श्रेजल सिसोदिया, भाषण में प्रथम लक्षिता सातपुते, द्वितीय भूषण भावसार, तृतीय वर्षा रावत, वाद-विवाद के पक्ष में प्रथम माधुरी आर्य, द्वितीय कविता वाडबुदे, विपक्ष में प्रथम वर्षा रावत, द्वितीय लक्षिता सातपुते, तृतीय भूषण भावसार व श्रेजल सिसोदिया रही। प्रतियोगिता के आयोजन में वरिष्ठ स्वयंसेवक सतीष सलामे, पूर्व दलनायक संजय उइके, दलनायक योगेश्वर पहाड़े, अंजली सोनारे, उपदलनायक दुर्गेश कुमरे, बालकिशोर अमरूते, कन्हैया अमरूते, अरूणा धुर्वे, जूबेर शेख, विशाल सूर्यवंशी, लक्ष्मण परते, अक्षय मालवी, काजल मालवी, संदीप उइके, रानी खवसे का सराहनीय योगदान रहा।

# प्रो.राव ने संदेश प्रधान आठवी बाल फिल्म बनाई

**जेएच ई न्यूज, बैतूल।** जेएच कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर ने कोरोना के कठिन दौर में जान जागरूकता अभियान के तहत,विद्यार्थियो और आम लोगों को संदेश देने ,हिदायत से रहने के लिए आठवी बाल फ़िल्म बना कर शॉर्ट फिल्म का कोविड काल मे कीर्तिमान बनाया है। प्रयोगात्मक फिल्मो और उत्कृष्ट कथानक के लिए प्रसिद्ध डॉ.राव ने नई फिल्म 'नसीहत' को घर मे कोरों नटाइन रहते हुए बना

दिया।पिछले दिनों उनका पूरा परिवार इंदौर में पोसिटिव हो गया था।

लॉक डाऊन के इस दौर में बाल कलाकारों के साथ डॉ राव ने फिर से जागरूकता के लिए फ़िल्म बनाना शुरू किया है।इस फ़िल्म में कोरोना की चपेट में आई बाल कलाकार भी है। मास्क न लगाने, बाहर फालतू घूमने और दूरी न रखने की असावधानी रखने वालों को इस फ़िल्म ने नसीहत दी है। पुणे,इंदौर की बाल कलाकार कु.गोरोचना सिंह, मायरा तंवर और 4 वर्ष की मुदिता सिंह राव ने मार्मिक अपील की है।निर्देशक प्रोफेसर राव ने बताया कि 5 मिनिट की यह फ़िल्म यूट्यूब ,फेसबुक और वाट्सप पर रिलीज हो चुकी है। जे एच कॉलेज की प्राचार्य विजेता चौबे ने इस जागरूकता के लिए बधाई दी है।रासेयो के जिला संगठक डॉ सुखदेव डोंगरे ने सम्पूर्ण बैतूल जिले के लिये इसे गौरव निरूपित किया।